●वर्ष : 16 ●अंक : 302 ●मूल्य : 02 रूपया मात्र पृष्ठ : 08

RNI No. DELHIN/2008/23928

LKS

दैनिक लोकतंत्र की शान

RNI NO.: DELHIN / 2008 / 23928

www.loktantrakishaan.com

दिल्ली से प्रकाशित सोमवार 24 फरवरी 2025 लोकतंत्र का स्तंभ

Mfg & mkt by.. ANGEN PHARMACEU-TICALS (OPC) PRIVATE LIMITED

Distributorship ke liye contact Karen . (9315755133 / ya email Karen) angenpharmaceuticals@gmail.com

पीएम मोदी ने किया कैंसर अस्पताल का शिलान्यास

बागेश्वर धाम में अब भजन और भोजन के साथ मिलेगा निरोगी जीवन

पूजन और साधन के केंद्र रहे हैं हमारे मंदिर, मठ और धाम

पीएम मोदी ने कहा, 'हमारे मंदिर, हमारे मठ, हमारे धाम... ये एक ओर पूजन और साधन के केंद्र रहे हैं, तो दूसरी ओर विज्ञान और सामाजिक चेतना के भी केंद्र रहे हैं। हमारे ऋषियों ने ही हमें आयुर्वेद का विज्ञान दिया। हमारे ऋषियों ने ही हमें योग का वो विज्ञान दिया, जिसका परचम आज पूरी दुनिया में लहरा रहा है।

नूना न्यूज एजेंसी।

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को मध्य प्रदेश के छतरपुर के गढ़ा गांव में बागेश्वर धाम चिकित्सा एवं विज्ञान शोध संस्थान की आधारशिला रखी। इस दौरान वहां मुख्यमंत्री मोहन यादव और धीरेंद्र शास्त्री भी मौजूद रहे। इसके बाद पीएम मोदी ने एक जनसभा को भी संबोधित किया। इससे पहले पीएम ने बागेश्वर धाम में बालाजी मंदिर में पूजा-अर्चना की और सभी देशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की। जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा, 'ये हनुमान जी की कृपा है कि आस्था का ये केंद्र अब आरोग्य का भी केंद्र बनने जा रहा है। अभी मैंने यहां श्री बागेश्वर धाम चिकित्सा एवं विज्ञान अनुसंधान संस्थान का भूमिपूजन किया है। ये संस्थान 10 एकड़ में बनेगा। पहले चरण में ही इसमें 100 बेड की सुविधा तैयार होगी। मैं इस पुनीत कार्य के लिए श्री धीरेन्द्र शास्त्री जी का अभिनंदन करता हूं और बुंदेलखंड के लोगों को बहुत बहुत बधाई देता हूं।'

नेताओं का एक वर्ग धर्म का मजाक उड़ाता है

पीएम मोदी ने कहा, 'आज कल हम देखते हैं कि नेताओं का एक वर्ग ऐसा है जो धर्म का मखौल उड़ाता है, उपहास उड़ाता है, लोगों को तोड़ने में जुटा है और बहुत बार विदेशी ताकतें भी इन लोगों का साथ देकर देश और धर्म को कमजोर करने की कोशिश करती दिखती है।' उन्होंने कहा कि हिंदू आस्था से नफरत करने वाले ये लोग, सदियों से किसी न किसी वेष में रहते रहे हैं। गुलामी की मानसिकता से घिरे हुए ये लोग हमारे मत, मान्यताओं और मंदिरों पर, हमारे संत, संस्कृति और सिद्धांतों पर हमला करते रहते हैं।

पीएम ने कहा, 'ये लोग हमारे पर्व, परंपराओं और प्रथाओं को गाली देते हैं। जो धर्म, जो संस्कृति स्वभाव से ही प्रगतिशील है, उस पर ये किचड़ उछालने की हिम्मत दिखाते हैं। हमारे समाज को बांटना और उसको तोड़ना ही इनका एजेंडा है।'

पीएम मोदी ने कहा, 'इस माहौल में मेरे छोटे भाई धीरेन्द्र शास्त्री जी काफी समय से देश में एकता के मंत्र को लेकर लोगों को जागरूरत करते रहे हैं। अब उन्होंने समाज और मानवता के हित में एक और संकल्प लिया है। इस कैंसर संस्थान के निर्माण की ठानी है। यानि, अब यहां बागेश्वर धाम में भजन, भोजन और निरोगी जीवन तीनों का आशीर्वाद मिलेगा।'

पीएम मोदी ने कहा, 'जब देश ने मुझे सेवा का अवसर दिया, तो मैंने ह्यसबका साथ, सबका विकास के मंत्र को सरकार का संकल्प बनाया और, ह्यसबका साथ, सबका विकास के इस संकल्प का भी एक बड़ा आधार है- सबका इलाज, सबको आरोग्य।'

बजट में कैंसर की दवाईयां सस्ती करने की घोषणा की गयी थी। इसपर पीएम मोदी ने कहा, 'इस साल जो बजट आया है उसमें भी कैंसर से लड़ने के लिए कई सारी घोषणाएं की गई हैं और मोदी ने तय किया है कि कैंसर की दवाओं को और सस्ता किया जाएगा। अगले 3 साल में देश के हर जिले में कैंसर डे केयर सेंटर खोले जाएंगे।'

पीएम ने कहा कि मैं पिछली बार जब छतरपुर आया था तो यहां मैंने हजारों करोड़ रुपए की योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया था। आपको ध्यान होगा कि इसमें 45 हजार करोड़ रुपए की केन-बेतवा लिंक परियोजना भी थी। ये परियोजना कितने दशकों से लटकी हुई थी। कितनी सरकारें आईं और चली गईं। हर पार्टी के नेता भी बुंदेलखंड आते थे, लेकिन यहां पानी की किल्लत बढ़ती ही चली गई। पिछली किसी सरकार ने अपना वादा पूरा नहीं किया, ये काम भी तब शुरू हुआ, जब आपने मोदी को आशीर्वाद दिया।

मध्यप्रदेश में पीएम ने महाकुंभ का जिक्र किया

पीएम मोदी ने कहा, 'आज कल हम देख रहे हैं महाकुंभ की हर तरफ चर्चा हो रही है। महाकुंभ अब पूर्णता की ओर है। अब तक करोड़ों लोग वहां पहुंच चुके हैं। करोड़ों लोगों ने आस्था की डुबकी लगाई है, संतों के दर्शन किए हैं। अगर इस महाकुंभ की तरफ नजर करें तो सहज भाव उठ जाता है- ये एकता का महाकुंभ है।' उन्होंने कहा कि इस एकता के महाकुंभ में हजारों डॉक्टर्स, हजारों स्वयंसेवक स्वतः स्फूर्त भाव से, समर्पित और सेवाभाव से इसमें लगे हुए हैं। जो लोग एकता के इस महाकुंभ में जा रहे हैं वो इन प्रयासों की सराहना कर रहे हैं। ऐसे ही भारत में कितने ही बड़े-बड़े अस्पताल भी हमारे धार्मिक संस्थाओं द्वारा चलाए जा रहे हैं।

समाचार

नागपुर जिले में एक बाघ के हमले से किसान की मौत

नूना न्यूज एजेंसी।

महाराष्ट्र। के नागपुर जिले में एक बाघ ने मवेशियों को चारा खिलाने गए एक किसान पर हमला कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि जिला मुख्यालय से लगभग 50 किलोमीटर दूर परसिवनी तहसील के कोंधसावली गांव के पास बाघ ने दशरथ धोटे नामक किसान पर हमला कर दिया। उन्होंने बताया कि धोटे अपने मवेशियों को चारा खिलाने जा रहा था तभी एक बाघ ने उसकी गर्दन पकड़ ली और लगभग 50 फीट तक घसीटता ले गया। किसान की चिल्लाने की आवाज सुनकर उसका बेटा और गांव वाले मदद के लिए दौड़े। इस साल नागपुर जिले में बाघ द्वारा हमला किए जाने से अब तक दो लोगों की मौत हो चुकी है। 12 जनवरी को जिले के आमगांव में बाघ ने सहदेव सूर्यवंशी नामक व्यक्ति पर हमला कर दिया था, जिससे उनकी भी मौत हो गई थी।

धनखड़ ने महाराष्ट्र में एलोरा गुफा, घृष्णेश्वर मंदिर का दौरा किया

नूना न्यूज एजेंसी।

महाराष्ट्र। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शनिवार को महाराष्ट्र के घृष्णेश्वर मंदिर में पूजा अर्चना की और छत्रपति संभाजीनगर स्थित एलोरा गुफा का दौरा किया। धनखड़ शहर के एक दिवसीय दौरे पर हैं, जिस दौरान वह डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय और सरस्वती भुवन कॉलेज में कार्यक्रमों में भाग लेंगे। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि उपराष्ट्रपति ने 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक घृष्णेश्वर मंदिर में पूजा-अर्चना की और यूनेस्को के विश्व धरोहर स्थलों में शामिल एलोरा गुफा में कैलाश मंदिर (गुफा संख्या 16) का दौरा किया।

ज्वलंत मुद्दा
सम्पादकीय

विकसित हो भीड़ नियंत्रण का प्रभावी तंत्र

देश में हम आए दिन भीड़ में भगदड़ मचने से कई लोगों के मरने की खबरें पढ़ते रहते हैं। हाल ही में महाकुंभ स्नान के दौरान प्रयागराज में भीड़ में भगदड़ के चलते 37 लोगों को जान गंवानी पड़ी थी। इस घटना के कुछ दिनों बाद ही नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर महाकुंभ जाने वालों की भीड़ में अचानक भगदड़ मचने से 18 लोगों की मौत हो गई थी। यह दोनों ही दुर्घटना बहुत दुर्भाग्यपूर्ण व दुखद है। देश में भगदड़ में मरने वालों की सूची बहुत लंबी है। सभी को पता है कि जहां बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ एकत्रित होगी वहां कभी भी भगदड़ मचने की स्थिति पैदा हो सकती है। मगर अभी तक ऐसी कोई व्यवस्था नहीं बन पाई है जिससे भगदड़ की स्थिति ही उत्पन्न नहीं होने पाए। सरकारी भी भगदड़ होने के बाद उसको रोकने के ढोल पीट कर कुछ समय बाद शांत बैठ जाती है। मगर ऐसा कोई स्थाई तंत्र विकसित नहीं किया जाता है। जिससे भगदड़ की स्थिति होने से पहले ही सुरक्षा कर्मियों को अलर्ट मिले और वह उन पर नियंत्रण कर सके। भगदड़ भीड़ प्रबंधन की असफलता की स्थिति में पैदा हुई मानव निर्मित आपदा है। भगदड़ प्रायः भीड़ भरे इलाको में किसी अफवाह के कारण भी पैदा हो सकती है। इसके अलावा प्राकृतिक आपदाएं एवं प्रशासनिक अव्यवस्था के कारण भी यह आपदा पैदा होती है। इसमें संपत्ति से अधिक जान की क्षति होने की संभावना रहती है। भीड़ दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों के वैश्विक डेटाबेस के मुताबिक सन 2000 के बाद से भारत में 50 से ज्यादा विनाशकारी सामूहिक समारोहों में दो हजार से ज्यादा लोगों की जान चली गई है। इन दुर्घटना को देखते हुए प्रभावी भीड़ प्रबंधन तंत्र विकसित करने की बहुत जरूरत महसूस की जा रही है। खासकर कुंभ जैसे बड़े आयोजनों में इसकी काफी जरूरत महसूस होती है। भगदड़ बेहद खतरनाक और घातक स्थिति होती है। किसी भी जगह पर जब भीड़ उसकी क्षमता से अधिक हो जाती है और लोगों के पास निकलने का रास्ता नहीं होता है। भीड़ की वजह से लोगों को पैर रखने की जगह नहीं मिलती है।

SYED ZAKI HAIDER
(EDITOR / PUBLISHER CUM MANAGING DIRECTOR OF NAI UMMEED NEWS AGENCY
MOBILE NO. 9911371802
EMAIL SYEDZAKIHAIDER786@GMAIL.COM

दिल्ली में एक व्यक्ति की हत्या, तीन नाबालिग हिरासत में लिये गये

नूना न्यूज एजेंसी।

दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में 60 वर्षीय एक व्यक्ति की विवाद के बाद नशे में धुत तीन किशोरों ने कैंची से वार कर कथित तौर पर हत्या कर दी। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना 19 और 20 फरवरी की मध्य रात्रि को हिंदू राव अस्पताल की ओर से दी गई। उन्होंने बताया कि मृतक की पहचान पुलकित सिंह के रूप में हुई, जो एक ठेला चालक था। पुलिस उपायुक्त (उत्तर) राजा बांठिया ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर इस संबंध में जांच शुरू कर दी गई है। उन्होंने कहा, लगभग 30 सीसीटीवी फुटेज का विश्लेषण किया गया, जिसमें पता चला कि मृतक अपने बाएं हाथ को सीने पर रखे हुए, प्रियदर्शनी झुग्गी में घुसते समय कुछ लड़कों का पीछा कर रहा था, और रास्ते में ही वह गिर पड़ा। सिंह के सहकर्मी चुनचुन सिंह ने खुलासा किया कि मृतक घटना के दिन लाहौरी गेट के निकट नया बाजार से कुतुब चौक तक अपने ठेले

को धकेल कर ले जा रहा था। पुलिस उपायुक्त ने कहा, कुतुब चौक पहुंचने से पहले नशे में धुत दो-तीन लड़के सड़क के बीच में खड़े थे और जब सिंह ने उनसे रास्ता खाली करने को कहा तो उनके बीच कहासुनी हो गई। उन्होंने कहा कि गुस्से में आकर नाबालिगों में से एक ने मृतक की छाती पर धारदार हथियार से हमला कर दिया और भाग गया। उन्होंने बताया कि सिंह ने उनका पीछा किया और वह गिर पड़े। उन्होंने बताया कि नाबालिगों को अंततः 20 फरवरी की शाम को पकड़ लिया गया। पुलिस ने बताया कि बिहार के खगड़िया निवासी सिंह को रात 11:45 बजे मृत घोषित कर दिया गया और उनके सीने के बायीं ओर चोट का निशान पाया गया। पुलिस ने बताया कि उसके शव को शवगृह में ले जाया गया, जहां उसका पोस्टमार्टम किया गया।

गहलोत ने जरूरतमंदों को सामाजिक सुरक्षा पेंशन नहीं मिलने का मुद्दा उठाया

नूना न्यूज एजेंसी।

दिल्ली। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राज्य में जरूरतमंदों को सामाजिक सुरक्षा पेंशन नहीं मिलने का मुद्दा उठाते हुए सरकार से इस ओर ध्यान देने की मांग की है। भरतपुर में पेंशन नहीं मिलने से परेशान एक महिला से संबंधित समाचार साझा करते हुए गहलोत ने एक्स पर लिखा, मुख्यमंत्री (भजन लाल शर्मा) के गृह जिले (भरतपुर) से आई इस खबर से लगता है कि भाजपा सरकार का ध्यान सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की तरफ बिल्कुल नहीं है। ऐसी असफलताओं को छिपाने के लिए ही सामाजिक न्याय व अधिकारिता मंत्री विधानसभा में अनर्गल बातें करते हैं ताकि अपने विभाग की असफलताएं छिपा सकें। गहलोत के अनुसार भरतपुर में ही करीब 20,000 से अधिक विधवा, बुजुर्ग, दिव्यांग कई महीनों से सामाजिक सुरक्षा पेंशन के लिए परेशान हो रहे हैं, शेष राजस्थान की स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है। उन्होंने लिखा, हमारी सरकार ने पेंशन में प्रतिवर्ष 15 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी का प्रावधान किया था परन्तु वर्तमान सरकार इस 15 प्रतिशत बढ़ोत्तरी को भी जारी नहीं रख सकी है। इस बजट में पेंशन में कम से कम 172 रु प्रतिमाह की बढ़ोत्तरी होनी चाहिए थी, लेकिन केवल 100 रुपये की वृद्धि की गई है। गहलोत ने कहा कि मुख्यमंत्री शर्मा को पूरी गंभीरता से सामाजिक सुरक्षा पेंशन के विषय में समीक्षा करनी चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि सभी जरूरतमंदों को समय पर पेंशन मिल सके।

तमिलनाडु को लोकसभा सीट की संख्या में संभावित कमी का सामना करना पड़ रहा है: स्टालिन

नूना न्यूज एजेंसी।

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एवं द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) अध्यक्ष एम. के. स्टालिन ने कहा कि राज्य संसदीय सीटों में संभावित कमी की स्थिति का सामना कर रहा है, क्योंकि उसने परिवार नियोजन कार्यक्रम लागू किया है। स्टालिन ने पहले भी इस विषय पर बात करते हुए कहा था कि लोकसभा परिसीमन की कवायद लोगों को 16 बच्चों के पालन-पोषण के बारे में सोचने पर मजबूर कर सकती है, जो 16 (तरह की संपत्ति) से

संबंधित एक तमिल कहावत का संदर्भ है। उन्होंने 16 प्रकार की संपत्ति से संबंधित एक तमिल कहावत का हवाला दिया, लेकिन इस बात पर जोर दिया कि लोगों को अपने बच्चों के तमिल नाम रखने चाहिए। रविवार को अपने कोलाथुर निर्वाचन क्षेत्र में एक वरिष्ठ पार्टी पदाधिकारी के विवाह समारोह में स्टालिन ने नवविवाहितों से अपने बच्चों के तमिल नाम रखने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि परिवार नियोजन अभियान बच्चों की संख्या पर ध्यान केन्द्रित करते हुए एक सुनियोजित परिवार की आवश्यकता को रेखांकित करता है। मुख्यमंत्री ने कहा, क्योंकि हमने इसका लगातार उचित तरीके से पालन किया, इसलिए परिसीमन प्रक्रिया के तहत संसदीय सीटों की संख्या कम करने की स्थिति पैदा हुई है। तमिलनाडु में लोकसभा की 39 सीट हैं और यह राज्य परिसीमन के बाद इस संख्या में किसी भी तरह की कमी का विरोध कर रहा है।

ओडिशा: नाबालिग से दुष्कर्म के दोषी 63 वर्षीय व्यक्ति को 25 साल की सजा

नूना न्यूज एजेंसी।

ओडिशा। के मयूरभंज जिले की एक विशेष अदालत ने 63 वर्षीय व्यक्ति को नाबालिग लड़की से बलात्कार करने के मामले में 25 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अदालत की न्यायाधीश प्रतिमा पात्रो ने शनिवार को फैसला सुनाते हुए दोषी पर 50,000 रुपये का जुमार्ना भी लगाया। विशेष लोक अभियोजक अभिना कुमार पटनायक ने बताया कि 2022 में 14 वर्षीय पीड़िता के साथ दोषी ने कई बार दुष्कर्म किया था और उसे जान से मारने की धमकी भी दी थी। अदालत ने पीड़िता के बयान, 18 गवाहों की गवाही और मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर आरोपी को दोषी ठहराया।

भारत ने पाकिस्तान को 6 विकेट से दी पटखनी, विराट कोहली ने खेली आतिशी पारी

नूना न्यूज एजेंसी।

दिल्ली। भारत और पाकिस्तान के बीच चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के 5वां मुकाबला दुबई के स्टेडियम में खेला गया। जिसे भारतीय टीम ने 6 विकेट से जीता। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान ने 49.4 ओवर में 241 रन बनाए। जिसके जवाब में भारत ने 42.3 ओवर में 4 विकेट पर 244 रन बनाए। इस जीत के साथ भारत का सेमीफाइनल में पहुंचना लगभग तय हो गया है। वहीं पाकिस्तान चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर हो गया है। भारत के लिए विराट कोहली ने 111 गेंद पर नाबाद 100 रन बनाए। वहीं आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 की पॉइंट्स टेबल में भारत टॉप पर पहुंच गई है। साथ ही इस जीत से भारत ने पाकिस्तान से 2017 का बदला भी ले लिया है। भारत ने चैंपियंस ट्रॉफी के इतिहास में पाकिस्तान के खिलाफ तीसरी जीत हासिल की है। पाकिस्तान ने भी इस टूनार्मेंट में भारत से तीन मैच जीते हैं। वहीं मुकाबले की बात करें तो,

पाकिस्तान टीम टॉस जीतने के बाद 49.4 ओवर में 241 पर ढेर हो गई। पाकिस्तान के लिए सऊद शकील ने सबसे ज्यादा रन बनाए। उन्होंने 76 गेंदों में पांच चौकों की मदद से 62 रन की पारी खेली। कप्तान मोहम्मद रिजवान ने 77 गेंदों में 46 रन बनाए, जिसमें चौके शामिल हैं। उन्होंने शकील के साथ तीसरे विकेट के लिए 104 रनों की साझेदारी की। बाबर आजम ने 25 गेंदों में 23 रन बटोरे। उन्होंने पांच चौके मारे। इमाम-उल हक 10 ने और सलमान आगा ने 19 रनों का योगदान दिया। वहीं सातवें नंबर पर खुशदिल शाह ने 39 गेंदों में 38 रन की पारी खेली। उन्होंने दो छक्के लगाए। वहीं लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत की अच्छी शुरूआत थी। कप्तान रोहित शर्मा 15 गेंदों में 20 रन बनाकर पवेलियन लौटे। उन्हें शाहीन अफरीदी ने पांचवें ओवर में बोल्ड किया। इसके बाद, कोहली ने शुभमन गिल (52 गेंदों में 46, सात चौके) के साथ दूसरे विकेट के लिए 69 रनों की साझेदारी की। गिल को स्पिनर अबरार अहमद ने 18वें ओवर में बोल्ड किया। कोहली ने श्रेयस अय्यर (67 गेंदों में 56 रन) के साथ तीसरे विकेट के लिए 114 रनों की अहम पार्टनरशिप की। लग रहा था कि दोनों भारत को जिताकर लौटेंगे लेकिन अय्यर 39वें ओवर में खुशदिल शाह के जाल में फंस गए। शाहीन ने 40वें ओवर में हार्दिक पंड्या (8) को पवेलियन भेजा। कोहली ने चौका लगाकर 51वां वनडे शतक कंप्लीट किया। ये उनके इंटरनेशनल करियर का 82वां शतक है।

आतिशी चुनी गई दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष

नूना न्यूज एजेंसी।

दिल्ली। की पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी को रविवार को यहां आम आदमी पार्टी आप के विधायकों की बैठक में दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष चुना गया। पार्टी के नेताओं ने यह जानकारी दी। आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल और पार्टी के 22 विधायक - जिनमें कालकाजी से विधायक आतिशी भी शामिल हैं - बैठक में शामिल हुए। दिल्ली विधानसभा का पहला सत्र 24 फरवरी से शुरू होगा जो तीन दिन का होगा। भारतीय जनता पार्टी

(भाजपा) सरकार ने कहा है कि पिछली आप सरकार के कामकाज के खिलाफ लंबित कैग रिपोर्ट सदन में पेश की जाएगी। भाजपा ने पांच फरवरी को हुए विधानसभा चुनाव में 70 में से 48 सीट जीतकर आप को दिल्ली की सत्ता से बाहर कर दिया। आप संयोजक अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया समेत पार्टी के कई शीर्ष नेता भी चुनाव हार गए।

डॉ.मांडविया आज सामाजिक न्याय पर वार्ता व ईएसआईसी के स्थापना दिवस में शामिल होंगे

(हरेश उपाध्याय)

नई दिल्ली। भारत सरकार का श्रम एवं रोजगार मंत्रालय,भारतीय उद्योग परिसंघ और भारतीय नियोक्ता संघ के सहयोग से 24-25 फरवरी 2025 को नई दिल्ली के भारत मंडपम में सामाजिक न्याय पर पहली क्षेत्रीय वार्ता की मेजबानी करने जा रहा है इस कार्यक्रम में,डॉ.मनसुख मांडविया भारत सरकार के मंत्री भी मुख्य रुप से शामिल होंगे। इस ऐतिहासिक आयोजन का सामाजिक न्याय के लिए बने वैश्विक गठबंधन में महत्वपूर्ण योगदान है ज्ञातव्य हो कि 2023 में आईएलओ द्वारा शुरू किया गया,यह गठबंधन सरकारों और नियोक्ताओं और श्रमिकों के संगठनों व अंतर्राष्ट्रीय और क्षेत्रीय संगठनों व वित्तीय संस्थानों और विकास बैंकों,उद्यमों व अंतर्राष्ट्रीय गैर-सरकारी संगठनों और शिक्षाविदों के लिए

एक मंच है,जो सामाजिक न्याय को आगे बढ़ाने और साझा उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए सहयोगी प्रयासों में संलग्न होने के लिए प्रतिबद्ध है। यह गठबंधन भागीदारों के बीच सहयोग बढ़ाता है,ताकि प्रत्येक भागीदार की ताकत को बढ़ाया जा सके और सामाजिक न्याय चुनौतियों का व्यापक और सुसंगत तरीके से समाधान किया जा सके।एशिया प्रशांत सम्नवय समूह के सदस्य के रूप में,भारत सामाजिक न्याय के लिए वैश्विक गठबंधन के तहत प्रथम "क्षेत्रीय वार्ता" का नेतृत्व कर रहा है और गठबंधन के विषयगत क्षेत्र "उत्पादक व स्वतंत्र रूप से चुने गए रोजगार व टिकाऊ उद्यमों के लिए पहुंच और क्षमताओं का विस्तार" के तहत प्रमुख हस्तक्षेप "समावेशी और टिकाऊ समाजों के लिए जिम्मेदार व्यवसाय" का समर्थन कर रहा है और क्षेत्रीय वार्ता एशिया प्रशांत क्षेत्र और अन्य स्थानों से 80 से अधिक गठबंधन साझेदारों को एक साथ लाएगी ताकि वे नवीन दृष्टिकोणों की खोज कर सकें,सर्वोत्तम प्रथाओं का आदान-प्रदान कर सकें और क्षेत्र में सामाजिक न्याय को आगे बढ़ाने के लिए सहयोग को मजबूत कर सकें।इस क्षेत्रीय वार्ता के उद्घाटन सत्र में केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया, श्रम एवं रोजगार राज्य मंत्री सुश्री शोभा करंदलाजे और सचिव (श्रम एवं रोजगार) सुश्री सुमिता डावरा शामिल होंगी। इस कार्यक्रम में आईएलओ के महा निदेशक गिल्बर्ट एफ. होंगबो मुख्य वक्ता के रूप में शामिल होंगे।यह कार्यक्रम (ईएसआईसी) के 74वें स्थापना दिवस को भी चिह्नित करेगा, जो भारत के कार्यबल के लिए सम्मानजनक स्वास्थ्य सेवा व आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अपनी अटूट प्रतिबद्धता का जश्न मनाएगा। ईएसआईसी का 74वां स्थापना दिवस औपचारिक क्षेत्र में श्रमिकों और उनके परिवारों के लिए व्यापक सामाजिक सुरक्षा लाभों के विस्तार के माध्यम से सामाजिक न्याय को बढ़ावा देने में संगठन के महत्वपूर्ण योगदान को मान्यता देने का अवसर है।यहां चर्चाएँ सामाजिक न्याय के महत्वपूर्ण आयामों पर केंद्रित होंगी, जिनमें जिम्मेदार व्यावसायिक आचरण और सामाजिक संरक्षण शामिल होंगे,जो गठबंधन की विषयगत प्राथमिकताओं के अनुरूप होंगे। कार्यक्रम में तकनीकी चर्चाओं और गठबंधन साझेदारों के अनुभवों के माध्यम से ज्ञान और अनुभव का आदान-प्रदान किया जाएगा। विचार-विमर्श से क्षेत्र में सामाजिक न्याय को बढ़ावा देने के क्षेत्र में भागीदारों के बीच संयुक्त सहयोग को मजबूती मिलेगी और सामाजिक न्याय के लिए डिजिटलीकरण- सभ्य कार्य और समानता के लिए एआई का उपयोग, प्रमुख हितधारक और गठबंधन भागीदारों और अन्य प्रमुख हितधारकों को एक साथ लाएगा, जिनमें सरकारों, नियोक्ताओं और श्रमिकों के संगठनों, अंतर्राष्ट्रीय और/या क्षेत्रीय संगठनों, अनुसंधान संस्थानों, शिक्षाविदों, अंतर्राष्ट्रीय गैर सरकारी संगठनों और उद्यमों के प्रतिनिधि शामिल होंगे।

झूठों और अपनपढ़ों की बारात है बीजेपी

दिल्ली। जिस 21 मिलियन डॉलर पर भाजपाई और चरणचुंबक उछल रहे थे, वो खबर तो फेक निकली 2022 में 21 मिलियन डॉलर भारत में 'वोटर टर्नआउट' के लिए नहीं, बांग्लादेश के लिए थे एलोन मस्क ने फजी दावा किया, ट्रम्प ढाका और दिल्ली में कंफ्यूज हुए, अमित मालवीय ने झूठ आगे फैलाया,फिर बीजेपी के बाकी बकलोल और चरणचुंबक लपक लिए जबसे ट्रम्प प्रशासन के DOGE ने 16 फरवरी को कहा कि USAID द्वारा "भारत में मतदान" के लिए 21 मिलियन डॉलर की फंडिंग को रद्द कर दिया है, तबसे भाजपा ने कांग्रेस पर मनगढ़ंत आरोप लगाए हैं लेकिन अब पता चल रहा है कि यह तो पूरी खबर फजी है. जब पैसा भारत आया ही नहीं तो रद्द क्या होगा? असल में सारा विवाद DOGE की लिस्ट में दो USAID अनुदान को लेकर है जिन्हें वाशिंगटन स्थित Consortium for Elections and Political Process Strengthening (CEPPS) के माध्यम से दिया गया था CEPPS को USAID से कुल $486 मिलियन मिलने थे. DOGE के अनुसार, इस कोष में मोल्दोवा के लिए $22 मिलियन; और "भारत में मतदान प्रतिशत" के लिए $21 मिलियन

शामिल थे मोल्दोवा के लिए CEPPS को USAID ने पहला फण्ड 2016 में दिया जिसका ID AID 117LA1600001 था लेकिन भारत के लिए DOGE द्वारा चिह्नित USAID $21 मिलियन का अनुदान बिल्कुल फजी है. क्योंकि यह बांग्लादेश के लिए था, भारत के लिए नहीं और असलियत यह है कि बांग्लादेश के लिए निहित 21 मिलियन डॉलर में से 13.4 मिलियन डॉलर वहाँ जनवरी 2024 के चुनाव के पहले ही दिया जा चुका है हर फेडरल ग्रांट में यह निहित होता है कि वो किस देश में इस्तेमाल होना है। अमेरिकी फेडरल खर्च के अनुसार, 2008 के बाद से भारत में कोई USAID वित्त पोषित CEPPS प्रोजेक्ट ही नहीं है।

2 दिवसीय पूर्वी दिल्ली जिला स्तरीय डाक टिकट प्रदर्शनी का समापन

(हरेश उपाध्याय)

पूर्वी दिल्ली। दिल्ली पूर्वी प्रखंड ने 21-22 फरवरी को जी.डी.गोयनका प० स्कूल कड़कड़डूमा में 2 दिवसीय जिला स्तरीय डाक टिकट प्रदर्शनी, "यमुनापेक्स-25"का समापन हो गया।ज्ञातव्य हो कि इस प्रदर्शनी का उद्घाटन कर्नल अखिलेश कुमार पांडे,मुख्य पोस्ट मास्टर जनरल,दिल्ली ने पहले दिन किया था।हर्ष मल्होत्रा,कॉर्पोरेट मामले, सड़क परिवहन,राजमार्ग मंत्री की मौजूदगी में दूसरे दिन इस कार्यक्रम का समापन हुआ।मंत्री ने फिलेटली के महत्व को रेखांकित किया व भव्य समापन समारोह के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतिस्पर्धी कार्यक्रमों के विजेताओं को

बधाई दी । प्रदर्शनी में देश की समृद्ध विरासत और पर्यावरण संरक्षण के प्रयासों और स्थिरता के महत्व को दशार्ते हुए 35 फ्रेम और सीपीएस के 70 पक्ष, विशेष कवर और डाक स्टेशनरी प्रदर्शित की गई। प्रदर्शनी के मुख्य आकर्षणों में चार फिलाटेलिक सहायक सामग्री का विमोचन और "यमुनापेक्स-2024" पर एक विशेष कवर शामिल था।पत्र लेखन प्रतियोगिता और स्टाम्प डिजाइनिंग प्रतियोगिता, डाक टिकट संग्रह प्रश्नोत्तरी, मैजिक शो व एआर/वीआर शो और एक्ज़िबिट्स जैसी गतिविधियाँ, जिन्होंने सभी उम्र के प्रतिभागियों को मंत्रमुग्ध कर दिया।11 स्कूलों के 2000 से अधिक विद्यार्थियों ने प्रदर्शनी देखी।भारतीय सिनेमा और परिवहन के साधन वनस्पति,जीव व महिला सशक्तिकरण व खादी पर टिकट,राष्ट्रीय ध्वज की यात्रा पर प्रदर्शनियां प्रदर्शित की गईं। अंतिम दिन कार्यक्रम एक भव्य समारोह के साथ संपन्न हुआ।

मेरी समझ से प्रशासन का मूल विचार ये है कि समाज को एकजुट रखा जाए, ताकि वो विकास कर सके और अपने लक्ष्यों की तरफ बढ़ सके।

दिल्ली। जय जवान, जय किसान के प्रेरक, महान गाँधीवादी, हमारे आदर्श, पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी की पुण्यतिथि पर हम उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। उन्होंने देश को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई।

भूमि सुधार से लेकर दुग्ध क्रांति की नींव रखने तक, रेलवे में थर्ड क्लास को खत्म करने से लेकर 1965 की जंग तक, अपनी सरलता एवं सादगीपूर्ण जीवन से सबके प्रेरणास्रोत बने, शास्त्री जी ने देश की उन्नति के लिए हमेशा किया।

इमरान प्रतापगढ़ी की दूत बनकर हसनपुर पहुंची रूबी खान

नई दिल्ली। अखिल भारतीय अल्पसंख्यक विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद इमरान प्रतापगढ़ी ने उत्तर प्रदेश अल्पसंख्यक विभाग की प्रदेश कार्यकारिणी को दो सप्ताह पूर्व तत्काल प्रभाव से भंग कर दिया था कांग्रेस की तेजतर्रार बेबाक आवाज इमरान प्रतापगढ़ी राज्यसभा सांसद होने के साथ साथ कांग्रेस अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष भी हैं और तब से ही इमरान प्रतापगढ़ी लगातार उत्तर प्रदेश में

अल्पसंख्यक विभाग को मजबूत करने में जुटे हैं ज्ञात रहे इसी क्रम में उत्तर प्रदेश अल्पसंख्यक विभाग की प्रभारी रूबी खान आज अमरोहा पहुंची और जिला अल्पसंख्यक विभाग के नेताओं को संबोधित करते हुए कहा कि जल्द से जल्द नई कार्यकारिणी का गठन किया जाएगा और नई कमेटी में सिर्फ मेहनती लोगों को स्थान दिया जाएगा न कि उनको जो सिर्फ फोटो खिंचाने का काम करते हैं और न पार्टी की मीटिंग्स में आते हैं और न सक्रिय रहते हैं रूबी खान ने कहा कि जो लोग पार्टी को मजबूत करने में लगे हुए है उन्हीं को पद और जिम्मेदारी दी जाएगी। रूबी खान ने कहा कि कमेटी में महिलाओं, युवाओं, अधिवक्ताओं, पढ़े लिखे लोगों को बराबर स्थान दिया जाएगा जो जमीन पर काम करते हैं और पार्टी को मजबूत बनाने के लिए दिन रात मेहनत करते हैं इस मौके पर ज़िला अध्यक्ष ओमकार सिंह कटारिया, अल्पसंख्यक मोर्चा के ज़िला अध्यक्ष अकरम नवाज, पूर्व जिला अध्यक्ष और कार्यक्रम आयोजक डॉक्टर इरफान पारस, आसिम साबरी, प्रभारी महमूद खान, ज़िला प्रभारी छिदा, नगर अध्यक्ष चुन्नन भारती, सुशील मसीह, मौजूद रहे।

अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस मनाया

कालांवाली, राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कालांवाली में 'सिल्वर जुबली समारोह' थीम आधारित अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस का आयोजन किया गया। हिंदी प्राध्यापक मनोहर खनगवाल ने इस दिवस को मनाने के इतिहास के बारे में विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए बताया कि भाषा के महत्व को बढ़ाते हुए यूनेस्को ने 1999 में 21 फरवरी को अंतर्राष्ट्रीय भाषा दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की थी। यूनेस्को के अनुसार विश्वभर में 8324 भाषाएं है जिनमे से 7000 भाषाएं आज भी प्रचलन में है। इस वर्ष मातृभाषा दिवस की 25वीं वर्षगांठ है। पंजाबी प्राध्यापिका रेनू बाला ने मातृभाषा के महत्व के बारे में बताया कि राष्ट्रीयता से जोड़ती है और देश प्रेम की भावना पैदा करती है। मातृभाषा ही हमें हमारे हमारे देश की संस्कृति इतिहास सामाजिक परम्पराओं से जोड़ने की क्षमता रखती है। अंग्रेजी अध्यापिका खुशबू ने अंग्रेजी भाषा को सरलता से सीखने और उच्चारण करने के लिए कुछ टिप्स दिए तथा विद्यार्थियों को अंग्रेजी भाषा बोलने के लिए प्रेरित किया।

जेजेवीएम स्कूल राठीवास में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस धूमधाम से मनाया

पटौदी। जीवन ज्योति विद्या मंदिर राठीवास में शनिवार को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर आयोजित प्रतियोगिताओं में महिलाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। स्कूल संचालिका सरलेश चौधरी ने बतौर मुख्य अतिथि दीप प्रज्वलित करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

सरलेश चौधरी ने महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय नारी सभी क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रही है। इसलिए बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के नारे को साकार करें। अपनी बेटियों को शिक्षित जरूर करें। मेहनत और लगन से लक्ष्य आसान हो जाता है।

इस अवसर पर आयोजित मटका दौड़ प्रतियोगिता में ग्रुप एक में मनीषा ने पहला व सुशीला ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। ग्रुप दो में पूनम ने पहला व परमिता ने दूसरा व सुमत ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। चम्मच नींबू दौड़ प्रतियोगिता में ग्रुप एक में सुशीला ने पहला व सोनिया ने दूसरा स्थान हासिल किया। ग्रुप दो में पूनम प्रथम, सुनीता द्वितीय व कमलेश तृतीय रही। पचास मीटर दौड़ में ग्रुप एक में सोनू ने पहला, सोनिया ने दूसरा व मनीषा ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। ग्रुप दो में शिल्पी प्रथम व सुमित द्वितीय रही। म्यूजिकल चेयर प्रतियोगिता में जागृति ने प्रथम, मंजू ने द्वितीय व सविता ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर लोगों में भारी उत्साह : कर्मवीर

सोहना। नगर परिषद चेयरपर्सन सोहना में हो रहे उपचुनाव को लेकर भाजपा ने कमर कस ली है। जिसको लेकर शनिवार को नगर परिषद चेयरपर्सन के चुनाव प्रचारित कर्मवीर सैनी ने एक मीटिंग का आयोजन श्री अग्रवाल धर्मशाला परिसर में हुई। जिसमें नगर पार्षद भाजपा के कार्यकर्ता ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। चुनाव प्रभारी कर्मवीर सिंह सैनी ने कहा कि चेयरपर्सन चुनाव को लेकर हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी आज शाम को 7 बजे मार्केट कमेटी की अनाज मंडी में पहुंच रहे हैं। जिसमें हजारों की संख्या में लोग भाग लेंगे। पार्षद व भाजपा कार्यकर्ता को जिम्मेदारी दी गई जो मुख्यमंत्री के आगमन पर व्यवस्था को बनाए रखना तथा लोगों को ज्यादा से ज्यादा संख्या में लाने के लिए दिशा निर्देश जारी किए। आयोजित मीटिंग में भाजपा मंडल अध्यक्ष सौरभ सिंगला, पूर्व अध्यक्ष गौरव चुघ, पूर्व प्रधान राधेश्याम सक्सेना, पार्षद राजू नंदा, नितिन यादव, कपिल सैनी, नीरज सिंगला, टेकचंद, रूपचंद सैनी, पूर्व पार्षद रमन जांगड़ा, पूर्व पार्षद मुकेश सैनी, व्यापार मंडल संघ प्रधान मनोज बजरंगी, पूर्व जिला पार्षद विजय खटाना, एडवोकेट धर्मचंद सैनी, महेंद्र यादव, हरवीर, सरपंच नरेश सैनी, एडवोकेट बार एसोसिएशन के पूर्व प्रधान देव दत्त शर्मा, भाजपा पूर्व महामंत्री दिनेश गर्ग, रिंकू जांगड़ा, कुंदन लाल, रमेश सैनी, हरिश्चंद्र जांगड़ा आदि काफी संख्या में लोगों ने भाग लिया।

सम्मेलन जनवादी लेखक संघ का दो दिवसीय राज्य सम्मेलन जाट धर्मशाला में शुरु

आज के दौर में भी हमें लगातार संघर्ष करने चाहिए : चंचल चौहान

हरियाणा भर से आए बुद्धिजीवी करेंगे राज्य सम्मेलन में विचार विमर्श

हिसार। जनवादी लेखक हरियाणा की राज्य संचालन समिति के आह्वान पर हिसार की जाट धर्मशाला में जनवादी लेखक संघ का आठवां दो दिवसीय राज्य सम्मेलन का उद्घाटन आज प्रातः किया गया, जिसमें खुले सत्र की अध्यक्षता वरिष्ठ पत्रकार इकबाल सिंह व वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉक्टर रोशन लाल और संचालन सरदानंद राजली, मास्टर रोहतास और मंगतराम शास्त्री ने संयुक्त रूप से किया।

हरियाणा सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में सैंकड़ों लेखक, कवि,पत्रकार, साहित्यकार, समाजसेवी, विद्वान और विभिन्न प्रगतिशील जन संगठनों, समितियां और मंच के सदस्य शामिल हुए। सत्र के बाद दो दिन विचार-विमर्श करेंगे और जलेस हरियाणा की नई राज्य कमेटी का चुनाव करेंगे।

खुले सत्र को संबोधित करते हुए जलेस के राष्ट्रीय महासचिव संजीव कुमार ने कहा कि आज का समय बहुत चुनौती भरा समय है। आज एक तरह से अघोषित आपातकाल चल रहा है जिसमें सभी संविधान प्रदत्त अधिकारों का स्थगन है। व्यवहारिक अर्थो में लोकतंत्र को ध्वस्त किया जा रहा है। संविधान के मूल्यों का उल्लंघन लगातार हो रहा है। जिस समय आलोचनात्मक आवाजों को खरीदने का काम किया जाता हो, उस समय लेखकों का आगे आना और संगठित होना भी बहुत जरूरी है। यदि ये संगठन जन आंदोलन के साथ जुड़ जाते हैं तो धारदार लेखन के मुद्दे स्वतः ही तय हो जाते हैं। उन्होंने इस बात का स्वागत किया की ऐसी चुनौती भरे समय में हरियाणा में जनवादी लेखक संघ का सम्मेलन हो रहा है। जलेस के राष्ट्रीय सचिव मनमोहन ने बोलते हुए कहा कि आज का समय ऐसा समय है जब निरंकुश शासन का आपातकाल चल रहा है जिसमें अपराधीकरण, नसलवाद और उन्माद लगातार सक्रिय हैं। संस्थाओं की स्वायत्तता का लगातार हनन किया जा रहा है। ऐसी कठिन परिस्थितियों में भी यह आशा की किरण है कि पिछले 8-10 वर्षों में बहुत भारी संख्या में स्वतः स्फूर्त संघर्ष भी हो रहे हैं। तमाम नागरिक मुद्दों को लेकर जनसाधारण संघर्ष में हैं। ऐसे समय में साहित्य की, लेखन की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। लेखकों के सरोकारों को गहरा करने के लिए, सामाजिक सरोकारों पर माथा-पच्ची करने के लिए संगठन की भूमिका बहुत ही विशेष है। अतः इस समय में जनवादी लेखक संघ जैसे संगठनों की भूमिका बहुत बढ़ जाती है। जलेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंचल चौहान ने बताया कि 1982 में जलेस का गठन किया गया था उन्होंने कहा कि आजादी के आंदोलन के द्वारा हमने राजनीतिक स्वतंत्रता प्राप्त की परंतु सामाजिक गुलामी बनी ही रही। बिना संघर्षों के समाज आगे नहीं बढ़ता। इसलिए आज के दौर में भी हमें लगातार संघर्ष करने चाहिए। आज सत्य बोलने के समक्ष भी कई बाधाएं हैं। इसलिए हम सबको इकट्ठा होना पड़ेगा यही संगठन की भूमिका है।

न्यूज डायरी

नारनौल में घर पर खड़ी बाइक का जयपुर में चालान, पुलिस को दी शिकायत

नारनौल, शहर के एक मोहल्ले में खड़ी बाइक का जयपुर में चालान कट गया। चालान की फोटो में दिखाई दे रहा है कि बाइक के नंबर प्लेट एक ब्रेजा कार चालक ने लगाई हुई है। चालान की जानकारी बाइक के मालिक को उसका ई-परिवहन पर स्टेटस चेक करने पर लगी। इस पर बाइक मालिक ने स्थानीय पुलिस में शिकायत दी है। बाइक मालिक मोहल्ला नई सराय निवासी यशपाल यादव ने बताया कि उसने एक बाइक ली हुई है। इस बाइक का स्टेटस देखने के लिए उसने आज परिवहन की वेबसाइट पर बाइक के नंबर डाले। नंबर डालने पर उसे पता चला कि उसकी बाइक की ओवर स्पीड का एक एक हजार रुपए का चालान जयपुर में पेंडिंग है। इस पर उसने चालान को डाउनलोड किया तो पता चला कि किसी ब्रेजा गाड़ी चालक ने उसकी बाइक के नंबरों का इस्तेमाल अपनी गाड़ी की नंबर प्लेट पर किया हुआ है। जिसके कारण उसकी बाइक का चालान जयपुर में दिल्ली हाईवे पर दोवलतपुरा में कटा है। यशपाल यादव ने बताया कि वह अपनी बाइक को कभी भी जयपुर नहीं लेकर गया। वह जयपुर की तरफ गया है तो बस या फिर किसी की गाड़ी में गया है। उसे जब चालान का पता चला तो बड़ी ही हैरानी हुई। उन्होंने बताया कि इसकी उन्होंने पुलिस में शिकायत दी है। यशपाल यादव ने बताया कि ब्रेजा चालक जब उसकी बाइक के नंबर अपनी गाड़ी की नंबर प्लेट में इस्तेमाल कर रहा है तो वह कोई भी अपराध कर सकता है। इसी डर के चलते उसने नारनौल सिटी थाने में शिकायत दी है।

सरसों की चोरी की घटना को लेकर व्यापारियों ने किया हंगामा

नारनौल, नई अनाज मंडी अटेली में बीती रात्रि को एक व्यापारी की 6 क्विंटल सरसों चोरी कर ली गई इस चोरी को लेकर अनाज मंडी व्यापारी लामबंद होकर 2 घंटे मंडी के सभी गेट बंद करके किया प्रदर्शन प्रदर्शन के दौरान मंडी व्यापारियों ने बताया कि पीछे भी काफी चोरियां हो चुकी है मंडी में चौकीदार की व्यवस्था नहीं

होने की वजह से दिन प्रतिदिन चोरियों की आशंका बनी रहती है जबकि इस और मार्केट कमेटी कोई ध्यान नहीं दे रही है पीछे भी जो चोरियां हुई है अभी तक कोई बरामद नहीं की गई है बीती रात्रि को भूपेश कुमार गुप्ता की 6 क्विंटल सरसों जो उसकी दुकान के सामने बने अनाज मंडी के तीन के नीचे रखी थी वह रात को किसी अज्ञात चोर के द्वारा चोरी कर ली गई जब सुबह आकर व्यापारी ने देखा तो उसकी सरसों वहां पर नहीं मिली व्यापार यानी प्रशासन से मांगती है की मंडी में चोरी की घटनाओं को रोकने के लिए स्थानीय पुलिस अपनी कष्ट बधाई अगस्त बढ़ाएं और मार्केट कमेटी प्रशासन से मांग की चोरियों को रोकने के लिए एक चौकीदार की व्यवस्था की जाए। इस मामले में नगर पालिका सचिव सुनीता फोगाट से बात हुई तो उन्होंने बताया कि हमारे पास केवल एक चौकीदार है जो रात के समय में कार्यालय की निगरानी रखता है और सभी मंडियों में व्यापारी अपने चौकीदार रखते हैं।

अब हरियाणा में सीबीएसई बोर्ड के विद्यार्थी भी पढ़ सकेंगे संस्कृत : सुनील शास्त्री

भिवानी हरियाणा की भाजपा सरकार ने प्रदेश के सभी विद्यालयों में नई शिक्षा नीति- 2020 के तहत त्रिभाषा फॉर्मूला लागू किया है। सरकार द्वारा पत्र जारी किया गया, जिसके बाद अब सीबीएसई के विद्यालयों में भी बहुत जल्द ये त्रिभाषा फॉर्मूला लागू हो जाएगा। सरकार के इस फैसले का संस्कृत संघर्ष समिति ने स्वागत किया है। संस्कृत समिति के प्रधान सुनील शास्त्री ने कहा कि नई शिक्षा नीति के तहत प्रदेश के कुछ राज्यों में ये त्रिभाषा फॉर्मला पहले ही लागू किया जा चुका है। अब धीरे-धीरे संपूर्ण भारतवर्ष में ये त्रिभाषा फॉर्मूला हो जाएगा।

उन्होंने बताया कि इस फॉर्मूला के अंतर्गत संस्कृत, उर्दू व पंजाबी भाषा को शामिल किया गया है। जिसके तहत अब सीबीएसई बोर्ड के विद्यार्थी भी संस्कृत भाषा को पढ़ सकेंगे, जिससे संस्कृत के प्रचार-प्रसार को गति मिलेगी। सुनील शास्त्री ने कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा त्रिभाषी फॉर्मूला लागू करने का मुख्य उद्देश्य शिक्षा प्रणाली को अधिक समावेशी और व्यावहारिक बनाना है। उन्होंने कहा कि भारत में विभिन्न भाषाएं बोली जाती हैं। त्रिभाषी नीति से छात्रों को संस्कृत भाषा सीखने का अवसर मिलेगा, जिससे संस्कृत भाषा के साथ-साथ सांस्कृतिक एकता को भी बल मिलेगा। इससे न केवल छात्रों की शैक्षिक गुणवत्ता में सुधार होगा, बल्कि वे रोजगार, संस्कृति और संचार के क्षेत्र में भी आगे बढ़ सकेंगे।

राजकीय महाविद्यालय कालांवाली में वार्षिक सांस्कृतिक कार्यक्रम सरगम का आयोजन

कालांवाली सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रभारी इतिहास विभागाध्यक्ष प्रोफेसर राम लाल बलजोत के संयोजन से किया गया। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य जसपाल सिंह को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया। इस दो दिवसीय सरगम कार्यक्रम में 16 प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। जिसमें कविता में प्रियंका रानी ने प्रथम स्थान, किरण ज्योति कौर ने द्वितीय, साहिना ने तृतीय स्थान गायन, सुखप्रीत सिंह, अमनदीप कौर, सतपाल सिंह ने प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान हासिल किया।भाषण प्रतियोगिता में प्रियंका रानी, मनदीप कौर, जशनदीप कौर ने प्रथम द्वितीय व तृतीय स्थान हासिल किया। पेंटिंग प्रतियोगिता में अमनदीप कौर, राधा, गुरुमहक कौर ने प्रथम द्वितीय व तृतीय स्थान हासिल किया वीडियोग्राफी प्रतियोगिता में साहिना, रमनदीप कौर, जशनदीप कौर ने प्रथम, द्वितीय में तृतीय स्थान हासिल किया। मेहंदी प्रतियोगिता में मनप्रीत कौर, काजल, अमनदीप कौर ने प्रथम द्वितीय तृतीय स्थान हासिल किया। रंगोली कॉमर्स किरण ज्योति, काजल, जशनदीप कौर ने स्थान हासिल किया में फोटोग्राफी मैं रमनदीप कौर, कविता, अर्शदीप कौर ने स्थान हासिल किया। श्लोकाचारण मैं डेजी, गुरुमहक कौर, मनदीप कौर ने प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान हासिल किया। भजन गायन मैं मनदीप कौर, किरण ज्योति कौर, साहिना एकल नृत्य में काजल, साहिना, गुरमहक कौर ने प्रथम द्वितीय तृतीय स्थान हासिल किया। शास्त्रीय नृत्य, मिमिक्री, एकल अभिनय मैं काजल किरण ज्योति कौर, साहिना ने प्रथम द्वितीय, तृतीय स्थान हासिल किया लघु नाटिका क्रमशः किरण ज्योति कौर, गुरमेहक कौर प्रियंका रानी प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त किया। महाविद्यालय के प्राचार्य जसपाल सिंह द्वारा विजेता विद्यार्थियों को क्रमशः 300 रुपए, 200 रुपए, व 100 रुपए का नकद इनाम देकर सम्मानित किया गया। महाविद्यालय के अर्थशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रोफेसर जितेंद्र, अंग्रेजी विभागाध्यक्ष प्रोफेसर बृजेंद्र सिंह, हिंदी विभागाध्यक्ष प्रोफेसर सुषमा देवी, कंप्यूटर साइंस विभागाध्यक्ष प्रोफेसर हरजीत कौर द्वारा निर्णायक मंडल की भूमिका अदा की गई ।

तोशाम के महिला महाविद्यालय में छात्राओं के लिए व्याख्यान हुए आयोजित

तोशाम शनिवार को चौधरी बंसीलाल राजकीय महिला महाविद्यालय में डॉ. राजेंद्र सिंह के मार्गदर्शन में प्लेसमेंट सेल के तहत विशेष रूप से स्नातक अंतिम वर्ष एवं स्नातकोत्तर कक्षा की छात्राओं के लिए दो व्याख्यानो का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य प्रवक्ता के रूप में सेठ मेघराज जिंदल राजकीय महाविद्यालय सिवानी के समाजशास्त्र विभाग से संजय ने शिरकत की। संजय ने 'यूजीसी नेट पेपर 1 की तैयारी कैसे करें' एवं 'बेहतर करियर के लिए उत्तम व्यक्तित्व विकास' विषयों पर छात्राओं को आवश्यक जानकारी दी। इस दौरान संजय ने यूजीसी नेट पेपर फर्स्ट से संबंधित सिलेबस एवं तैयारी करने के लिए जरूरी प्लानिंग एवं तरीके बताए। महाविद्यालय की तरफ से इस व्याख्यान में डॉ. राजेंद्र सिंह, प्लेसमेंट कन्वीनर डॉक्टर सुरजीत सिंह, जयपाल शास्त्री, डॉ. पवन कुमार, डॉ. विनोद, श्री भगवान एवं रेनू गुप्ता उपस्थित रहे।

पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में पवन प्रथम स्थान पर रही

कालांवाली माता हरकी देवी महिला महाविद्यालय में इतिहास विभाग परिषद द्वारा पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में छात्राओं ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। प्रतियोगिता का आयोजन इतिहास विभाग की प्रवक्ता मिस निशा द्वारा किया गया। निर्णायक मंडल की भूमिका प्राध्यापिका डॉ हरमीत कौर ने बखूबी निभाई। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर पवन, द्वितीय स्थान पर आयुषी तथा तृतीय स्थान पर महकदीप व लवप्रीत ने प्राप्त कर अपनी कला का प्रदर्शन किया। अंत में महाविद्यालय की निर्देशिका डॉ. कुलदीप कौर आनंद व प्राचार्या डॉ. अभिलाषा शर्मा ने पोस्टर मेकिंग के लिए छात्राओं को प्रोत्साहित किया।

महापुरुषों का अतुलनीय व्यक्तित्व और कार्य हर पीढ़ी को करते रहेंगे प्रेरित : डॉ. राजू जताई

भिवानी, स्थानीय नई अनाज मंडी स्थित अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं अपराध नियंत्रण परिषद के कार्यालय शनिवार को स्वतंत्रता सेनानी सोहलनल द्विवेदी व वैदिक धर्म के प्रचारक स्वामी श्रद्धानंद सरस्वती की जयंती तथा महात्मा गांधी की पत्नी व स्वतंत्रता सेनानी कस्तूरबा गांधी की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर इनके चित्रों पर पुष्प अर्पित कर नमन किया। इस मौके पर परिषद के राज्य आयुक्त एवं राष्ट्रीय महासचिव डॉ. राजू जताई ने ने कहा कि इन महापुरूषों ने अपना पूरा जीवन भारत और भारतीयता के लिए समर्पित कर दिया।

समाचार

गुड गल्ला व्यापार मंडल द्वारा शिव भक्तों के लिए तीन दिवसीय भंडारा लगाया गया

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। रविवार को गुड गल्ला व्यापार मंडल हसनपुर द्वारा शिव भंडारे का विधिवत शुभारंभ कर दिया गया बताते चलें कि गुड गल्ला व्यापार मंडल द्वारा विगत 25 वर्षों से यह भंडारा लगाया जा रहा है इस बार भी भंडारे का आयोजन नगर के हसनपुर गजरौला मार्ग पर ब्लॉक परिसर के बाहर लगाया गया है, इस संबंध में व्यापार मंडल के नेता अंकुर अग्रवाल ने बताया कि भंडारे में शिव कांवरियों के लिए ठहरने की उचित व्यवस्था की गई है तथा जलपान एवं भोजन की व्यवस्था भी की गई है वहीं उन्होंने बताया कि कांवरियों के स्वास्थ्य देखभाल के लिए मेडिसिन एवं डॉक्टरों की सुविधा भी उपलब्ध है तथा शिव भक्तों के मनोरंजन के लिए बाहर से आए कलाकारों द्वारा मंच पर सांस्कृतिक, धार्मिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति भी दी जाएगी, तथा यह भंडारा मंगलवार रात तक चलेगा, वही भंडारे में पुलिस क्षेत्र अधिकारी दीप कुमार पंत ने भी पहुंचकर भगवान की आरती की,इस मौके पर मुख्य रूप से अंकुर अग्रवाल, नरेश अग्रवाल, नरेश चौहान, आकाश अग्रवाल, वैभव अग्रवाल, मुकेश मित्तल, बंटी कारीगर सोमपाल कारीगर आदि सहित भारी संख्या में व्यापारीगढ़ मौजूद रहे।

सरस्वती शिशु मंदिर जूनियर हाई स्कूल हसनपुर में वार्षिक उत्सव मनाया गया

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। रविवार को नगर के सरकारी अस्पताल रोड स्थित सरस्वती शिशु मंदिर जूनियर हाई स्कूल में वार्षिक उत्सव कार्यक्रम बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया गया कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर पहुंचे पूर्व विधायक एवं गजरौला नगर पालिका अध्यक्ष पति हरपाल सिंह एवं पूर्व हसनपुर नगरपालिका अध्यक्ष राकेश अग्रवाल उर्फ कालू व अन्य अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया, वही विद्यालय के बच्चों ने अतिथियों के स्वागत में स्वागत गीत गया एवं सरस्वती वंदना से कार्यक्रम का शुभारंभ किया, कार्यक्रम में छात्र छात्राओं द्वारा एकल नृत्य, लघु नाटिका, सामूहिक गीत, सामूहिक नृत्य वह अन्य धार्मिक प्रस्तुतियां दी गई जिन्हें देखकर उपस्थित जन समूह भाव विभोर हो गया, वहीं सैकड़ो की संख्या में अभिभावकगढ़ वी मौजूद रहे, कार्यक्रम में मुख्य रूप से पूर्व विधायक हरपाल सिंह, नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष राकेश बंसल उर्फ कालू, गजरौला से आए अतिथि राजीव शुक्ला, संजय गर्ग, संजय अग्रवाल एडवोकेट, मधुर अग्रवाल एडवोकेट, दिनेश अग्रवाल, सागर अग्रवाल सी ए, मंगल सेन शर्मा एडवोकेट तथा पंकज पांडे सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

भाजपा कार्यकताओं ने सुना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम का 119 वा प्रसारण

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के मन की बात का 119 वां एपिसोड सेक्टर 12 के बूथ नंबर 88 पर सोशल मीडिया प्रमुख पौरुष अग्रवाल जी के आवास पर सुना गया। इस अवसर पर मोदी जी ने बताया कि अगले महीने 8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस है यह हमारी नारी शक्ति को नमन करने का एक विशेष अवसर होता है हमारी संस्कृति में बेटियों का सम्मान सर्वोपरि रहा है।

उन्होंने बताया उत्तराखंड के खिलाड़ियों ने भी शानदार प्रदर्शन किया इस बार उत्तराखंड सातवें स्थान पर रहा।उन्होंने चिंता व्यक्त की कि बच्चों में भी मोटापा की समस्या चार गुना बढ़ गई है। तत्पश्चात नवनिर्वाचित मंडल अध्यक्ष राजू राणा को अयोध्यापति भगवान श्री रामजी का चित्र भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष राजू राणा, मयंक अग्रवाल, अतुल गर्ग, संदीप गुप्ता, अंकुर अग्रवाल, शिखर अग्रवाल, सुरमित कुमार गुप्ता ,पवन राज जाटव, मोहित अग्रवाल, सौरभ गुप्ता, प्रमोद रोहिला, शुभम अग्रवाल, आम्रपाली गुर्जर, दीपमाला वर्मा, रोहताश सिंह एवं सोशल मीडिया प्रमुख पौरुष अग्रवाल आदि भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह में 190 जोड़े हुए एक दूजे के

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। रविवार को नगर के श्रीमती सुखदेवी इंटर कॉलेज के प्लेग्राउंड में 190 हिंदू मुस्लिम जोड़ों ने मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में अपना विवाह करके योजना का लाभ पाया, बताते चलें कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत रविवार को हसनपुर तहसील क्षेत्र में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें कुल 190 जोड़े एक दूसरे का हाथ थामकर जीवन भर के लिए एक दूजे के हो गए। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों ने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद दिया। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना कार्यक्रम के अंतर्गत हसनपुर ब्लॉक,गंगेश्वरी ब्लॉक, हसनपुर नगर पालिका,उझारी नगर पंचायत एवं सैदनगली नगर पंचायत की मिलाकर कुल 190 शादियां हुई। जिसमें से 149 हिंदू रीति रिवाज एवं 41 मुस्लिम रीति रिवाज के अनुसार संपन्न हुई।सभी जोड़ों को योजना के तहत दिए जाने वाले चेक व उपहार देकर विदा किया गया। पंडाल में जहां फेरों के मंत्रोच्चारण की गूंज सुनाई दी तो दूसरी और मौलवी ने निकाह पढ़वाया। वहीं कुछ जोड़े सामूहिक विवाह में शामिल नहीं हो पाए, इस मौके पर मुख्य रूप से गंगेश्वरी ब्लांक प्रमुख राजेंद्र खड़गवंशी, विधायक पुत्र देवेंद्र खड़गवंशी, भाजपा नेता मुदित गुर्जर,सीडीओ अश्वनी कुमार मिश्रा, एसडीएम विभा श्रीवास्तव, बी डी ओ हसनपुर प्रतिभा अग्रवाल, ए डी ओ समाज कल्याण हरेंद्र सिंह, एपीओ हरीश राज चौहान, ने आशीर्वाद व प्रमाण पत्र दिया, वही सामूहिक विवाह योजना में विवाह करने वाले युवक युवतियों के परिजन भी भारी संख्या में मौजूद रहे।

सामूहिक विवाह में दोबारा शादी करने पहुंची युवती व युवक को पकड़ कर पुलिस को सौंपा

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। रविवार को नगर के एस एस डी इंटर कॉलेज के मैदान में चल रहे मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम में उस समय अफरा तफरी मच गई जब एक शादीशुदा युवती एक युवक से निकाह करने के लिए सामूहिक विवाह कार्यक्रम में पहुंची, जिसे युवती के ससुराल वालों ने मौके से पकड़ लिया तथा युवक को भी पकड़ लिया, इस बीच हंगामा बढ़ता चला गया, बताते चलें कि ग्राम सोहत की रहने वाली आसमा की शादी 3 वर्ष पूर्व ग्राम जयतोली निवासी नूर मोहम्मद से हुई थी जिनका आपसी पारिवारिक विवाद चलने के कारण आसमा अपने पिता के घर रह रही थी तथा दोनों का मामला न्यायालय में चल रहा है, लेकिन रविवार को आसमा ने संभल जिले के असमोली थाना क्षेत्र के रामनगर गांव निवासी जाबिर के साथ निकाह करने के इरादे से सामूहिक विवाह कार्यक्रम में पहुंचकर विवाह करने की तैयारी कर ली थी, लेकिन इस बीच आसमान के ससुराल वाले मौके पर पहुंच गए और दोनों को पकड़ लिया वही मामला जब मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र के सामने आया तो उन्होंने दोनों को पुलिस के हवाले कर दिया तथा उनका रजिस्ट्रेशन निरस्त करा दिया, वहीं मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि किसी भी कीमत पर फजीबाड़ा नहीं होने दिया जाएगा, दोषी पाए जाने पर कार्रवाई की जाएगी उधर एडियो समाज कल्याण हरेंद्र सिंह ने दोनों युवक युवती के खिलाफ फर्जी शादी करने के प्रयास को लेकर कोतवाली में तहरीर दे दी है, वहीं पुलिस अब बड़े अधिकारियों से इस विषय पर मंथन करने के बाद अग्रिम कार्रवाई अमल में लाए जाने की बात कह रही है।

दावा: गंगाजल में फीकल कोलीफॉर्म बैक्टीरिया पनप ही नहीं सकता

महाकुम्भनगर, 23 फरवरी । गंगा के पवित्र जल को लेकर फीकल कोलीफॉर्म बैक्टीरिया की उपस्थिति के दावों पर आज बड़ा खुलासा हुआ है। पद्मश्री वैज्ञानिक डॉ. अजय सोनकर ने अपनी प्रयोगशाला में गंगा जल को लेकर कई महत्वपूर्ण निष्कर्ष निकाले हैं। इसके अलावा लाखों श्रद्धालुओं के सामने वैज्ञानिक ने गंगा जल पीकर भी दिखाया। यह भी साबित किया कि इसमें ऐसा कोई हानिकारक बैक्टीरिया नहीं है, क्योंकि गंगा जल की विशेषता और मौजूदा तापमान इसे बैक्टीरिया के विकास के लिए अनुपयुक्त बनाते हैं। डॉक्टर अजय ने बताया है कि सबसे बड़ी बात तो ये है कि फीकल कोलीफॉर्म बैक्टीरिया पानी के 20 डिग्री सेल्सियस तापमान से कम होने पर पूरी तरह से निष्क्रिय रहता है। जबकि पूरे महाकुम्भ के दौरान गंगा जल का तामपान 10 से 15 डिग्री तक ही रहा है। संगम के विभिन्न घाटों पर वैज्ञानिक ने श्रद्धालुओं के बीच गंगा जल का तामपान भी जांचा। इसी के साथ यह जानकारी दी कि 20 डिग्री सेल्सियस तापमान से कम होने पर यह बैक्टीरिया खुद को बढ़ा ही नहीं सकता है।

गंगा जल का तापमान बैक्टीरिया के लिए प्रतिकूल

पद्मश्री वैज्ञानिक डॉ. अजय सोनकर के अनुसार फीकल कोलीफॉर्म बैक्टीरिया 35 से 45 डिग्री सेल्सियस के तापमान में पनपता है। जबकि महाकुम्भ के दौरान गंगा जल का तापमान 10 से 15 डिग्री सेल्सियस के बीच ही रहा है। जो इसे निष्क्रिय बनाए रखता है।

20 डिग्री से कम तापमान में नहीं होती वृद्धि

यह बैक्टीरिया 20 डिग्री सेल्सियस से कम तापमान में खुद को मल्टीप्लाई नहीं कर सकता है। महाकुम्भ के दौरान संगम जल का तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से भी कम दर्ज किया गया था। ऐसे में इसके सक्रिय होने की कोई संभावना ही नहीं है।

श्रवण कुम्भ में वरिष्ठजनों को उपलब्ध कराए गए 1847 उपकरण

महाकुम्भ नगर/लखनऊ, 23 फरवरी। प्रदेश सरकार वरिष्ठजनों के स्वास्थ्य, सम्मान और सेवा के लिए लगातार कार्य कर रही है। इसी क्रम में समाज कल्याण विभाग की पहल पर महाकुम्भ क्षेत्र के सेक्टर-7 में वरिष्ठजनों के लिए श्रवण कुम्भ का आयोजन हो रहा है, जिसमे वरिष्ठजनों के स्वास्थ्य परिक्षण के उपरान्त उन्हें विभिन्न उपकरण निःशुल्क दिए जा रहे हैं। अभी तक 1847 उपकरण वरिष्ठजनों को निःशुल्क प्रदान किया गया है। जिसमे कान की मशीन, कमर की बेल्ट, घुटने की बेल्ट, छड़ी, व्हील चेयर, स्पाइनल सपोर्ट, कॉलर सर्फिकल शामिल हैं।

विशेषज्ञ डॉक्टरों की निगरानी में परिक्षण

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन और समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण के निर्देश पर महाकुम्भ क्षेत्र में समाज कल्याण विभाग का शिविर संचालित हो रहा है। यहां तैनात समाज कल्याण विभाग के उपनिदेशक ए. के. सिंह ने बताया कि एम्स दिल्ली, झारखण्ड के अतिरिक्त पीजीआई लखनऊ और चंडीगढ़ के डॉक्टर श्रवण कुम्भ में अपनी सेवाएं दे रहे है। इसके साथ ही केरल, राजस्थान, कर्नाटक, राजस्थान, पंजाब से आये डॉक्टर भी मरीजों का निःशुल्क परिक्षण कर रहे हैं। स्वास्थ्य परीक्षण के लिए समाज कल्याण विभाग के पंडाल में ओपीडी का भी संचालन किया जा रहा है।

अस्थायी वृद्धाश्रम का हो रहा है संचालन

समाज कल्याण विभाग द्वारा कुम्भ क्षेत्र में एक 100 बेड के अस्थायी वृद्धाश्रम का भी संचालन किया जा रहा है, जिसमे विभाग द्वारा संचालित वृद्धाश्रमों में निवास करने वाले निराश्रित वरिष्ठजनों को लाकर संगम स्नान कराया जाता है।

स्वच्छता के जननायक थे संत गाडगे, उनकी प्रेरणा हमारा मार्गदर्शन करती है: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

महाकुम्भ नगर, 23 फरवरी। राष्ट्रसंत परम पूज्य गाडगे जी महाराज की 149वीं जयंती पर रविवार को महाकुम्भ नगर के सेक्टर 1 स्थित गंगा पंडाल में भव्य समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संत गाडगे जी को नमन करते हुए कहा कि वे सामाजिक न्याय के अग्रदूत थे, जिन्होंने जातिवाद, अंधविश्वास और अस्वच्छता के खिलाफ व्यापक जनजागरण कर समाज को नई दिशा दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि गाडगे जी महाराज का जीवन समाज में जागरूकता और सुधार लाने का प्रेरणास्त्रोत रहा है। वे जहां भी जाते, कीर्तन के माध्यम से शिक्षा और स्वच्छता का संदेश देते और अपने साथ झाड़ू रखकर स्वच्छता के प्रति जनमानस को प्रेरित करते। उन्होंने कहा कि गाडगे जी कहते थे कि ईश्वर का वास वहीं है, जहां स्वच्छता है। इसी संदेश को आगे बढ़ाते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2 अक्टूबर 2014 को स्वच्छता अभियान की शुरूआत की, जो आज वैश्विक आंदोलन बन चुका है।

स्वच्छता अभियान बना वैश्विक आंदोलन

सीएम योगी ने कहा कि संत गाडगे जी ने एक सदी पहले स्वच्छता का जो संदेश दिया था, वही आज प्रेरणा बनकर करोड़ों लोगों तक पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में स्वच्छ भारत मिशन के तहत करोड़ों घरों में शौचालय बनाए गए, जिससे नारी गरिमा की रक्षा हुई और बीमारियों से बचाव संभव हुआ। उन्होंने प्रयागराज की जनता की प्रशंसा करते हुए कहा कि महाकुम्भ के आयोजन में शहर ने स्वच्छता और सुव्यवस्था की मिसाल पेश की है। उन्होंने कहा कि आज प्रयागराज में जाम की स्थिति नहीं है और यहां की जनता ने महाकुंभ को अपना आयोजन मानकर अतिथि सेवा का जो भाव दिखाया है, वह सराहनीय है।

अगले वर्ष 150वीं जयंती होगी और भव्य

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि अगले वर्ष संत गाडगे जी महाराज की 150वीं जयंती को और भव्य तरीके से मनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार समाज के कल्याण के लिए सदैव तत्पर है और स्वच्छता के इस संदेश को और अधिक विस्तार देने के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने विधान परिषद् सदस्य सुरेन्द्र चौधरी की इस बात के लिए विशेष सराहना की कि उन्होंने संत गाडगे जी की 149वीं जयंती के अवसर पर इतना विशाल आयोजन आयोजित कराया। मुख्यमंत्री ने कहा कि संत गाडगे जी महाराज की जयंती पर आयोजित यह समारोह न केवल स्वच्छता के महत्व को दोहराने का अवसर बना है, बल्कि सामाजिक सुधारों के प्रति जनचेतना को भी प्रोत्साहित करने वाला साबित हुआ है।

महाकुम्भ के अंतिम स्नान पर्व पर पवित्र स्नान के लिए जुटने लगे विदेशी श्रद्धालु

महाकुम्भ नगर, 23 फरवरी। महाकुम्भ के आखिरी के स्नान पर्व महा शिवरात्रि पर त्रिवेणी संगम में पवित्र स्नान करने के लिए विदेशी श्रद्धालुओं के कई समूह महाकुम्भ नगर पहुंच गए हैं। ब्राजील से आया भगवान शिव के भक्तों का एक ग्रुप भी महा शिवरात्रि के स्नान पर्व की बाट जोह रहा है।

महाकुम्भ के अंतिम स्नान पर्व के लिए जुटने लगे विदेशी मेहमान

जिस दिव्यता और भव्यता के साथ प्रयागराज महा कुम्भ की शुरूआत हुई, समापन भी उसी अंदाज में होने जा रहा है। महाकुम्भ के अंतिम स्नान पर्व महा शिवरात्रि में संगम में मुक्ति की डुबकी लगाने के लिए विदेशी श्रद्धालुओं का जमावड़ा फिर महाकुम्भ में होने लगा है। ब्राजील से महाकुम्भ के अंतिम स्नान पर्व महा शिवरात्रि में त्रिवेणी में पवित्र स्नान करने के लिए दो दर्जन से अधिक ब्राजीली युवाओं का एक ग्रुप पहुंच चुका है। ग्रुप के कॉर्डिनेटर हेनरिक मोर का कहना है ये सभी युवा लॉर्ड शिवा की भक्ति धारा से जुड़े हुए हैं ।इसमें ज्यादातर रियो दि जनेरियो और साओ पाउलो शहर से हैं जहां शिव मंदिर भी हैं। लॉर्ड शिवा से प्रेरित होने की वजह से इन्होंने महा शिवरात्रि पर्व को चुना है जहां 12 वर्षों के बाद महाकुम्भ का विशेष अवसर आया है।

तन पर भगवान शिव के प्रतीकों का श्रृंगार और मन में भोले बाबा की भक्ति की मस्ती

ब्राजील के यूथ में धार्मिक पर्यटन का खासा क्रेज माना जाता है। भारत और एफ्रो-ब्राजील परंपराओं के बीच कुछ समानताएं इन्हें महाकुम्भ खींच लाई है। ब्राजीली ग्रुप के सदस्य पाओ फेलिपे का कहना है कि ग्रुप में अधिकतर युवा लार्ड शिवा के फॉलोवर हैं। सभी के शरीर में लॉर्ड शिवा के विभिन्न प्रतीकों को टैटू के रूप में स्थान दिया गया है। कानों में त्रिशूल की आकृति के चंद्राकार कुंडल और पूरे बदन में शिव जी के प्रतीक डमरू और महाकाल की आकृतियां इन्हें अलग पहचान प्रदान कर रही हैं। ग्रुप की महिला सदस्य इसाबेला बताती है कि ब्राजील में कयापो समुदाय की संस्कृति से इसके यूथ प्रभावित हैं जिसमें शरीर में प्रतीकों को गुदवाने की परम्परा है।

विश्व के आधे से अधिक सनातन धर्मावलंबी लगा चुके है महाकुम्भ में डुबकी : मुख्यमंत्री

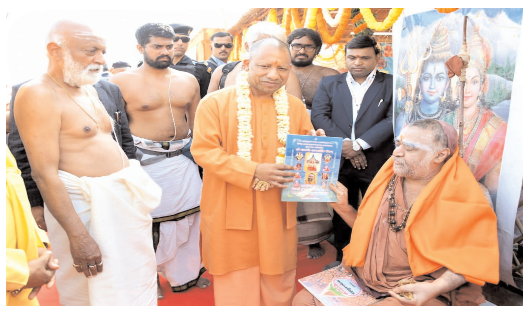

महाकुम्भ नगर, 23 फरवरी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को महाकुम्भ नगर में पहुंचकर साधु-संतों से भेंट की। उन्होंने कहा कि प्रयागराज महाकुम्भ में अब तक विश्व के आधे से अधिक सनातन धर्मावलंबी स्नान कर चुके हैं, जो सनातन संस्कृति की अद्वितीय आस्था और शक्ति को दशार्ता है। मुख्यमंत्री सबसे पहले विष्णुस्वामी संप्रदाय की सतुआ बाबा पीठ पहुंचे, जहां उन्होंने महामंडलेश्वर संतोषाचार्य जी महाराज सतुआ बाबा से भेंट की। इसके बाद वे श्री कांची कामकोटि पीठ के शिविर में पहुंचे और शंकराचार्य श्री शंकर विजयेन्द्र सरस्वती जी से आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान उन्होंने कांची पीठ के पूर्व शंकराचार्य जयेन्द्र सरस्वती की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर आरती उतारी। वहीं शंकराचार्य श्री शंकर विजयेन्द्र सरस्वती ने महाकुम्भ की व्यवस्थाओं के लिए मुख्यमंत्री की प्रशंसा की और 60 करोड़ से अधिक सनातनियों के महाकुम्भ में स्नान करने को भी सराहा।

सनातन धर्म की मजबूती में कांची कामकोटि पीठ की अहम भूमिकाः सीएम योगी

सीएम योगी ने कांची कामकोटि पीठ के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि इस पूज्य पीठ की परंपरा ने सनातन धर्म के जनजागरण और अभिवृद्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि जब भी सनातन धर्म के सामने कोई संकट आया, कांची पीठ ने आगे बढ़कर उसका समाधान किया। श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन हो या नेपाल संकट, इस पीठ ने सदैव धर्म की रक्षा के लिए प्रयास किए हैं।

62 करोड़ श्रद्धालुओं ने लगाई है महाकुम्भ में पावन डुबकी

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि अब तक 62 करोड़ श्रद्धालु संगम की त्रिवेणी में स्नान कर चुके हैं और आने वाले दिनों में यह संख्या और बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया में कोई ऐसा मत, मजहब या संप्रदाय नहीं, जहां निश्चित समय पर इतनी बड़ी संख्या में लोग अपनी आस्था व्यक्त करने के लिए एकत्र होते हों। महाकुम्भ सनातन धर्म की दिव्यता और विराटता का प्रतीक है।

अंबाला

प्रताप पब्लिक स्कूल तरावड़ी में शिक्षा के महत्व पर नृत्य और अभिनय प्रस्तुति

करनाल बीटू संधू
करनाल। प्रताप पब्लिक स्कूल के प्रांगण में प्रथम एवं दूसरी कक्षा के छात्रों ने शिक्षा के महत्व पर एक आकर्षक नृत्य और अभिनय प्रस्तुति दी। यह कार्यक्रम उनकी कक्षा अध्यापिका के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। नृत्य और अभिनय के माध्यम से छात्रों ने शिक्षा के महत्व को दशार्या। उन्होंने दिखाया कि शिक्षा ही वह माध्यम है जो हमें जीवन में आगे बढ़ने और अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करती है। छात्रों ने अभिनय के माध्यम से यह संदेश दिया कि शिक्षा हमें न केवल ज्ञान प्रदान करती है, बल्कि यह हमें आत्मनिर्भर और सशक्त भी बनाती है। उन्होंने यह भी कहा कि शिक्षा के बिना हम जीवन में पिछड़ जाते हैं और अपने सपनों को पूरा नहीं कर पाते हैं। नृत्य प्रस्तुति में बच्चों ने शिक्षा के महत्व को दशार्या और यह संदेश दिया कि शिक्षा ही जीवन में सफलता की कुंजी है। उनकी प्रस्तुति ने दर्शकों को गहराई से प्रभावित किया और संदेश दिया कि हर छोटी कोशिश से बड़ा बदलाव संभव है। विद्यालय के चेयरपर्सन हनी चौधरी और निर्देशिका पिथी चौधरी ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा ही वह माध्यम है जो हमें जीवन में सफलता प्राप्त करने में मदद करती है। उन्होंने छात्रों से आग्रह किया कि वे शिक्षा को महत्व दें और अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत करें।

जिला स्तरीय यूथ रेड क्रॉस कैंप में वॉलंटियर्स को काफी कुछ सीखने को मिला : प्रो. रमनदीप सिंह

एम.डी.एस.डी. कॉलेज में आयोजित पांच दिवसीय जिला स्तरीय यूथ रेड क्रॉस कैंप में भाग लेने वाले वॉलिंटियर्स प्रशंसा पत्र दिखाते।

अंबाला शहर : अंबाला क्षेत्र के पंजोखरा साहिब स्थित श्री गुरु हरकृष्ण साहिब खालसा कॉलेज के रेड क्रॉस वॉलिंटियर्स ने एम.डी.एस.डी. कॉलेज में आयोजित पांच दिवसीय जिला स्तरीय यूथ रेड क्रॉस कैंप में भाग लिया। इस दौरान वॉलिंटियर्स को रक्तदान, आपदा प्रबंधन और समुदाय स्वास्थ्य जैसी महत्वपूर्ण विषयों के बारे में जागरूक किया गया। इस कार्यक्रम में अंबाला जिले के 17 कॉलेज से वॉलिंटियर्स ने भाग लिया। यूथ रेड क्रॉस काउंसलर प्रो. रमनदीप सिंह ने बताया कि इस शिविर में वॉलिंटियर्स को काफी कुछ सीखने को मिला। इस दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया। इन प्रतियोगिताओं में सोलो डांस में विद्यालय की बीसीए तृतीय वर्ष की छात्रा कुलजीत कौर ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया और रितिका ने पेंटिंग में तीसरा स्थान प्राप्त किया। इस शिविर में कॉलेज के वॉलिंटियर्स ने बेस्ट कोऑर्डिनेटर का अवार्ड भी प्राप्त किया। इस मौके पर कॉलेज प्राचार्य डॉक्टर सुखदेव सिंह एवं वाईआरसी काउंसलर प्रो. रमनदीप सिंह ने सभी वॉलिंटियर्स को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

महर्षि दयानंद जयंती पखवाड़ा के अंतर्गत वैदिक गतिविधियां

अम्बाला छावनी : मेजर आरएन कपूर डीएवी सीनियर सेकेंडरी विद्यालय में आर्य प्रादेशिक प्रतिनिधि उपसभा हरियाणा के निदेर्शानुसार महर्षि दयानंद जयंती पखवाड़ा के अंतर्गत वैदिक गतिविधियों का आयोजन किया गया। इसमें सबसे पहले हवन यज्ञ का आयोजन किया गया। प्राचार्य जयदेव शर्मा की अध्यक्षता में संपन्न इस कार्यक्रम में संपूर्ण विद्यालय के छात्र-छात्राओं तथा अध्यापिकाओं ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। मंत्र उच्चारण की ध्वनि तथा हवन सामग्री की सुगंध वातावरण को पवित्र करते हुए यह संदेश दे रही है कि विद्यार्थी जीवन का प्रत्येक क्षण बहुमूल्य है। अंत में हमें बिना एक पल गवाए अपने कर्तव्यों का पालन करते हुए अपने उद्देश्य को प्राप्त करने की और अग्रसर होना चाहिए।

पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय क्रमांक-3 में विश्व चिंतन दिवस, कला एवं विज्ञान प्रदर्शनी संपन्न

विजेताओं को पुरुस्कार देकर सम्मानित करते मुख्य अतिथि राजिंदर विज व साथ अन्य।

अम्बाला छावनी : पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय क्रमांक-3 अम्बाला में पीएम श्री योजना के अंतर्गत आज अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया । इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में जिला तैराकी संघ एवं योग महासंघ के अध्यक्ष, सुप्रसिद्ध समाज सेवक, पर्यावरणविद, कुशल राजनीतिक राजिंदर विज अंबाला छावनी, विशिष्ट अतिथि के रूप मे डॉ. नवीन गुलाटी, पूर्व विभागाध्यक्ष, गणित विभाग एस.डी कॉलेज अंबाला एवं के.पी.सिंह,प्राचार्य फरूखा विद्यालय उपस्थित रहे । समारोह का शुभारम्भ दीपप्रज्जवलन एवं सर्वधर्म प्रार्थना से हुआ। प्राचार्य अमित अरोड़ा ने मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथिगण का स्वागत पुष्पगुच्छ, हरित पादप एवं स्मृतिचिह्न भेंटकर किया।

भाजपा में युवा को मिलता है सबसे अधिक सम्मान : कोमल सैनी

कार्यक्रम में बोलते हुए भाजपा मेयर प्रत्याशी कोमल सैनी।

पानीपत : नगर निगम का चुनाव में महापौर पद की भाजपा प्रत्याशी कोमल सैनी ने आज बिशन स्वरूप कॉलोनी के आईसीएस कोचिंग सेंटर तथा जीटी रोड के एलएनटी स्कूल में युवा समाज कार्यक्रम को संबोधित किया। इस अवसर पर भाजपा नेता अनिल मदान, गौरव लीखा और महेश थरेजा भी उनके साथ रहे। कोमल सैनी ने कहा कि भारत विश्व का सबसे युवा राष्ट्र है। युवा हमारी आन बान शान है और युवा के कंधों पर ही देश का भविष्य है। इसलिए यदि भारत को 2047 से पूर्व एक शिक्षित और विकसित राष्ट्र बनाना है तो हर चुनाव में भाजपा को जीताना होगा।

जिला स्तरीय खेल कूद प्रतियोगिता का किया गया आयोजन

करनाल सुखविंदर सोही
करनाल। नेहरू युवा केंद्र करनाल की ओर से रविवार को दो दिवसीय जिला स्तरीय खेल कूद प्रतियोगिता का आयोजन कर्ण स्टेडियम में किया गया। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार की जिला युवा अधिकारी रेनू सिलग ने बताया कि प्रतियोगिता के प्रथम दिन आज महिला वर्ग में खो-खो, चार सौ मीटर दौड़ तथा लंबी कूद का आयोजन किया गया। पुरुष वर्ग में 400 मी0 तथा लंबी कूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। उन्होंने बताया कि सोमवार को पुरुष वर्ग में वॉलीबॉल खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। जिला युवा अधिकारी ने बताया कि प्रथम दिवस पर आयोजित खेलों में खो-खो में असंध की टीम प्रथम स्थान तथा बस्तली की टीम ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। महिला वर्ग में आयोजित 400 मी0 तथा लंबी कूद में रितु मान ने प्रथम तथा रितिका ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। पुरुष वर्ग में आयोजित 400 मी0 दौड़ में अनुज मलिक में प्रथम तथा हरमन ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया, लंबी कूद में प्रथम स्थान काका ने व द्वितीय स्थान राजन ने प्राप्त किया। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में सभी एकल प्रतिस्पर्धा के विजेताओं को मेडल व टी-शर्ट दे कर सम्मानित किया गया। टीम प्रतिस्पर्धा के विजेताओं को ट्रॉफी व टीशर्ट देकर सम्मानित किया गया। उन्होंने बताया कि विजेता प्रतिभागियों को राज्य स्तर पर आयोजित होने वाली प्रतियोगिता में भी करनाल जिले के प्रतिनिधित्व का मौका मिल सकता है। सभी विजेताओं को जिला युवा अधिकारी रेनू सिलग, कोच कृष्ण पाल, कोच भूपेंद्र व कोच बलजिंदर , कार्यक्रम सहायक पंकज गौड़ ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम के आयोजन में युवा स्वयंसेवियों आशीष, सागर , राहुल, दिव्या, रंजना, रवीना आदि का भी सहयोग रहा।

बसंतोत्सव में कला व संस्कृति की झलक भी बच्चों के लिये प्रतियोगिताएं आयोजित

करनाल सुखविंदर सोही
हरियाणा। शहरी विकास प्राधिकरण द्वारा आज स्थानीय अटल पार्क में 21वें बसंतोत्सव का आयोजन किया गया। इसका उदघाटन अतिरिक्त उपायुक्त यश जालुका ने रिबन काटकर व गुब्बारे हवा में छोडकर की। इस मौके पर अतिरिक्त उपायुक्त ने कहा कि बसंतोत्सव रंगों का त्यौहार है। यह बसंत ऋतु के आगमन पर मनाया जाता है देश के विभिन्न हिस्सों में इस उत्सव के नाम भी अलग-अलग होते हैं। यह उत्सव प्रकृति प्रेमी को अपनी ओर आकर्षित करता है। इसके रंग पूरी धरती को रंग बिरंगा कर देते हैं। मनुष्य ही नहीं पक्षी भी धरती के इस सौन्दर्य का आनंद लेते हैं। उत्सव के धार्मिक पहलू भी है, जिनके अनुसार देश के अलग-अलग राज्य में मां सरस्वती की आराधना करते हुए इस उत्सव को ज्ञान व विद्या से भी जोड़ा गया है। उन्होंने लोगों से प्रकृति से प्रेम करने और अधिकाधिक पौधे लगाकर धरती का सौन्दर्य बनाए रखने की अपील की। मुख्य आकर्षण इस मौके पर अटल पार्क को फूलों से सज्जा देखकर हर कोई आकर्षित हो रहा था। चारों ओर फूलों की महक थी, रंग-बिरंगे फूल पार्क के सौन्दर्य को बढ़ा रहे थे। इस उत्सव में फूलों के रंगों के साथ-साथ कला और संस्कृति के रंग भी भरे गए। बच्चों ने पेंटिग, रंगोली व मेंहदी प्रतियोगिता में भाग लिया। प्रतियोगिता के विजेता बच्चों को सम्मानित किया गया। नगाड़ा व बीन पार्टी, कच्ची घोड़ी, राजस्थानी नृत्य तथा गतका ने भी संस्कृति से जुड? का संदेश दिया। बहरूपिए के तौर पर उत्सव में शामिल लंगूर बंदर, मोटू-पतलू, जिन्न और रावण बच्चों के लिये आकर्षण का केंद्र रहे। बच्चे इनके साथ सैल्फी लेने के लिए उत्सुक थे। बठिंडा की बाजीगर पार्टी ने हैरतंगेज करतब दिखाए। शमिन्द्र शम्मी ने बांधा समां बसंतोत्सव मौके पर पंजाबी कलाकार शमिन्द्र शम्म?

वाहन चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले चार आरोपी गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से 6 मोटरसाइकिल व एक ई रिक्शा बरामद

करनाल सुखविंदर सोही
करनाल। दिनांक 23-02-2025 बीती शाम करनाल पुलिस ऑटो थेफ्ट सी.आई.ए. -1 की टीम द्वारा गुप्त सूचना के आधार पर नाका बंदी करके सेक्टर 4, करनाल से आरोपियान...1 अंकित पुत्र महेंद्र निवासी गांव धीड जिला करनाल वा 2 शोएब उर्फ समीर पुत्र सलीम मलिक निवासी गांव गंगोह जिला सहारनपुर उत्तर प्रदेश दोनों को चौरी की मोटरसाइकल सहित गिरफ्तार किया गया जिन्होंने पूछताछ पर तीन और अन्य वारदात करने बारे स्वीकार किया जिनसे कुल 3 मोटरसाइकल बरामद हुई। 3 रोहित पुत्र कृष्ण कुमार निवास ए गांव दलीयानपुर जिला करनाल को नमस्ते चौक सेक्टर 16 करनाल से चौरी की एक मोटरसाइकिल सहित काबू किया गया व पूछताछ दौरान आरोपी के कब्जे से 2 मोटरसकिल बरामद की गई। 4 विनोद कुमार पुत्र प्रेम सिंह निवासी गांव बिचपड़ी जिला सोनीपत को काछवा रोड करनाल से चोरी की मोटरसाइकल सहित गिरफ्तार किया गया व पूछताछ के दौरान आरोपी से एक ई रिक्शा व मोटरसाइकिल बरामद हुई। इस संबंध में एंटी ऑटो थेफ्ट टिम के इंचार्ज निरीक्षक रोहतास सिंह ने बताया कि आरोपियों से पूछताछ के दौरान 7 मोटरसाइकल व एक ई रिक्शा चोरी करना स्वीकार गई। जिनमें से 6 मोटरसाइकिल व एक ई रिक्शा बरामद हो चुकी हैं। इस संबंध में आज आरोपियों को माननीय अदालत के सम्मुख पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

एन.डी.पी.एस.एक्ट के तहत एक आरोपी गिरफतार, 234 ग्राम अफीम व मोटरसाइकिल की बरामद

करनाल सुखविंदर सोही
करनाल। दिनांक 23.02.2025 बीती शाम जिला पुलिस की एन्टी नारकोटिक सेल टीम के इंचार्ज उप निरक्षक हिम्मत सिंह की अध्यक्षता में टीम द्वारा गुप्त सुचना के आधार पर कस्बा निसिंग, करनाल के क्षेत्र में नाकाबंदी करके आरोपी ...राहुल पुत्र राजिन्द्र निवासी गांव निसिंग करनाल से गिरफतार किया गया। आरोपी के कब्जे से मौके पर 234 ग्राम अफीम व एक मोटरसाइकिल बरामद की गई। एन्टी नारकोटिक सेल टीम द्वारा आरोपी के खिलाफ थाना निसिंग, करनाल में एन.डी.पी.एस. एक्ट की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। व मामले में अग्रिम अनुसंधान जारी है।

जीएमएन कॉलेज में टीचिंग और नॉन टीचिंग के लिए तनाव प्रबंधन कार्यशाला

कार्यशाला के दौरान टीचिंग और नॉन टीचिंग स्टाफ।

अम्बाला छावनी, फरवरी : जीएमएन कॉलेज अंबाला कैंट के शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों के लिए तनाव प्रबंधन कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का संचालन मनोवैज्ञानिक परामर्श केंद्र और मानसिक स्वास्थ्य क्लब के सहयोग से मनोविज्ञान विभाग की प्रमुख डॉ. अनुपमा सिहाग द्वारा किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य तनाव के स्रोतों और शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर इसके प्रभाव की पहचान करना, कर्मचारियों को प्रभावी तनाव प्रबंधन तकनीकों से लैस करना, स्वस्थ कार्य-जीवन संतुलन को बढ़ावा देना और एक सहायक कॉलेज को बढ़ावा देना।

लॉर्ड महावीर जैन के किंडर गार्डन विभाग में सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता

अम्बाला छावनी, फरवरी : विद्यालय के वर्धमान ऑडिटोरियम में कक्षा नर्सरी से लेकर द्वितीय कक्षा तक के विद्यार्थियों के लिए सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । जिसमें विद्यार्थियों ने बहुत ही उत्साह के साथ भाग लिया ।इस प्रतियोगिता में दो टीम बनाई गई जो कि हमारे देश के वैज्ञानिक डॉक्टर सी वी रमन और डॉ एपीजे अब्दुल कलाम के नाम पर रखी गई। सभी विद्यार्थियों ने बहुत ही उत्साह व उमंग के साथ इस सामान्य ज्ञान की प्रश्नोत्तरी में भाग लिया ।प्रधानाचार्या रुचि शर्मा ने सभी विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र से नवाजा।

मंच पर मौजूद विजेता विद्यार्थी साथ अध्यापकगण।

नगर निकाय चुनाव प्रक्रिया के तहत बूथ वाइज इवीएम मशीनों संबंधित पोलिंग पार्टियों के प्रतिनिधियों को बैठक में दी गई अहम जानकारियां

बैठक में संबोधित करते रिटर्निंग अधिकारी एवं एसडीएम अंबाला शहर दर्शन कुमार।

अंबाला शहर, फरवरी : नगर निकाय चुनाव के दृष्टिगत जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त अजय सिंह तोमर की अध्यक्षता में शनिवार को उनके कार्यालय के सभागार में द्वितीय रैण्डमाईजेशन प्रक्रिया के तहत ईवीएम मशीनों बूथ वाईज व पोलिंग पार्टियों की रैण्डामाईजेशन की गई। इस मौके पर सामान्य पर्यवेक्षक डा. सरिता मलिक, रिटर्निंग अधिकारी एवं एसडीएम अम्बाला शहर दर्शन कुमार, रिटर्निंग अधिकारी एवं एसडीएम अम्बाला छावनी विनेश कुमार व नगर निकाय चुनाव में खड़े प्रत्याशियों के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे। इस पूरी प्रक्रिया की बकायदा वीडियोग्राफी भी करवाई गई। उपायुक्त अजय सिंह तोमर ने जानकारी देते हुए बताया कि चुनाव आयोग की हिदायतों के अनुसार जिले में नगर निकाय चुनाव को पारदर्शी एवं निष्पक्ष रूप से करवाना हमारा दायित्व है। इसी को लेकर आज यहां चुनाव सामान्य ऑब्र्जवर व राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के समक्ष ईवीएम मशीनों को बूथ वाईज अलाट करने व सम्बन्धित आर.ओ. को पोलिंग पार्टियां आवंटित करने की रेण्डमाईजेशन की गई है। उन्होंने बताया कि 2 मार्च को मतदान होगा और 12 मार्च को मतगणना पश्चात परिणाम घोषित कर दिया जाएगा।

इस मौके पर नगर निगम के संयुक्त आयुक्त पुनीत कुमार, डीआईओ शुभम जोधा, डीआईपीआरओ धर्मेन्द्र कुमार के साथ-साथ विभिन्न राजनीतिक दलों व प्रत्याशियों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

जिला उपायुक्त अजय तोमर ने किया हरियाणा स्टेट मास्टर्स-वैटर्नस बैडमिंटन चैम्पियनशिप का उद्घाटन

खिलाड़ियों से परिचित होते उपायुक्त अजय तोमर।

अंबाला शहर : उपायुक्त अजय सिंह तोमर ने शनिवार को लेट मुकेश आनंद मेमोरियल बैडमिंटन स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स में आयोजित हरियाणा स्टेट मास्टर्स-वैटर्नस बैडमिंटन चैम्पियनशिप का उदघाटन किया। उन्होंने इस मौके पर बैडमिंटन खेलकर प्रतियोगिता का शुभारम्भ किया। इससे पहले यहां पहुंचने पर बैडमिंटन एसोसिएशन के पदाधिकारियों व अन्य सदस्यों ने मुख्य अतिथि उपायुक्त अजय सिंह तोमर व वशिष्ठ अतिथि ललित जैन को पुष्प गुच्छ देकर उनका अभिनंदन किया। उपायुक्त अजय सिंह तोमर ने बैडमिंटन एसोएिशन द्वारा यहां पर आयोजित चार दिवसीय चैम्पियनशिप के आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि खेलों का जीवन में अहम महत्व होता है। शरीर को स्वस्थ एवं मजबूत रखने के लिए हमें खेलों में भाग लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें अपने बच्चों को भी पढ़ाई के साथ-साथ खेल जैसी प्रतियोगिताओं में भाग लेते हुए जीवन में आगे बढने के लिए प्रोत्साहित भी करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब हम वृद्धावस्था में आते है, उस समय मे भी हमें क्षमता अनुसार खेल जैसी गतिविधि में भाग लेना चाहिए। इस मौके पर बैडमिंटन एसोसिएशन के सचिव राजेश कुमार ने एसोसिएशन की तरफ से मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि का स्वागत करते हुए आयुक्त पब्लिक हेल्थ मोहम्मद शाईन के मार्गदर्शन में हरियाणा स्टेट मास्टर्स-वैटर्नस बैडमिंटन चैम्पियनशिप का आयोजन किया जा रहा है। यह प्रतियोगिताएं 25 फरवरी तक चलेंगी। इन प्रतियोगिताओं में 18 जिलों के लगभग 200 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं जिनमें 9 कैटेगरी के तहत विभिन्न आयु वर्ग के प्रतिभागी शामिल हैं। बैडमिंटन एसोसिएशन के पदाधिकारियों द्वारा मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि को स्मृति चिन्ह देकर उनका अभिनंदन किया गया। इस मौके पर बैडमिंटन एसोसिएशन से आर.के. शर्मा, एस.बी. सहगल, सुमेश शर्मा, ललित आनंद, मुकेश गुप्ता, अनिल कुमार, पी.सी. तिवारी, डीएसओ राजबीर, डीआईपीआरओ धर्मेन्द्र कुमार अन्य सदस्य मौजूद रहे।

पानीपत की दो बड़ी बिल्डर कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई के आदेश जारी

पानीपत : नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल एनजीटी ने पानीपत में दो बडी बिल्डर कंपनियों अंसल सुशांत सिटी व टीडीआई सिटी, फरीदपुर के खिलाफ बड़ी कार्रवाई के आदेश दिए हैं। स्मरणीय है कि एनजीटी ने अंसल सुशांत सिटी पर 3.44 करोड़ रुपए, जबकि टीडीआई पर 5.47 करोड़ रुपए का जुमार्ना किया था। वहीं अंसल ने सिर्फ पांच लाख रुपए का भुगतान किया। जबकि टीडीआई ने एनजीटी के आदेशों की अनदेखी करते हुए जुमार्ना नहीं दिया। की। वहीं एनजीटी के आदेश के पर उपायुक्त पानीपत के माध्यम से तहसीलदार ने दोनों बिल्डरों के खिलाफ भू.राजस्व अधिनियम के तहत कार्रवाई शुरू कर दी है। अब इन बिल्डरों की जमीन जब्त कर जुमार्ना राशि वसूली जाएगी। गौरतलब है कि पर्यावरण प्रेमी समाजसेवी वरुण गुलाटी की शिकायत पर की गई जांच और उनकी रिपोर्ट के आधार पर दोनों बिल्डरों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। आपको बता दें कि जांच कमेटी में केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड सीपीसीबी,हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण एचएसपीसीबी जिले के एडीसीए आरओ और एचएसवीपी के एईओ शामिल थे। जिन्होंने दोनों बिल्डरों की कई खामियां पाई और भारी जुमार्ना लगाया। संयुक्त टीम ने दोनों जगहों से भूमि और जल प्रदूषण की जांच की थी। दोनों जगहों पर पानी की निकासी के लिए सीवरेज की पूरी सुविधा नहीं है। दोनों ही जगह अवैध तरीकों से पानी का निपटान किया जा रहा है। जांच कमेटी टीम ने 12 अप्रैल 2024 और फिर 19 अप्रैल 2024 को पहले अंसल सुशांत सिटी का जायजा लिया था। यहां का सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट बंद मिला। कंपनी ने कंसेंट टू ऑपरेट का प्रमाणपत्र भी रिन्यू नहीं कराया। कंसेंट टू इस्टेबलिश का प्रमाणपत्र भी नहीं मिला। यहां दो फेस हैं। जिसमें पहले फेस का सीपीटी बंद मिला। फेस टू का चालू हालत में था, जिसका सैंपल भी लिया गया था। दोनों फेस में सीवरेज फ्लो मीटर नहीं था न ही यहां पर लॉग बुक मेनटेन थी। जिसके बाद सवाल उठा था कि अंसल सोसाइटी से निकलने वाला 10600 केएलडी सॉलिड वेस्ट कहां जा रहा है। इतने पानी को कहां छोड़ा जा रहा है, जबकि अंसल का एसटीपी बंद पड़ा है। जिसके बाद जांच में सामने आया कि यहां के सीवरेज का कनेक्शन गैर कानूनी तरीके से एचएसवीपी की मास्टर सीवर लाइन में 1 अप्रैल 2019 से जोड़ा हुआ है। वहीं टीडीआई फरीदपुर का विवादों से शुरूआत से ही नाता रहा है। इस बार यहां टीम की जांच में सामने आया कि टीडीआई में पिछले काफी सालों से कई सोसाइटी एवं कॉलोनियां कटी हैं। यहां लगातार आवासियों की संख्या बढ़ती जा रही है। लेकिन यहां शुरूआती दौर में सीवरेज की जो क्षमता अप्लाई की थी, अथवा दर्शाई गई थी। आज भी संख्या बढ़ने के बाद भी उसी क्षमता से सीवरेज को चलाया जा रहा है। इसके अलावा यहां अवैध तरीकों से ट्रॉलियों और टैंकरों के जरिए भर कर कहीं खुले में सीवरेज का पानी एवं गंद भर कर खाली किया जाता है। जांच में यह भी सामने आया कि यहां सीईटीपी 25 सितंबर सन 2015 से एक्सपायर हो चुका है। यहां सीटीओ भी नहीं है। 550 केएलडी का सीवरेज सिस्टम हैए जोकि नाकाफी है। यहां एसटपी डेटा भी नहीं मिला। जनरेटर सिस्टम की भी जानकारी उपलब्ध नहीं करवाई।

नगर निगम चुनाव में भाजपा को मिलेगी रिकॉर्ड जीत : दुष्यंत भट्ट

निगम चुनाव को लेकर आयोजित भाजपा की बैठक में मौजूद पदाधिकारी ।(मोहन लाल)

पानीपत : शहरी विधायक कार्यालय में आज पार्टी पदाधिकारियों की बैठक का आयोजन जिला भाजपा अध्यक्ष दुष्यंत भट्ट की अध्यक्षता में किया गया। जबकि नगर निगम चुनाव संयोजक एवं विधायक प्रमोद विद ने विस्तार से जानकारी दी। बैठक को केंद्रीय ऊर्जा मंत्री के प्रतिनिधि गजेंद्र सलूजा,राष्ट्रीय मीडिया शहर प्रमुख ओबीसी मोर्चा राजवीर आर्य ने भी संबोधित किया। वहीं जिला महामंत्री कृष्ण छोक्कर ने मंच संचालन किया। जिला अध्यक्ष दुष्यंत भट्ट ने कहा कि संगठन में अद्भुत शक्ति होती है संगठन की सफलता से ही सरकार का गठन होता है। सभी पदाधिकारी ही नहीं सभी भाजपा कार्यकताओं को नगर निगम के इन चुनाव में समर्पित होकर पानीपत की सभी 27 सीटों पर भाजपा का कमल खिलौने में पूर्ण सहयोग देना चाहिए। बैठक में चुनाव से संबंधित अनेक कमेटियों का गठन भी किया गया और प्रभारी को मौके पर ही उनकी जिम्मेदारियां सौंप दी गई।

साइबर क्राइम जीरो करने को बैंक व पुलिस मिलकर कार्य करेगी

पानीपत : पुलिस अधीक्षक मुख्यालय सतीश वत्स ने जिला सचिवालय स्थित पुलिस विभाग के सभागार में जिला के सभी बैंक अधिकारियों की समन्वय बैठक लेकर सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध करने बारे आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने साइबर ठगी पर अंकुश लगाने के लिए बैंक कर्मियों और पुलिस कर्मियों के बीच समन्वय स्थापित करके काम करने पर जोर दिया। डीएसपी वत्स ने बैठक के दौरान बैंक व एटीएम परिसर व कैश वैन पर किये सुरक्षा के इंतजामों की समीक्षा की और कहा कि बैंक परिसर में पुलिस विभाग के महत्वपूर्ण नंबरों की सूची लगवाएं। बैंक अधिकारी स्वयं व बैंक के गार्ड बारे जानकारी नजदीकी थाने में अवश्य दें ताकि जरूरत के समय आपस में संपर्क हो सके।

सनातन धर्म कॉलेज में पाककला नवाचार प्रदर्शनी

अम्बाला छावनी : सनातन धर्म कॉलेज, अंबाला छावनी में गृह विज्ञान विभाग और इंस्टीट्यूशंस इनोवेशन काउंसिल के सहयोग से पाककला नवाचार प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का विषय था ह्लस्वस्थ आहारह्व।गृह विज्ञान विभाग की 34 छात्राओं ने इस कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर भाग लिया। उन्होंने विभिन्न प्रकार के स्वस्थ आहार उत्पाद बनाकर अपनी पाककला का बेहतर प्रदर्शन किया। छात्राओं ने अपने बनाए हुए उत्पाद की बिक्री भी की।इस कार्यक्रम में डॉ. याशना बावा , डॉ. रिचा सांगवान , डॉ. प्रेम सिंह और प्राचार्य डॉ. राजेंद्र सिंह ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विशेष रूप से, डॉ. मेधावी सोबती, गार्डियन हॉस्पिटल से अतिथि के रूप में उपस्थित हुई और छात्राओं को उनके उत्पादों के बारे में महत्वपूर्ण सुझाव दिए। उनकी उपस्थिति ने कार्यक्रम को और भी सफल बनाया।इस अवसर पर, प्रधानाचार्य डॉ. राजेंद्र सिंह ने कहा, हमें अपने छात्राओं की प्रतिभा पर गर्व है।

दबंग ने ग्रामीण के साथ मारपीट कर जान से मारने की नीयत से किया फायर

■ जालौन-उरई

गांव में नया मकान बनाने से नाराज गांव के ही एक व्यक्ति ने अपने साथियों के साथ मिलकर ग्रामीण के साथ मारपीट कर जान से मारने की नीयत से तमंचे से फायर कर दिया था। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से एक तमंचा व कारतूस बरामद किए हैं।

कोतवाली क्षेत्र के ग्राम जगनेवा निवासी श्याम सिंह उर्फ मझले ने पुलिस को बताया था कि उसने गांव में ही अपना नया मकान बनवाया है। मकान बनाने से गांव के ही मनोज कुमार उससे रंजिश मान बैठे और अक्सर उसके साथ विवाद करने लगे। इतना ही नहीं मकान गलत जगह बनाने का आरोप लगाते हुए उसके खिलाफ झूठी शिकायतें भी दीं। पीड़ित ने आरोप लगाया कि शुक्रवार की दोपहर घर के दरवाजे पर खड़ा था। तभी मनोज जीतू सिंह, व गुड्डू के साथ उसके घर आ धमके और गाली, गलौज करने लगे। जब उसने मना किया तो लाठी, डंडों से मारपीट शुरू कर दी। इसी दौरान मनोज ने उसे जान से मारने की नीयत से उस पर तमंचा से फायर कर दिया। किसी तरह उसने झुककर अपनी जान बचाई। आवाज सुनकर गांव के अन्य लोगों को आता देख वह आइंदा जान से मारने की धमकी देकर सभी वहां से भाग गए। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी। शनिवार की सुबह पुलिस को सूचना मिली कि मामले में आरोपी मनोज कहीं बाहर भागने की फिराक में जगनेवा मोड़ के पास खड़ा है। सूचना मिलते ही इंस्पेक्टर क्राइम जगदंबा प्रसाद दुबे, एसएसआई गौरव मिश्रा पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे और मनोज कुमार को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी में पुलिस ने आरोपी के पास से फायरिंग में प्रयोग किया गया तमंचा व कारतूस भी बरामद किया है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को न्यायालय में पेश किया है।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजनाः जनपद जालौन में 593 जोड़ों ने लिए फेरे

■ उरई

जनपद के नवीन गल्ला मंडी, कालपी रोड में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत भव्य समारोह में 593 जोड़ों का विवाह संपन्न हुआ। इस मौके पर जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद देकर उनके सुखद और उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

विवाह समारोह में जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. घनश्याम अनुरागी, सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा, माधौगढ़ विधायक मूलचंद्र निरंजन, जल शक्ति मंत्री के प्रतिनिधि अरविंद चौहान, कालपी विधायक के प्रतिनिधि आशु चतुर्वेदी, जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय, पुलिस अधीक्षक डॉ. दुर्गेश कुमार, सहित अन्य अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने नवविवाहित जोड़ों को प्रमाण पत्र वितरित किए और उनके सुखमय जीवन की शुभकामनाएँ दीं।

जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. घनश्याम अनुरागी ने कहा कि यह योजना समाज के अंतिम छोर तक पहुँच रही है और इससे सामाजिक समरसता को बढ़ावा मिल रहा है। उन्होंने कहा, ÷यह कार्यक्रम सभी धर्मों और समुदायों के बीच एकता का प्रतीक है और इससे आपसी मेलजोल को बढ़ावा मिलता है।÷

सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा ने मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना को गरीब परिवारों के लिए वरदान बताते हुए कहा, ÷यह योजना वंचित वर्गों को न केवल आर्थिक सहायता प्रदान करती है, बल्कि उनकी बेटियों की शादी का बोझ भी हल्का करती है।÷ उन्होंने यह भी कहा कि सरकार महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रयासरत है और रोजगार के अवसर भी मुहैया करा रही है।

माधौगढ़ विधायक मूलचंद्र निरंजन ने कहा, ÷पहले गरीब परिवारों के लिए बेटी की शादी करना कठिन होता था। कई बार उन्हें कर्ज लेना पड़ता था, जिससे आर्थिक स्थिति कमजोर हो जाती थी। लेकिन इस योजना ने उनकी यह चिंता दूर कर दी है। सभी धर्मों और समुदायों की रीति-रिवाजों का ध्यान रखकर विवाह संपन्न कराए जा रहे हैं।

जिला समाज कल्याण अधिकारी प्रवीण कुमार सिंह ने बताया कि इस योजना के तहत प्रत्येक नवविवाहित जोड़े को ड़51,000 की सहायता दी जाती है। इसमें 35,000 वधू के खाते में जमा किए जाते हैं और ड़10,000 उपहार सामग्री के रूप में प्रदान किए जाते हैं।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी राजेंद्र कुमार श्रीवास, डीसीएनआरएलएम महेंद्र चौबे, परियोजना निदेशक अखिलेश तिवारी, समाज कल्याण अधिकारी प्रवीण कुमार सिंह, सहित कई अन्य अधिकारी व जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। सभी ने नवविवाहित जोड़ों को शुभकामनाएँ दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना न केवल गरीब परिवारों के लिए आर्थिक सहायता प्रदान कर रही है, बल्कि सामाजिक समरसता को भी बढ़ावा दे रही है। इस तरह के आयोजन सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों को प्रभावी ढंग से क्रियान्वयन किया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

बालिका से छेड़छाड़ करने वाले को पुलिस ने दबोचा

कोंच। घर लौट रही 7 वर्षीय बालिका को रास्ते से घर ले जाने और वहाँ उसके साथ छेड़छाड़ किए जाने के मामले में फरार चल रहे आरोपी महफूज पुत्र महमूद निवासी भगत सिंह नगर कोंच को मुखबिर की सूचना पर खेड़ा चौकी प्रभारी संतराम कुशवाहा ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।जानकारी के अनुसार कोतवाली क्षेत्र के एक मुहल्ले के निवासी व्यक्ति ने पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर बताया था कि गुरुवार की रात 9 बजे उसकी 7 वर्षीय बेटी एक जन्मदिन पार्टी में शामिल होकर वापस घर लौट रही थी। तभी रास्ते में भगत सिंह नगर निवासी युवक महफूज पुत्र स्व.महमूद उसकी बेटी को बदनीयती से अपने घर ले गया था जहाँ उसने कमरे में बेटी का मुँह दबाकर उसके साथ छेड़छाड़ की थी। बेटी द्वारा विरोध स्वरूप चीखने चिल्लाने पर रास्ते से गुजर रही उसकी (शिकायतकर्ता) बहिन ने महफूज के घर का दरवाजा जैसे ही खुलवाया, महफूज मौके से भाग निकला था। मामले को लेकर पुलिस ने बालिका का मेडीकल कराते हुए आरोपी महफूज के विरुद्ध पॉक्सो एक्ट सहित संबंधित अन्य धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर ली थी।

कोतवाली में तैनात सिपाही की मौत

कोंच। कोतवाली कोंच में तैनात एक कांस्टेबल का बीमारी के चलते अस्पताल में निधन हो गया। जिला महोबा के थाना पनवाड़ी निवासी बृजबिहारी पुत्र भगवानदास अप्रैल 2023 में कोंच कोतवाली में तैनात हुए थे। वह पिछले कई महीनों से बीमार चल रहे थे। जनवरी माह में बीमारी के कारण वह मेडिकल अवकाश पर चले गए थे। अभी वह चंडीगढ़ पीजीआई में भर्ती थे तभी शुक्रवार की रात बृजबिहारी का दु:खद निधन हो गया। उनका शव चंडीगढ़ से पनवाड़ी लाया गया जहां उनका अंतिम संस्कार किया गया। कोतवाली में सीओ डॉ. देवेंद्र कुमार पचौरी व प्रभारी निरीक्षक अरुण कुमार राय सहित कोतवाली स्टाफ ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस दौरान अतिरिक्त निरीक्षक लल्लूराम, एसएसआई अभिनाथ मिश्रा, एसआई अशोक वर्मा आदि मौजूद रहे।

देर रात बजने वाले बैंड-बाजे व डीजे की तेज ध्वनि से परीक्षार्थियों की पढ़ाई हो रही प्रभावित

जालौन-उरई। वर्तमान में सहालग का समय चल रहा है। ऐसे में अधिकांश उत्सव गृह में विवाह समारोह चल रहे हैं। विवाह समारोह में देर रात बजने वाले बैंड-बाजे व डीजे की तेज ध्वनि से परीक्षार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। परीक्षार्थियों ने निर्धारित समय के बाद व निर्धारित मानक से ज्यादा ध्वनि से बजने वाले ध्वनि विस्तारक यंत्रों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। इस समय शादी विवाह का मौसम चल रहा है। ऐसे में लोग आयोजित कार्यक्रमों में इतने मशगूल हो जाते है कि दूसरों की परेशानी को भूल जाते हैं। नगर में संचालित उत्सवगृहों में धड़ल्ले से निर्धारित समय के बाद भी डीजे व बैंड बाजा बज रहे हैं। ध्वनि विस्तारक यंत्रों द्वारा निर्धारित मानक से अधिक ध्वनि उत्पन्न की जा रही है। एक तरफ जहां शादी विवाह का समय चल रहा तो दूसरी तरफ बोर्ड की हाई स्कूल व इंटरमीडिएट की परीक्षाएं शुरू होने जा रही है। ऐसे में जो परीक्षार्थी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं, तेज आवाज में बजने वाले ध्वनि विस्तारक यंत्र उनकी पढ़ाई में बाधा उत्पन्न कर रहे हैं। छात्र अनुज, मनीष, दिनेश, वत्सल आदि ने जिलाधिकारी से मांग की है नगर के उत्सव गृह में निर्धारित समय व निर्धारित मानक से ज्यादा ध्वनि से बजने वाले ध्वनि विस्तारक यंत्रों को बंद करवा जाए जिससे वह रात के समय परीक्षाओं की तैयारी कर सकें।

महाकुंभ जाने वाले यात्रियों की सुरक्षा का एसपी ने लिया जायजा

उरई। पुलिस अधीक्षक डा दुर्गेश कुमार द्वारा महाकुंभ 2025 व आगामी त्यौहारों के दृष्टिगत श्रद्धालुओं की सुरक्षा-व्यवस्था के बनाए रखने हेतु पैदल गस्त करते हुए रेलवे स्टेशन उरई का भ्रमण किया गया तथा सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गए।

तमँचा सहित वांछित गिरफ्तार

उरई। कोतवाली जालौन पुलिस द्वारा मु0अ0सं0 50/2025 धारा 109(1)/352/351(2) बीएनएस से सम्बन्धित अभियुक्त को 01 अदद तमन्चा व 01 खोखा व 01 जिन्दा कारतूस के साथ गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही की गयी ।

युवक के साथ गाली, गलौज व मारपीट की

जालौन-उरई। शराब के नशे में युवक के साथ गाली, गलौज व मारपीट की शिकायत पीड़ित ने कोतवाली में की है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की। कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला बापूसाहब निवासी अमित कुमार ने पुलिस को बताया कि मोहल्ले का ही सुधीर कुमार शराब के नशे में आए दिन उसके साथ गाली, गलौज करता है और झगड़े पर आमादा हो जाता है। कई बार समझाने के बाद भी उसकी आदतों में सुधार नहीं हो रहा है। पीड़ित ने आरोप लगाया कि शनिवार की सुबह वह घर के बाहर खड़ा था। तभी वहां सुधीर आ गया और उसके साथ गाली, गलौज करने लगा। मना करने पर उसने मारपीट कर दी। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की है।

रंजिश के चलते दो पक्षों के बीच गाली, गलौज व मारपीट

जालौन-उरई। रंजिश के चलते दो पक्षों के बीच गाली, गलौज व मारपीट हो गई। मारपीट के बाद दोनों पक्ष कोतवाली पहुंच गए। जहां पुलिस ने दोनों पक्षों के तीन लोगों के खिलाफ कार्रवाई की है। कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला खटीकान निवासी एक पक्ष के समीर खां व दूसरे पक्ष के आरिफ व साबिर के बीच किसी बात को लेकर रंजिश चल रही थी। इसी रंजिश के चलते दोनों बीच आए दिन विवाद होता रहता है। शनिवार की सुबह दोनों पक्षों के बीच वाद विवाद होने लगा। वहां मौजूद लोगों ने समझाने का प्रयास किया। इसके बाद भी वह नहीं माने और उनके बीच गाली, गलौज व मारपीट होने लगी। मारपीट के बाद दोनों पक्ष कोतवाली पहुंच गए। जहां पुलिस ने दोनों पक्षों को सुनकर तीनों के खिलाफ शांतिभंग की कार्रवाई की है।

एसडीएम को ज्ञापन देकर गेस्ट हाउस व दुकानों को अन्यत्र बनवाने की मांग

■ जालौन-उरई

नगर में खेल के मैदान के रूप में छत्रसाल इंटर कॉलेज के बगल में स्थित खाली मैदान को सार्वजनिक रूप से उपयोग में लिया जाता है। इस स्थान पर नगर पालिका द्वारा गेस्टहाउस व दुकानों का निर्माण प्रस्तावित है। इसको लेकर राजनैतिक दलों के साथ ही खिलाड़ियों और नगर के लोगों ने एसडीएम को ज्ञापन देकर गेस्ट हाउस व दुकानों को अन्यत्र बनवाने की मांग की है।

पूर्व खिलाड़ी फरीदउल्ला, सूरज प्रजापति, विनय श्रीवास्तव, मुईन, सुशील बाजपेई, अब्दुल हकीम, शशांक सिंह, रामपाल सिंह, सरवर अली, सपा नगर अध्यक्ष गौरीश द्विवेदी, पूर्व अध्यक्ष दीपू त्रिपाठी, पवन द्विवेदी, जाकिर सिद्दीकी, इसराईल शाह, दिलीप कुमार, शकील खान, परवेज, राजाभइया दोहरे, विजय कुमार आदि ने एसडीएम विनय मौर्य को ज्ञापन सौंपकर बताया कि नगर में खेल के मैदान के रूप में छत्रसाल इंटर कॉलेज के बगल में बने मैदान का उपयोग आजादी के पूर्व से किया जाता रहा है। इस स्थान पर प्रतिवर्ष अंतर्राजीय, मंडल स्तरीय व जनपदीय खेलकूद प्रतियोगिताओं के साथ ही स्थानीय स्तर पर भी खेलकूद प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं। नगर में यही एकमात्र खेल का मैदान बचा है। यहां शारीरिक प्रशिक्षण, योग प्रशिक्षण, एनसीसी कैंप क्रिकेट फुटबॉल, हॉकी आदि प्रतियोगिताएं आयोजित होती हैं। स्कूली स्तर की भी प्रतियोगिताएं यहीं आयोजित होती हैं। इसके अलावा पुलिस मॉकड्रिल भी यहां होती रहती है। लेकिन नगर पालिका द्वारा इस स्थान पर गेस्ट हाउस और दुकानों का निर्माण कराया जा रहा है। गेस्ट हाउस और दुकानों का निर्माण होने से खेल के मैदान के लिए जगह नहीं बचेगी। ऐसे में नगर व क्षेत्र की खेल प्रतिभाएं दम तोड़ देंगी। जनहित को देखते हुए नगर में एकमात्र बचे खेल के मैदान को सुरक्षित किया जाए और नगर पालिका द्वारा प्रस्तावित गेस्ट हाउस और दुकानों का निर्माण अन्यत्र किसी जगह कराया जाए।

एसडीएम व सीओ ने समाधान दिवस में सुनी शिकायतें

जालौन-उरई। कोतवाली में आयोजित हुए थाना समाधान दिवस में चार फरियादी पहुंचे। जिन्होंने पुलिस और राजस्व विभाग से संबंधित शिकायतें दर्ज कराई। मौके पर एक भी शिकायत का निस्तारण नहीं हो सका।

कोतवाली परिसर में एसडीएम विनय मौर्य की अध्यक्षता व सीओ शैलेंद्र बाजपेई की उपस्थिति में थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया। थाना समाधान दिवस में उमादेवी निवासी भवानीराम व सीमा शिवहरे निवासी मोहल्ला नया खंडेराव ने एजेंट द्वारा डाकघर में आरडी खोलने के नाम पर चिटफंड कंपनी में रुपये डालने और चिटफंड कंपनी के भाग जाने पर एजेंट द्वारा रुपये वापस न करने की शिकायत दर्ज कराई गई। विनोद साहू निवासी तोपखाना ने विपक्षी पर धान और प्याज की पौध लगाने के लिए 72 हजार रुपये उधार लेने के बाद वापस न लौटाने की शिकायत दर्ज कराई। इसके अलावा एक शिकायत राजस्व विभाग की दर्ज कराई गई। लेकिन मौके पर एक भी शिकायत का निस्तारण नहीं हो सका। एसडीएम व सीओ ने शिकायतों को एक सप्ताह में गुण दोष के आधार पर निस्तारित करने के निर्देश अधीनस्थों को दिए। इस मौके पर कोतवाल अजीत सिंह, इंस्पेक्टर क्राइम जगदंबा प्रसाद दुबे, एसएसआई गौरव मिश्रा, एसआई केपी सिंह, निसार अहमद आदि मौजूद रहे।

नवागान्तुक कोतवाल ने संभाला कार्यभार

■ जालौन-उरई

कहा -आदतन अपराधियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी

कोतवाली क्षेत्र में किसी भी प्रकार से अराजकता को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आदतन अपराधियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। यह बात नवागंतुक कोतवाल अजीत सिंह ने कोतवाली में कार्यभार ग्रहण कर पत्रकारों से वार्ता करते हुए कही।

एसपी ने कोतवाल वीरेंद्र पटेल को स्थानांतरित कर पुलिस लाइन भेजा है। जबकि उनके स्थान पर अजीत सिंह को जालौन कोतवाल बनाकर भेजा गया है। कोतवाली में कार्यभार ग्रहण कर पत्रकारों से वार्ता करते हुए नवागंतुक कोतवाल अजीत सिंह ने कहा कि कोतवाली क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने का पूरा प्रयास किया जाएगा। महिलाओं के प्रति अपराधों को गंभीरता से लेकर उनका तत्काल निराकरण कराया जाएगा। कोतवाली क्षेत्र में किसी भी प्रकार से अराजकता फैलाने वाले और शांतिभंग का प्रयास करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। इसके साथ ही आदतन अपराधियों के खिलाफ भी कडी कार्रवाई की जाएगी। सोशल मीडिया पर भी नजर रखकर माहौल खराब करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। प्रयागराज जनपद निवासी अजीत सिंह ने बताया कि इससे पूर्व वह झांसी जनपद में भी सेवाएं दे चुके हैं।

आज से पांच रुपए में भरपेट भोजन कराएगा प्रेम फाउंडेशन

■ कानपुर

कोआपरेटिव इस्टेट के चेयरमैन विजय कपूर के अनुज और जननायक अजय कपूर के जन्म दिवस पर , कोआपरेटिव इस्टेट परिसर के बाहर प्रेम फाउण्डेशन की घोषणा

शनिवार को पूर्व विधायक व भाजपा नेता अजय कपूर के जन्म दिवस पर राहगीरों व श्रमिकों को प्रेम फाउंडेशन के सौजन्य से श्रमिकों और राहगीरों को भोजन वितरित किया गया।

प्रेम फाउण्डेशन के पदाधिकारियों ने अजय कपूर को अंगवस्त्र पहनाकर उनका अभिनन्दन किया और जन्म-दिन की शुभकामनाएं अर्पित कीं। साथ ही, उद्यमियों ने प्रेम फाउण्डेशन के जनहितकारी उत्कृष्ट प्रयासों की प्रशंसा करते हुए, सभी पदाधिकारियों को पुष्प-गुच्छ भेंट कर और अंगवस्त्र पहनाकर स्वागत किया।

जननायक अजय कपूर और चेयरमैन विजय कपूर ने भोजन वितरण करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया, जिसमें सैकड़ों की संख्या में राहगीरों और श्रमिकों ने भोजन किया। प्रेम फाउंडेशन के संयोजक राजेन्द्र सिंह ग्रोवर ने बताया कि, चेयरमैन विजय कपूर की प्रेरणा से, कल 23 फरवरी 2025 से प्रतिदिन दोपहर 12:30 से 1:30 बजे तक कोआपरेटिव इस्टेट कार्यालय के बाहर श्रमिकों को मात्र पांच रूपये में भोजन उपलब्ध कराया जाएगा।

आयोजन में प्रमुख रूप से प्रेम फाउंडेशन के राजेन्द्र सिंह ग्रोवर, राजीव तुलस्यान, अरूण पुरी, आर. के. जिंदल, प्रमोद गुप्ता, मदन मोहन गांधी, राजेश श्रीवास्तव, सुनील बाजपेयी एवं उद्यमी सुरेश पुरी, आर. पी. सिंह, नरेश पंजाबी, ब्रम्हानंद तिवारी, सुभाष सिंह, भीम सेन, पम्मी खन्ना, दिनेश गुप्ता, अवध पाल सिंह, अशोक जुनेजा, मनोज वोहरा, सुशील मोहन टकरू, अशोक श्रीवास्तव, राजेन्द्र गुप्ता, वीरेन्द्र मिश्रा, शिवेश दुबे, अमित हांडा, राजेश कत्याल, गुरविन्दर सिंह, नरेश विरमानी, शिव कुमारक्ष प्रजापति, प्रेम इन्द्रपाल सिंह टोनी, प्रेम अरोड़ा, टोनी, हरेन्द्र सिंह डिम्पल, अनूप कुशवाहा, उदयवीर सिंह, नरायन शर्मा, भारत सिंह, सन्तोष गुप्ता, अनिल श्रीवास्तव, शिशिर चौरसिया, ओम प्रकाश सिंह, अंश चन्देल, संदीप भोला, व्यवसायी अवधेश मिश्रा, कुलदीप शुक्ला, अभिषेक दुबे, मनीष सेठी, अश्वनी दुबे, संजय कुमार, कौनेन खान, राधे शरण विश्वकर्मा, मनोज कठेरिया, रिति तिवारी, महेश शर्मा, चेतन खन्ना आदि ने इस पुनीत कार्य में सहभागिता की।

महाशिवरात्रि पर लगेगा देवगाँव आश्रम पर मेला

■ कोंच

तहसील क्षेत्र के ग्राम देवगांव स्थित बद्रीप्रसाद आश्रम मंदिर पर महाशिवरात्रि पर्व पर लगने वाले मेले को लेकर पुलिस अधीक्षक डॉ दुर्गेश कुमार ने शुक्रवार को परमहंस मंदिर का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था की तैयारियों का निरीक्षण किया और जरूरी निर्देश दिए। उन्होंने आने वाले श्रद्धालुओं की भीड़ और वाहन पार्किंग के लिए सीओ कोंच डॉ देवेंद्र कुमार पचौरी व थाना प्रभारी कैलिया राजीव कुमार को निर्देश दिए।

आगामी 26 फरवरी को महाशिवरात्रि पर्व पर कैलिया थाना क्षेत्र के ग्राम देवगांव में स्थित परमहंस मंदिर पर विशाल मेला लगता है। जिसमें हजारों की संख्या में दूर दराज से श्रद्धालु दर्शन करने और भंडारा प्रसाद ग्रहण करने के लिए आते है। मेले से पूर्व सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम करने के लिए पुलिस अधीक्षक डॉ दुर्गेश कुमार ने मंदिर परिसर सहित मेला मैदान का निरीक्षण किया। उन्होंने मंदिर परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरे देखे और मेले में आने वाले वाहनों के लिए बेहतर पार्किंग व्यवस्था करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मेले के आयोजन को लेकर पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की ड्यूटी लगाई जा रही है। उन्होंने थाना पुलिस को अरतकतत्वो पर पैनी नजर रखने के भी निर्देश दिए।

अधिवक्ताओं ने कई प्रमुख मांगो को लेकर राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन एसडीएम को सौंपा

■ कोंच

बार संघ कोंच के अधिवक्ताओ ने अधिवक्ता संशोधन विधिक 2005 को वापस लिए जाने सहित कई अन्य प्रमुख मांगों को लेकर राष्ट्रपति सहित प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन एसडीएम को सौंपा।नवनिर्वाचित बार संघ अध्यक्ष रामशरण कुशवाहा के नेतृत्व में अधिवक्ताओं ने एसडीएम ज्योति सिंह को ज्ञापन देकर कहा कि भारत सरकार के कानून एवं न्याय मंत्रालय द्वारा प्रस्तावित अधिवक्ता (विधिक) 2005 अधिवक्ताओं को संविधान द्वारा दिए गए मौलिक अधिकारों के प्रतिकूल हैं।अधिवक्ता हित को देखते हुए इसे शीघ्र ही वापस लिया जाये। वहीं अधिवक्ताओं की सुरक्षा के लिए अधिवक्ता प्रोटेक्शन एक्ट लागू किए जाने, स्वास्थ बीमा योजना के तहत मिलने वाली न्यूनतम राशि 10 लाख रुपये प्रदान किए जाने के लिए कार्यवाही पूर्ण किए जाने, अधिवक्ताओं के बैठने के लिए चैम्बर और पार्किंग की समुचित व्यवस्था किए जाने अधिवक्ताओं हेतु लोकसभा एवं राज्यसभा में अधिकारित विधान परिषद की सीटें आरक्षित किए जाने की भी मांग ज्ञापन में की गई।ज्ञापन देने वालो में विनोद अग्निहोत्री, अवधेश द्विवेदी,अफजाल अहमद, वरूण चड्ढा,प्रभव मिश्रा, सोनू वाजपेई, सौरभ मिश्रा,संजीव तिवारी,जीतू यादव, हरिसिंह निरंजन, शौकत अली,ओमप्रकाश अग्रवाल, नवल किशोर जाटव आदि मौजूद रहे।

सार समाचार

पाक ने 22 भारतीय मछुआरों को किया रिहा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने आज 22 भारतीय मछुआरों को रिहा कर दिया। रिहा होने के बाद सभी मछुआरे अटारी-वाघा सीमा के रास्ते भारत पहुंचे, जहां उनके चेहरों पर खुशी देखी गई। यह मछुआरे गलती से पाकिस्तान की सीमा में मछलियां पकड़ते हुए घुस गए थे, जिसके बाद पाकिस्तान पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया था। रिहा हुए मछुआरों में 18 गुजरात के, 3 दीव के और 1 उत्तर प्रदेश का है। अटारी-वाघा सीमा पर प्रोटोकॉल अधिकारी अरुणपाल सिंह ने बताया कि यह मछुआरे 2021-22 में मछली पकड़ते समय पकड़े गए थे और उन्हें अलग-अलग सजा दी गई थी।

दक्षिण सूडान में भीषण गर्मी, छात्राएं बेहोश

सूडान। दक्षिण सूडान में भीषण गर्मी के कारण छात्रों के बेहोश होने की घटनाओं के बाद सभी स्कूलों को दो सप्ताह के लिए बंद कर दिया गया है। देश को जलवायु परिवर्तन के कारण बरसात के मौसम में बाढ़ तथा अन्य जटिल परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। यह दूसरी बार है जब देश ने फरवरी और मार्च में गर्मी के कारण स्कूल बंद किए हैं। देश के उप शिक्षा मंत्री मार्टिन ताको मोई ने कहा कि ''जूबा शहर में रोजाना औसतन 12 छात्र बेहोश हो रहे हैं।'' दक्षिण सूडान के अधिकतर विद्यालयों में लोहे की चादरों से बने अस्थायी ढांचे हैं और उनमें बिजली की व्यवस्था नहीं है।

ब्राजील : बस और ट्रक के बीच टक्कर में 12 की मौत

साओ पाउलो। ब्राजील के साओ पाउलो राज्य के रिबेराओ प्रीटो शहर के पास एक दर्दनाक बस हादसे में विश्वविद्यालय के 12 छात्रों की मौत हो गई, जबकि 19 अन्य घायल हो गए। यह हादसा तब हुआ जब छात्रों से भरी एक बस तेज रफ्तार से आ रहे ट्रक से टकरा गई। रॉयटर्स के मुताबिक रात में हुए इस हादसे के बाद दमकल कर्मियों ने तेजी से राहत और बचाव कार्य शुरू किया। उन्होंने बस में फंसे घायलों को बाहर निकाला और आननफानन में अस्पताल में पहुंचाया। हादसे के बाद बस के परखच्चे उड़ गए, साथ ही ट्रैफिक पूरी तरह से बाधित हो गया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह बस यूनिवर्सिटी ऑफ फ्रांका के छात्रों को लेकर जा रही थी।

नेपाली छात्रा की आत्महत्या के बाद 159 छात्र लौटे

काठमांडू। ओडिशा के एक विश्वविद्यालय में नेपाल की एक छात्रा के कथित तौर पर आत्महत्या करने और कॉलेज प्रशासन की ओर से नेपाली छात्रों को छात्रावास खाली करने का आदेश दिए जाने के कुछ दिन बाद 159 छात्र रक्सौल सीमा के रास्ते नेपाल वापस आ गए। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। परसा के सहायक मुख्य जिला अधिकारी सुमन कुमार कार्की ने बताया कि रक्सौल सीमा से बृहस्पतिवार शाम तक 159 नेपाली छात्र वापस लौटे। ओडिशा के कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी में बीटेक (कम्प्यूटर साइंस) की तृतीय वर्ष की छात्रा प्रकृति लम्साल (20) ने 16 फरवरी को अपने छात्रावास के कमरे में कथित तौर पर आत्महत्या कर ली थी।

अमेरिका के लुइसविले में फायरिंग, 3 की मौत

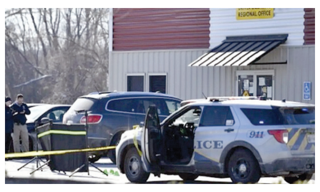

लुइसविले। अमेरिका के लुइसविले में शुक्रवार को एक मोटर वाहन कार्यालय में तीन लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। लुइसविले मेट्रो पुलिस विभाग के मेजर डोनाल्ड बोएकमैन ने पत्रकारों को बताया कि अधिकारियों ने घटनास्थल पर एक व्यक्ति को मृत पाया और दो अन्य घायल थे। दोनों घायलों को अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी मौत हो गई।

मॉरीशस की नेशनल असेंबली में प्रधानमंत्री रामगुलाम ने की घोषणा, सदस्यों ने मेज थपथपाकर जताई खुशी

प्रधानमंत्री मोदी होंगे मॉरीशस के स्वतंत्रता दिवस समारोह के मुख्य अतिथि

एजेंसी, पोर्ट लुइस

मॉरीशस के प्रधानमंत्री डॉ. नवीनचंद्र रामगुलाम ने नेशनल असेंबली में कहा कि भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उनका निमंत्रण स्वीकार कर लिया है। वो मॉरीशस के 57वें राष्ट्रीय स्वतंत्रता दिवस समारोह के सम्मानित अतिथि होंगे। यह हमारे दोनों देशों के बीच घनिष्ठ संबंधों का प्रमाण है। रामगुलाम की इस घोषणा पर नेशनल असेंबली के सदस्यों ने मेज थपथपाकर खुशी जताई। रामगुलाम ने शुक्रवार को कहा, "ऐसे प्रतिष्ठित व्यक्तित्व की मेजबानी करना हमारे और देश के लिए वास्तव में गर्व की बात है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने बेहद व्यस्त कार्यक्रम, पेरिस और संयुक्त राज्य अमेरिका की अपनी हालिया यात्राओं के बावजूद हमें यह सम्मान दिया है। वह हमारे विशेष अतिथि के रूप में मॉरीशस आने के लिए सहमत हो गए हैं।" उल्लेखनीय है कि मॉरीशस को 12 मार्च, 1968 को यूनाइटेड किंगडम से स्वतंत्रता मिली थी। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 12 मार्च की यात्रा पर मॉरीशस के प्रधानमंत्री डॉ. रामगुलाम ने कहा, ऐसे मौके पर प्रतिष्ठित व्यक्तित्व की मेजबानी करना मॉरीशस के लिए एक सौभाग्य की बात है।

भारत और मॉरीशस के संबंध

भारत और मॉरीशस के बीच इतिहास और संस्कृति आधारित गहरा रिश्ता है। मॉरीशस में बड़ी संख्या में भारतीय रहते हैं। भारतीय विदेश मंत्रालय की 2024 की रिपोर्ट के मुताबिक, मॉरीशस में 8 लाख 94 हजार 848 भारतीय और भारतीय मूल के लोग रहते हैं। दोनों देशों के बीच लंबे समय से सांस्कृतिक, आर्थिक और रणनीतिक साझेदारी है। भारत मॉरीशस के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देता आया है। भारत और मॉरीशस समुद्री सुरक्षा, आईटी, ऊर्जा और शिक्षा जैसे कई अहम क्षेत्रों में सहयोग कर रहे हैं। हाल के वर्षों में भारत ने मॉरीशस को कई परियोजनाओं में मदद की है।

राष्ट्रपति मुर्मु गई थीं पिछले साल

पिछले साल मॉरीशस के 56वें स्वतंत्रता दिवस समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुई थीं। राष्ट्रपति मुर्मु का सर शिवसागर रामगुलाम इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर तत्कालीन प्रधानमंत्री प्रविंद कुमार जुगनौथ ने गर्मजोशी से स्वागत किया था। मॉरीशस में रामगुलाम के नेतृत्व वाले गठबंधन ने 2024 के आम चुनाव में जीत हासिल की। उन्हें सत्ता में वापसी करने में पूरे एक दशक का समय लगा। प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें जीत की बधाई देते हुए उनसे बातचीत भी की थी।

मेरे दोस्त, जीत की बधाई

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था," जीत के बाद मेरी मेरे दोस्त नवीन रामगुलाम से बात हुई। मैंने उन्हें ऐतिहासिक जीत के लिए बधाई दी। मैंने उन्हें भारत आने का निमंत्रण भी दिया। हम अपनी विशेष साझेदारी को मजबूत करने के लिए मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हैं।"

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दोहराया

भारत को ही मतदान बढ़ाने के नाम पर दिए थे अमेरिका ने 21 मिलियन डॉलर

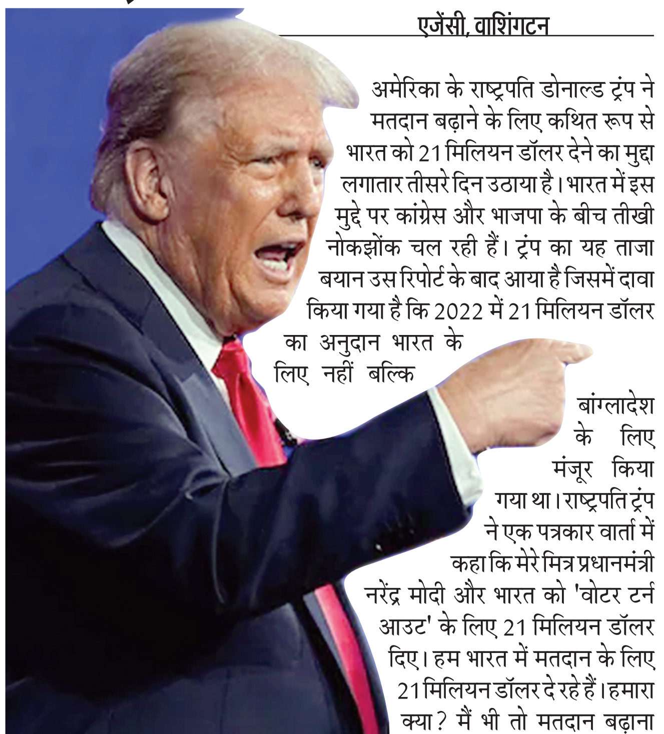

एजेंसी, वाशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मतदान बढ़ाने के लिए कथित रूप से भारत को 21 मिलियन डॉलर देने का मुद्दा लगातार तीसरे दिन उठाया है। भारत में इस मुद्दे पर कांग्रेस और भाजपा के बीच तीखी नोकझोंक चल रही है। ट्रंप का यह ताजा बयान उस रिपोर्ट के बाद आया है जिसमें दावा किया गया है कि 2022 में 21 मिलियन डॉलर का अनुदान भारत के लिए नहीं बल्कि बांग्लादेश के लिए मंजूर किया गया था। राष्ट्रपति ट्रंप ने एक पत्रकार वार्ता में कहा कि मेरे मित्र प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारत को 'वोटर टर्न आउट' के लिए 21 मिलियन डॉलर दिए। हम भारत में मतदान के लिए 21 मिलियन डॉलर दे रहे हैं। हमारा क्या? मैं भी तो मतदान बढ़ाना चाहता हूं।

गाजा पर नियंत्रण की योजना केवल 'सुझाव', जबरदस्ती नहीं कर रहे: ट्रंप

गाजा पट्टी से फलस्तीनी नागरिकों को निकालने और फिर उसे अपने नियंत्रण में लेने की योजना को लेकर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को दुनियाभर से आलोचनाओं का सामना करना पड़ा है। हालांकि, एक अमेरिकी समाचार चैनल के साथ बातचीत में ट्रंप ने स्पष्ट किया कि उनकी योजना केवल एक 'सुझाव' है, न कि किसी तरह से 'लागू करने का आदेश'। जेरूसलम पोस्ट ने यह जानकारी दी। 'फॉक्स न्यूज' के साथ बातचीत में ट्रंप ने इस बात को दोहराया कि वह मानते हैं कि पश्चिम एशिया में स्थिति का समाधान करने के लिए उनकी योजना सबसे अच्छी है। उन्होंने कहा, मैं आपको अपनी योजना का तरीका बताऊंगा। मुझे लगता है कि वह योजना वास्तव में काम करेगी। लेकिन मैं इसको लेकर जबरदस्ती नहीं कर रहा हूं। मैं बस बैठकर इसके लिए सुझाव दूंगा। फिर अमेरिका का उस पर नियंत्रण होगा, वहां हमास नहीं होगा। फिर वहां विकास होगा और एक नई शुरुआत होगी।

जॉर्डन के अलावा अरब देशों ने खारिज की ट्रंप की योजना

ट्रंप ने पहले जॉर्डन और मिस्र से कहा था कि वह गाजा से पलायन करने वाले फलस्तीनी शरणार्थियों को स्वीकार करें। जॉर्डन और मिस्र का इसाइल के साथ शांति समझौता है। हालांकि, जॉर्डन को छोड़कर ज्यादातर अरब देशों ने इस योजना को खारिज किया। जॉर्डन ने दो हजार घायलों को स्वीकार करने पर सहमति दी है। जेरूसलम पोस्ट की खबर में कहा गया है कि शुक्रवार को अरब देशों के एक समूह ने एक वैकल्पिक योजना पर चर्चा करने के मुलाकात की, जिसमें गाजा के करीब 20 लाख की आबादी को वहीं रहने दिया जाएगा। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि गाजा अब पुनर्निर्माण के योग्य भी नहीं है। उन्होंने कहा, यह जगह रहने लायक नहीं है। अगर आपने लोगों को इसकी जगह एक अच्छे समुदाय के बीच रहने का विकल्प दिया, तो मुझे पता है कि वे कहां जाएंगे। देखते क्या होता है। इसके साथ ही ट्रंप ने इसाइल के 2005 के उस निर्णय का भी जिक्र किया, जब उसने गाजा से अपनी सैन्य मौजूदगी खत्म कर ली थी और नियंत्रण फलस्तीनी प्राधिकरण को सौंप दिया था। ट्रंप ने सवाल किया, यह एक शानदार जगह है, मुझे समझ नहीं आता इसाइल ने इसे क्यों छोड़ा।

एफबीआई के नौवें निदेशक काश पटेल ने भगवद्गीता पर हाथ रखकर ली शपथ

एजेंसी, वाशिंगटन

संयुक्त राज्य अमेरिका की केंद्रीय खुफिया एजेंसी फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (एफबीआई) की कमान काश पटेल ने संभाल ली। व्हाइट हाउस में अटॉर्नी जनरल पाम बॉन्डी ने काश पटेल को एफबीआई के नौवें निदेशक के रूप में शपथ दिलाई। उन्होंने भगवद्गीता पर हाथ रखकर शपथ ग्रहण की। एफबीआई फेसबुक पेज के अनुसार, एफबीआई निदेशक के रूप में अपने पहले कार्यदिवस के दिन काश पटेल ने वॉल ऑफ ऑनर पर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस वॉल पर एफबीआई के बहादुर सदस्यों का वर्णन है। उनका यहां जाना न्याय के प्रति उनके साहस और समर्पण की विरासत की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। शपथ समारोह में काश पटेल ने कहा, जो कोई सोचता है कि अमेरिकी सपना मर चुका है, वह यहीं देख ले। आप पहली पीढ़ी के भारतीय बच्चे से बात कर रहे हैं जो भगवान की धरती पर सबसे महान देश में कानून प्रवर्तन समुदाय का नेतृत्व करने वाला है। महत्वपूर्ण यह है कि काश पटेल की जड़ें भारत के गुजरात में वडोदरा से भी जुड़ी हैं। 25 फरवरी, 1980 को न्यूयॉर्क में पूर्वी अफ्रीका से आए भारतीय अप्रवासी माता-पिता के घर जन्मे काश ने रिचमंड यूनिवर्सिटी से ग्रेजुएट करने के बाद यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन से अंतरराष्ट्रीय कानून में सर्टिफिकेट के साथ कानून की डिग्री हासिल की है। काश ने सार्वजनिक वकील के रूप में अपना प्रोफेशनल करियर शुरू किया। मियामी की अदालतों में लगभग नौ साल तक कड़ी मेहनत की। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के 2014 के पहले कार्यकाल में काश पटेल रक्षा और खुफिया एजेंसियों में विभिन्न उच्च पदों पर कार्य कर चुके हैं। काश को ट्रंप का सबसे भरोसेमंद व्यक्ति माना जाता है।

काश पटेल ने किया वादा

काश पटेल ने आगे यह भी कहा कि मैं वादा करता हूं कि एफबीआई के भीतर और इसके बाहर जवाबदेही होगी। उनकी यह बात अमेरिकी लोकतंत्र और कानून व्यवस्था के प्रति उनके समर्पण को दर्शाती है। उनका मानना है कि उनकी यात्रा और सफलता उस अमेरिकी सपने का प्रतीक है, जिसे किसी भी नागरिक के लिए संभव किया जा सकता है, चाहे वह किसी भी पृष्ठभूमि से आता हो।

ट्रंप का बड़ा फैसला: शीर्ष सैन्य अधिकारी ब्राउन को हटाया, 5 और रक्षा अधिकारी भी निकाले

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार रात एक बड़ा फैसला लेते हुए ज्वॉइंट चीफ ऑफ स्टाफ के चेयरमैन जनरल चार्ल्स सी. क्यू. ब्राउन जूनियर को उनके पद से हटा दिया। ब्राउन, जो देश के सबसे वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों में से एक थे, को केवल 16 महीनों के कार्यकाल के बाद बर्खास्त कर दिया गया। उनके साथ-साथ पेंटागन के पांच अन्य शीर्ष अधिकारियों को भी हटा दिया गया है। जनरल ब्राउन ने 2020 में ब्लैक लाइव्स मैटर आंदोलन का समर्थन किया था, जो जॉर्ज फ्लॉयड की हत्या के बाद पूरे अमेरिका में फैल गया था। उस समय वे अमेरिकी वायुसेना के चीफ ऑफ स्टाफ थे। ट्रंप प्रशासन ने पहले भी इस आंदोलन को लेकर आलोचना की थी, और अब ब्राउन की बर्खास्तगी को इसी से जोड़कर देखा जा रहा है। ब्राउन के अलावा, नौसेना की पहली महिला प्रमुख एडमिरल लिसा फ्रैंचेटी, वायुसेना के डिप्टी चीफ जेम्स स्लाइफ, और तीन अन्य वरिष्ठ सैन्य वकीलों को भी हटा दिया गया है। हालांकि, अभी बाकी तीन अधिकारियों के नाम सार्वजनिक नहीं किए गए हैं। अमेरिका में आमतौर पर सरकार बदलने के बावजूद ज्वॉइंट चीफ ऑफ स्टाफ के चेयरमैन को नहीं हटाया जाता, क्योंकि यह पद प्रशासनिक पुल का काम करता है। लेकिन ब्राउन केवल 16 महीने ही इस पद पर रह सके। वे अमेरिका के सैन्य इतिहास में इस पद पर पहुंचने वाले दूसरे अश्वेत अधिकारी थे और एक 4-स्टार लड़ाकू पायलट थे।

विवादों में रोमानिया राष्ट्रपति चुनाव

जॉर्जेस्कू समर्थक बोले- दूसरे चरण का मतदान दोबारा हो

एजेंसी, बुखारेस्ट

रोमानिया में राष्ट्रपति चुनाव विवादों में हैं। यहां शनिवार को हजारों लोगों ने राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार रहे कैलिन जॉर्जेस्कू के समर्थन में प्रदर्शन किया। लोगों ने रोमानिया के झंडे लहराते हुए रद्द किए गए राष्ट्रपति चुनाव को दोबारा कराने की मांग की। लोगों ने राष्ट्रपति कैलिन जॉर्जेस्कू और दूसरे चरण का मतदान फिर शुरू हो लिखे पोस्टर लहराए। रोमानिया में दो महीने पहले राष्ट्रपति चुनाव को सर्वोच्च अदालत ने रद्द कर दिया था। चुनाव प्रक्रिया के प्रथम चरण के चुनाव में राजनेता कैलिन जॉर्जेस्कू आगे निकल चुके थे। इसके बाद चुनाव में रूसी हस्तक्षेप और उल्लंघन के आरोप सामने आए। इस दौरान मौजूदा राष्ट्रपति क्लाउस इओहानिस

राष्ट्रपति दे चुके इस्तीफा

हाल ही में रोमानिया के राष्ट्रपति क्लॉस इओहानिस ने विपक्षी दलों के बढ़ते दबाव के बाद पद से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने 12 फरवरी को पद छोड़ने का एलान किया। विपक्षी दल दक्षिणपंथी एलायंस फॉर द यूनिटी ऑफ रोमानियन (एयूआर), राष्ट्रवादी एसओएस पार्टी और पार्टी ऑफ यंग पीपल, सेव रोमानिया यूनियन पार्टी के कुछ सदस्यों ने संसद में दायर एक प्रस्ताव के माध्यम से इओहानिस को हटाने की मांग की थी। ने आरोप लगाया था कि राष्ट्रपति चुनाव के दौरान रोमानिया रूसी हमलों का लक्ष्य बन गया था। इस अभियान में कई सोशल मीडिया प्रोफाइल शामिल थे, जो टिकटॉक और टेलीग्राम जैसे प्लेटफार्मों पर जॉर्जेस्कू का समर्थन करते थे। चुनाव रद्द होने के बाद लोगों में रोष का आलम था।

समझौते के अगले चरण के लिए रखी शर्त

हमास ने गाजा में छह बंधक रिहा किए, कई परिवारों में खुशी

एजेंसी, गाजा पट्टी

आतंकवादी समूह हमास और इजराइल के बीच कतर में पिछले माह हुए संघर्ष विराम और बंधकों की रिहाई समझौते ने आज कई परिवारों के चेहरों में खुशी लौटा दी। हमास के नकाबपोश सशस्त्र लड़ाकों ने आज सुबह (स्थानीय समयानुसार) मध्य गाजा के नुसीरात में ओमर शेम टोव (22), एलिया कोहेन (27) और ओमर वेनकर्ट (23) को रेडक्रॉस के अधिकारियों को सौंप दिया। इसके अलावा हमास की कैद से आजाद हुए ताल शोहम (40) और एवेरा मेंगिस्टू (38) इजराइल पहुंच गए। गाजा सिटी में रिहा होने वाला छठा बंधक हिशाम अल-सईद (37) है। हमास ने समझौते के अगले चरण में बाकी बंधकों की रिहाई के लिए शर्त रखी है। द टाइम्स ऑफ इजराइल के अनुसार, एवेरा मेंगिस्टू और उनके परिवार के कुछ सदस्यों को हवाई मार्ग से गाजा सीमा के पास एक इजराइली सैन्य अड्डे पर पहुंचाया गया। वहां से सभी को इजराइली वायु सेना के हेलीकॉप्टर से मध्य इजराइल के एक अस्पताल ले जाया गया। मेंगिस्टू को जांच के बाद घर भेजा जाएगा। शोहम और मेंगिस्टू को सुबह दक्षिणी गाजा के शहर राफाह में रिहा किया गया। इन दोनों को सात अक्टूबर, 2023 को किबुत्ज बेरी से अगवा किया गया था। इजराइली रक्षा बलों (आईडीएफ) के अनुसार, रेडक्रॉस ने दोनों को उन्हें सौंप दिया। इसके अलावा चार बंधकों को नुसीरात में सौंपा गया। हमास ने शुक्रवार को कहा था कि उसे उम्मीद है कि इजराइल बदले में 602 फिलिस्तीनी कैदियों और बंदियों को रिहा करेगा। उनमें से 50 को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी और अन्य 60 लंबी सजा काट रहे हैं। 445 को सात अक्टूबर 2023 को गाजा में हिरासत में लिया गया था। सीएनएन की खबर के अनुसार, शोहम और मेंगिस्टू को सशस्त्र नकाबपोश आतंकवादियों ने मंच पर परेड और शोहम को भीड़ को संबोधित करने के लिए मजबूर किया। साथ ही एक अन्य बंधक शिरी बिबास के अवशेष शुक्रवार रात तेल अवीव पहुंचे।

राजधानी ढाका में अराजकता

बांग्लादेश में बीएनपी नेता की हत्या, दोनों आंखें निकालीं

एजेंसी, ढाका

बांग्लादेश की राजधानी ढाका के धमराई उपजिला में कल दोपहर लगभग डेढ़ बजे बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के नेता मोहम्मद बाबुल मिया की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। हत्यारों का इससे जी नहीं भरा तो उनकी दोनों आंखें निकाल लीं। हत्या की वजह राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता बताई जा रही है। द डेली स्टार के अनुसार, बीएनपी की कुल्ला यूनियन इकाई के पूर्व उपाध्यक्ष मोहम्मद बाबुल मिया को लाठी-डंडों से लैस कुछ लोगों ने धमराई उपजिला के गांव बोरो कुशियारा में पीट-पीटकर मौत के घाट उतार दिया। गम में डूबी पत्नी यास्मीन बेगम ने कहा कि उनके पति को बीएनपी की राजनीति करने के कारण कई बार जेल भी जाना पड़ा। कुछ समय से रियल एस्टेट (अक्षिरनगर हाउसिंग) बिजनेस को लेकर ग्रामीणों से विवाद चल रहा था। इस विवाद की वजह से अफसर, अरशद और मोनिर हम दोनों को कई दिनों से धमकी दे रहे थे। उन्होंने कहा कि वह और उनके पति अक्षिरनगर हाउसिंग के पास सरसों की कटाई कर रहे थे। अचानक अफसर, अरशद, मोनिर कुछ साथियों के साथ आ धमके। उन्होंने पति को घेरकर लाठियों और लोहे के रॉड से पीटना शुरू कर दिया। पति को लहूलुहान कर जाते-जाते उनकी दोनों आंखें भी निकाल लीं। इसके बाद बाबुल को सावर एनाम मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। ग्रामीणों ने दावा किया कि बाबुल का अफसर, अरशद और मोनिर के साथ एक तालाब के स्वामित्व को लेकर विवाद चल रहा था। यह हत्या की बड़ी वजह हो सकती है। धमराई थाना प्रभारी मोनिरुल इस्लाम ने कहा कि प्राथमिक जांच से पता चलता है कि बाबुल की हत्या जमीन विवाद को लेकर की गई। दोषियों को गिरफ्तार करने की कोशिश की जा रही है।

कई दिनों से धमकी दे रहे थे आरोपी: यास्मीन

बाबुल की पत्नी यास्मीन बेगम ने बताया कि रियल एस्टेट व्यवसाय अक्षिरनगर हाउसिंग को लेकर ग्रामीणों के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। उन्होंने आरोप लगाया कि स्थानीय अधिकारी, अरशद और मोनिर कुछ दिनों से उन्हें धमका रहे थे, जबकि पति का इस मामले से कोई लेना-देना नहीं था। यास्मीन बेगम ने बताया कि आरोपियों ने पति को डंडों और एसएस पाइप से पीटा, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए।

पिछले विवाद के चलते हुई बाबुल की हत्या

धामराई पुलिस स्टेशन के प्रभारी अधिकारी मोनिरुल इस्लाम ने बताया कि प्राथमिक जांच में पता चला है कि बाबुल की हत्या पिछले विवाद के चलते की गई है। शव को अस्पताल से बरामद कर पोस्टमॉर्टम हाउस भेजने की तैयारी की जा रही है। अधिकारी ने बताया कि हत्या के लिए जिम्मेदार लोगों को गिरफ्तार करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

दोनों अपराध के खिलाफ पांच से 10 साल तक की सजा का प्रावधान

ब्रिटेन में बाल शोषण और कमजोर लोगों के घर पर जबरन कब्जा करने वालों पर कसेगा शिकंजा

एजेंसी, लंदन

ब्रिटेन सरकार ने बाल शोषण और कमजोर वर्ग के लोगों के साथ होने वाले अपराध कोयलिंग के खिलाफ कानून बनाने का ऐलान किया है। सरकार ने दोनों अपराध के खिलाफ पांच से 10 साल तक की सजा का प्रावधान किया है। ब्रिटेन के गृह विभाग के अधिकारियों का कहना है कि अपराध रोकने और पुलिसिंग को बढ़ावा दिए जाने के लिए लाए जा रहे इस विधेयक को अगले सप्ताह हाउस ऑफ कॉमन्स में रखा जाएगा। ब्रिटेन में जिन दो अपराधों के खिलाफ कानून लाया जा रहा है, उसमें पहला कोयलिंग है। यह एक ऐसी प्रथा है जिसमें अपराधी कमजोर वर्ग के लोगों के घर पर बिना उनकी अनुमति के कब्जा कर लेते हैं और उनसे जबरन गैर कानूनी गतिविधियां जैसे ड्रग्स तस्करी के काम कराते हैं, जबकि दूसरे अपराध में कुछ अपराधी बच्चों से आपराधिक गतिविधियां कराते हैं। ब्रिटेन की गृह सचिव यवेट कूपर ने कहा कि आपराधिक लाभ के लिए बच्चों को कमजोर लोगों का शोषण घृणित है। हम इसे अपनी सड़कों से खत्म करना चाहते हैं। बदलाव की दिशा में हमारे कदम के तहत हम इन दो आपराधिक मामलों में उन लोगों को दंड देंगे जो यह अपराध कराते हैं। साथ ही हम पीड़ितों की सुरक्षा और छिपे हुए इस अपराध को रोकेंगे। उन्होंने कहा कि दोनों नए कानून के तहत न्यायालय अपराधियों पर प्रतिबंध लगा सकेंगे। इसमें बच्चों के साथ काम करने, विशिष्ट लोगों से संपर्क करने या विशेष क्षेत्र में जाने पर प्रतिबंध लगाया जा सकेगा। इससे अपराध को रोकने या दोबारा होने से रोकने में मदद मिलेगी। साथ ही आदेश का पालन न करना भी अपराध होगा। इसमें पांच साल की जेल की सजा होगी।

क्या है कोयलिंग

कोयलिंग अपराध को ड्रग तस्करी, गंभीर हिंसा और असामाजिक व्यवहार से जोड़ा जाता है। इसमें खासकर दिव्यांग लोगों को अपराधी अपने लाभ के लिए निशाना बनाते हैं। नए कानून के तहत ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी जो कमजोर लोगों के घर पर कब्जा करते हैं और उनको नुकसान पहुंचाते हैं। ऐसा करने पर पांच साल के कारावास की सजा सुनाई जाएगी।

बाल शोषण को लेकर भी कानून

यूके के गृह मंत्रालय के मुताबिक देश में 2023-24 में 14500 बच्चे बाल शोषण अपराध के शिकार हुए हैं। सरकार का मानना है कि यह आंकड़ा बेहद कम है। क्योंकि तमाम मामलों की जानकारी सरकार को मिल नहीं पाती है। अब तक बाल शोषण के खिलाफ बने कानून में सख्त प्रावधान नहीं है। नए कानून के तहत लेबर सरकार ने जो लोग बेईमानी से बच्चों को अपराध में शामिल करेंगे या अपराध कराएंगे, उन पर कार्रवाई की जाएगी।

अवैध घुसपैठियों से दिल्ली को मुक्त करे नई सरकार

> दिल्ली में अवैध रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठियों की बढ़ती संख्या एक गंभीर मुद्दा बन चुकी है, जो न केवल राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा है, बल्कि सामाजिक और आर्थिक संतुलन को भी प्रभावित कर रही है। विभिन्न मीडिया रिपोर्टों और सरकारी एजेंसियों की जाँच के अनुसार, ओखला, शाहीन बाग, मादीपुर, सीलमपुर और तुगलकाबाद जैसे इलाकों में रोहिंग्या और बांग्लादेशी शरणार्थियों की अवैध बस्तियाँ बन चुकी हैं। इन क्षेत्रों में कई बार पुलिस और सरकारी एजेंसियों ने छापेमारी की, जहाँ फर्जी दस्तावेजों के ज़रिए भारतीय नागरिकता प्राप्त करने के मामले सामने आए हैं। मीडिया रिपोर्टों में यह दावा किया गया कि इन अवैध प्रवासियों को आधार कार्ड, राशन कार्ड और अन्य सरकारी सुविधाएँ मिल रही हैं। सरकार ने राज्य सरकारों को इनकी पहचान कर वापस भेजने का आदेश दिया था, लेकिन इसके बावजूद इनकी बस्तियाँ बढ़ती रहीं।

विप्लव विकास

सिनेमाघरों में छावा की गूँज से भारतीयों में अपने पराक्रमी पूर्वजों के प्रति गौरव का भाव हिलोरें ले रहा है, वहीं युवाओं की नजर में वास्तविक इतिहास छिपाने वाले तथाकथित इतिहासकार बौद्धिक अपराधी बन चुके हैं। इसी बीच, दिल्ली को नई मुख्यमंत्री मिली हैं, जिससे एक नई आशा का संचार हुआ है। देश की राजधानी न केवल राजनीतिक गतिविधियों का केंद्र है, बल्कि यहाँ के आंदोलन और घटनाएँ पूरे देश को प्रभावित करती हैं। बीते दशक में शाहीन बाग प्रदर्शन, नागरिकता कानून विरोध, किसान आंदोलन, लाल किला हिंसा, दिल्ली दंगे, अंकित शर्मा की हत्या और टुकड़े-टुकड़े गैंग जैसी घटनाएँ इसकी गवाह रही हैं। ये षड्यंत्र कहीं न कहीं भारत-विरोधी तत्वों द्वारा पोषित थे। अब जब दिल्ली में भाजपा सरकार बनी है, तो जनता को उम्मीद है कि अवैध घुसपैठ, कानून-व्यवस्था की चुनौतियों और राष्ट्रविरोधी गतिविधियों पर कठोर कार्रवाई होगी।

2019 में नागरिकता संशोधन अधिनियम लागू होने पर शाहीन बाग में महीनों तक विरोध हुआ, जिसमें वामपंथी और इस्लामिक संगठनों की संलिप्तता व विदेशी फंडिंग के आरोप लगे। केजरीवाल सरकार पर इसे मौन समर्थन देने का आरोप हुआ। विरोध के दौरान दिल्ली में दंगे भड़के, आईबी अधिकारी अंकित शर्मा की हत्या हुई, और पार्षद ताहिर हुसैन की संलिप्तता उजागर हुई। 2020 में कृषि कानूनों के विरोध में तथाकथित किसानों ने दिल्ली की सीमाओं पर डेरा डाल दिया। 26 जनवरी 2021 को लाल किले पर खालिस्तानी झंडा फहराया गया। इस आंदोलन में खालिस्तानी तत्वों की संलिप्तता और विपक्षी दलों के समर्थन के आरोप लगे, लेकिन हिंसा, बलात्कार व अपराधों का न्याय अब भी लंबित है।

दिल्ली में अवैध रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठियों की बढ़ती संख्या एक गंभीर मुद्दा बन चुकी है, जो न केवल राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा है, बल्कि सामाजिक और आर्थिक संतुलन को भी प्रभावित कर रही है। विभिन्न मीडिया रिपोर्टों और सरकारी एजेंसियों की जाँच के अनुसार, ओखला, शाहीन बाग, मादीपुर, सीलमपुर और तुगलकाबाद जैसे इलाकों में रोहिंग्या और बांग्लादेशी शरणार्थियों की अवैध बस्तियाँ बन चुकी हैं। इन क्षेत्रों में कई बार पुलिस और सरकारी एजेंसियों ने छापेमारी की, जहाँ फर्जी दस्तावेजों के ज़रिए भारतीय नागरिकता प्राप्त करने के मामले सामने आए हैं। मीडिया रिपोर्टों में यह दावा किया गया कि इन अवैध प्रवासियों को आधार कार्ड, राशन कार्ड और अन्य सरकारी सुविधाएँ मिल रही हैं। सरकार ने राज्य सरकारों को इनकी पहचान कर वापस भेजने का आदेश दिया था, लेकिन इसके बावजूद इनकी बस्तियाँ बढ़ती रहीं।

दिल्ली पुलिस और इंटेलिजेंस ब्यूरो की 2022 की जाँच में यह सामने आया कि कई रोहिंग्या और बांग्लादेशी प्रवासियों ने दलालों के माध्यम से फर्जी आधार कार्ड, वोटर आईडी और पैन कार्ड हासिल कर लिए। एक रिपोर्ट के अनुसार, उत्तर-पूर्वी दिल्ली से 50 से अधिक रोहिंग्या प्रवासियों को गिरफ्तार किया गया था, जिनके पास अवैध रूप से प्राप्त भारतीय दस्तावेज थे। कई मामलों में इन घुसपैठियों की संलिप्तता आपराधिक गतिविधियों में भी पाई गई है। 2022 में दिल्ली पुलिस ने खुलासा किया कि हृष्टक्र क्षेत्र में चोरी, नशीले पदार्थों की तस्करी और मानव तस्करी जैसे अपराधों में इनकी भूमिका सामने आई है। 2019 में दिल्ली के मादीपुर इलाके में एक स्थानीय व्यक्ति की हत्या के मामले में दो रोहिंग्या प्रवासी गिरफ्तार किए गए थे।

सिर्फ सुरक्षा ही नहीं, बल्कि यह घुसपैठ भारतीय श्रमिकों और व्यापारियों के लिए भी चुनौती बन चुकी है। ये अवैध प्रवासी कम मजदूरी पर काम करने के कारण भारतीय मजदूरों के रोजगार छीन रहे हैं। दिल्ली के प्रमुख बाजारों में इन घुसपैठियों ने अवैध कबाड़-बाजार स्थापित कर दिए हैं, जिससे स्थानीय व्यापार प्रभावित हो रहा है। यही नहीं, कई जगहों पर सरकारी जमीनों पर अवैध झुग्गियाँ बना दी गई हैं, जिन्हें हटाने की प्रक्रिया में लगातार बाधाएँ आ रही हैं। यह स्पष्ट है कि दिल्ली जैसे संवेदनशील महानगर में इस प्रकार की अवैध घुसपैठ को नज़रअंदाज करना देश की संप्रभुता के साथ खिलवाड़ करने के बराबर है।

नई सरकार को अवैध घुसपैठियों की त्वरित पहचान कर उनके फर्जी दस्तावेज रद्द करने और निष्कासन की प्रक्रिया तेज करने की जरूरत है। सरकारी जमीनों पर अतिक्रमण रोकने के लिए व्यापक अभियान चलाया जाए और यह सुनिश्चित हो कि भविष्य में कोई अवैध प्रवासी सरकारी योजनाओं का लाभ न ले सके। दिल्ली में सक्रिय राष्ट्रविरोधी तत्वों पर कड़ी कार्रवाई आवश्यक है। वामपंथी और इस्लामी चरमपंथी गुटों पर नजर रखते हुए दंगे व अराजकता फैलाने वालों के खिलाफ कठोर कानून लागू किए जाएँ, ताकि भारत की संप्रभुता और अखंडता सुरक्षित रहे।

शरणार्थी नीति को सख्त किया जाना चाहिए। अवैध प्रवासियों को सरकारी लाभ से वंचित रखना जरूरी है, क्योंकि वे न केवल देश की सुरक्षा के लिए खतरा हैं, बल्कि भारतीय नागरिकों के अधिकार भी छीन रहे हैं। जब सरकार इन राष्ट्रहित में आवश्यक फैसलों को लागू करेगी, तो कुछ ताकतें इसका विरोध अवश्य करेंगी। ऐसे समय में देशवासियों की जिम्मेदारी बनती है कि वे सरकार के साथ मजबूती से खड़े रहें। यदि राष्ट्रविरोधी शक्तियाँ सरकार के फैसलों के खिलाफ माहौल बनाने की कोशिश करें, तो आम जनता को उनकी साजिशों को नाकाम करना होगा। देश की सुरक्षा और संप्रभुता बनाए रखना केवल सरकार की नहीं, बल्कि हर नागरिक की जिम्मेदारी है। यूएस? एड आजकल चर्चा में है तो हम सभी को लग रहा है कि विदेशी फंड से भारत के कुछ पत्रकार राष्ट्रीय हितों से समझौता कर उनके एजेंडे को यहां लागू करने में जनता की भावनाओं और विचारों को दिग्भ्रमित करने के लिए पूरी कोशिश करते हैं। लोकसभा चुनाव में हमने इनको देखा है। यदि हम चाहते हैं कि भारत सुरक्षित और समृद्ध रहे, तो हमें राष्ट्रहित में लिए गए फैसलों का समर्थन करना होगा और भारत विरोधी ताकतों के खिलाफ एकजुट रहना होगा।

(लेखक स्तंभकार हैं)

गीता को जानें - 13

रोग के ऊपरी लक्षणों के उपचार से श्रेयष्कर है उसे जड़-मूल से उखाड़ना

> हनुमान् तोपवन पुत्र हैं ही वहीं भीम भी कुन्ती से वायुदेव के अंश से जन्मे थे। इसलिए दोनों भाई थे। भीम को अपनी शक्ति का बड़ा अहंकार था। उसे नष्ट करने के लिए हनुमान् बृद्ध वानर का रूप धारण कर रास्ता रोककर लेट गये। जब भीम ने रास्ता देने को कहा तो हनुमान् जी ने कहा मैं तो बृद्ध और बीमार हूँ, तुम मेरी पूँछ को एक ओर खिसका कर निकल जाओ।

अर्जुन, जिसके रथ के ध्वज पर हनुमान जी विराजमान थे, ने युद्ध के लिए तैयार धृतराष्ट्र पुत्रों को देखकर शस्त्र चलाने की तैयारी के समय धनुष उठाकर हृषीकेश (श्रीकृष्ण) से कहा कि हे अच्युत! मेरे रथ को दोनों सेनाओं के बीच में खड़ा कीजिये (गीता 1.20,21)। मैं युद्ध क्षेत्र में डटे, युद्ध के लिए उत्सुक इन योद्धाओं को भली प्रकार देख लूँ जिनके साथ मुझे इस संग्राम में युद्ध करना है (गीता 1.22)। दुर्बुद्धि दुर्योधन को प्रसन्न करने के लिए युद्ध करने के लिए जो-जो लोग यहाँ एकत्रित हुए हैं, इनको मैं देखूँगा (गीता 1.23)।

शाहीन सबा

युद्ध के समय प्रत्येक योद्धा की पहचान उसके रथ पर फहराती विशेष चिह्न युक्त ध्वजा से होती थी। अर्जुन की ध्वजा पर हनुमान् जी का चिन्ह बना था। महाभारत के वन पर्व में कथा आती है कि वन में निवास करते समय एक दिन वायु के झौंके से उड़कर एक सहस्रदल सुगन्धित कमल द्रोपदी के पास आकर गिरा। द्रोपदी को वह बहुत पसंद आया और उन्होंने भीमसेन से उसी प्रकार के और पुष्पों को लाने की प्रार्थना की। भीमसेन चल दिये। रास्ते में कदलीवन पड़ा। वहाँ भगवान् मारुति अर्थात् हनुमान् निवास करते थे। हनुमान् तो पवन पुत्र हैं ही वहीं भीम भी कुन्ती से वायुदेव के अंश से जन्मे थे। इसलिए दोनों भाई थे। भीम को अपनी शक्ति का बड़ा अहंकार था। उसे नष्ट करने के लिए हनुमान् बृद्ध वानर का रूप धारण कर रास्ता रोककर लेट गये। जब भीम ने रास्ता देने को कहा तो हनुमान् जी ने कहा मैं तो बृद्ध और बीमार हूँ, तुम मेरी पूँछ को एक ओर खिसका कर निकल जाओ। भीम ने पूरी ताकत लगा दी पर वे पूँछ को तिल भर भी न खिसका सके। तब हनुमान् जी ने अपना परिचय दिया और भीम को चार युगों के धर्मो का उपदेश दिया और वरदान दिया कि जब तुम युद्ध में सिंहनाद करोगे तो मैं उसमें अपनी गर्जना को मिलाकर उसे बढ़ा दूँगा और अर्जुन के रथ की ध्वजा पर बैठकर ऐसी भयंकर गर्जना करूँगा कि शत्रु काँप उठेंगे। युद्ध के समय युद्ध वाद्य बजाना, गर्जना करना योद्धाओं का मनोबल बढ़ाते हैं और उनमें जीवन की आशा छोड़कर युद्ध करने की मानसिक दशा का निर्माण करते हैं। बल, बुद्धि, धैर्य और भक्ति की प्रति मूर्ति भगवान् मारुति जिसके पक्ष में हों उसके उत्साह का तो कहना ही क्या। इसलिए कपिध्वज वाले रथ में अर्जुन पूरे उत्साह से युद्ध के लिए तैयार थे।

शंखनाद हो चुका था, स्वयं अर्जुन ने भी शंख बजाया था, युद्ध करने के लिए धनुष भी उठा लिया था। अर्जुन के लिए क्षत्रिय योद्धा के रूप में अपना स्वधर्म अर्थात न्याय के लिए युद्ध ही सदैव प्राथमिकता होती थी और अब तो उनका पक्ष पूरी तरह न्याय और धर्म से युक्त था। अर्जुन का यह कहना कि मैं उनको देखना चाहता हूँ जिनके साथ मुझे युद्ध करना है, यह उसके उत्साह और दृढ़ता का परिचायक है। अभी अर्जुन युद्ध के लिए अधीर होता मालूम पड़ रहा है। वह अपने मूल स्वभाव के अनुसार व्यवहार कर रहा है। उसके व्यवहार में मानसिक उद्विग्नता, भय, शोक आदि का नामो निशान नहीं है। यहाँ वह दुर्योधन को दुर्बुद्धि कहता है जो उसके आक्रोश का सूचक है। उसे किंचित आश्चर्य है कि ऐसे अन्यायी व दुर्बुद्धि दुर्योधन के पक्ष में भी कैसे कोई खड़ा हो सकता है? इसीलिए वह उन्हें देखना चाहता है।

एक और पहलू से देखें तो, श्रीकृष्ण से यह कहना कि वह रथ को दोनों सेनाओं के बीच खड़ा कर दें ताकि वह देख सके कि किन-किन से लड़ना है विचित्र सा है क्योंकि ऐसा तो नहीं था कि अर्जुन को पता न हो कि दूसरे पक्ष में चचेरे भाई, पितामह भीष्म, आचार्य द्रोण आदि खड़े हैं। अर्जुन ने पहले भी कई युद्ध लड़े थे और युद्ध के दौरान कभी ऐसी माँग नहीं की थी। इससे यह पता चलता है कि अर्जुन के हृदय में 'अपने और पराये' का बीज अंकुरित होने लगा था और जब श्रीकृष्ण ने रथ को बीच में खड़ा कर दिया तो यह अंकुर मोह रूपी विशाल वृक्ष बन गया।

संजय कहते हैं कि गुड़ा केश (अर्जुन) के ऐसा कहने पर श्रीकृष्ण ने दोनों सेनाओं के बीच उत्तम रथ को खड़ा कर दिया (गीता 1.24)। सामने भीष्म, द्रोणाचार्य और सम्पूर्ण राजा लोग थे। ऐसा करके श्रीकृष्ण ने अर्जुन से कहा कि युद्ध के लिए एकत्रित इन कौरवों को देखो (गीता

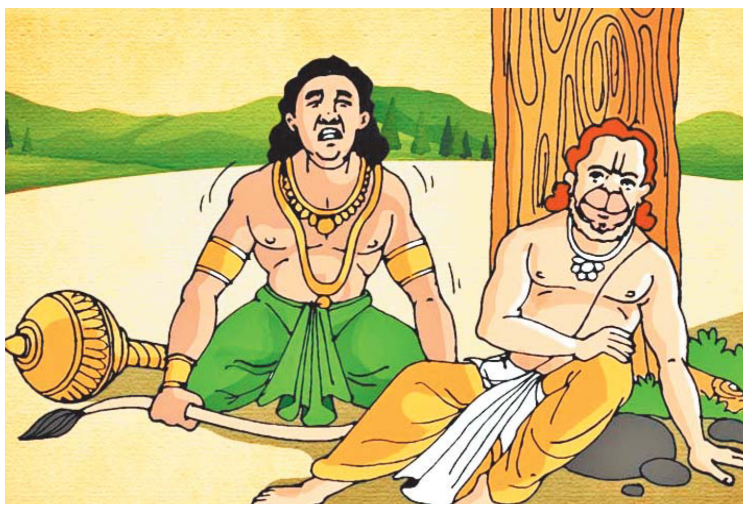

1.25)। यहाँ अर्जुन को गुडा के शक हो गया है जिसका अर्थ है जिसने निद्रा पर विजय प्राप्त कर ली हो। मानव शरीर की सभी वृत्तियों में निद्रा पर नियंत्रण सबसे कठिन होता है। जब निद्रा आती है तो मनुष्य विवश हो जाता है। वह कितना भी रोके पर निद्रा उसे अपने आगोश में ले ही लेती है। 'निद्रा विजयी' विशेषण देकर यह बताया गया है कि अर्जुन का अपनी भावनाओं व इन्द्रियों पर पूर्ण नियंत्रण था। ऐसा अर्जुन भी जब आगे परिस्थितियों के कारण मोह रूपी रोग का शिकार हो जाता है तब हम जैसे साधारण मानवों की तो स्थिति ही क्या है?

चिकित्सा शास्त्र में बड़ा आसान है कि रोग के बाहरी लक्षणों का उपचार कर दिया जाए। ऊपर से अस्थाई रूप से रोग ठीक होता प्रतीत होगा पर कभी भी वह और भी विकराल रूप से प्रकट हो जाएगा। दूसरा तरीका यह है कि रोग को जड़-मूल से जाकर समाप्त किया जाए। होम्योपैथी में इसके लिए जो दवाएँ दी जाती हैं वह रोग को प्रारंभ में उभारती हैं। जब रोग अपनी पूरी क्षमता से प्रकट हो जाता है तो उसे जड़ मूल से उखाड़ देती हैं। रोग का यह स्थाई उपचार हो जाता है। भगवान् अर्जुन की मनोदशा को समझते थे और उसके हृदय में अंकुरित मोह नामक बीमारी को जड़ से उखाड़ना चाहते थे इसलिए पहले उन्होंने मोह को पूरी तरह से उभारने के लिए रथ को ऐसे स्थान पर खड़ा किया जहाँ से अर्जुन के सारे संबंधी और पूज्य सामने दिखाई दिये। उन्होंने यह नहीं कहा कि प्रतिद्वंदियों को देखो या योद्धाओं को देखो अपितु यह कहकर कि युद्ध के लिए तैयार इन 'कौरवों' को देखो, अर्जुन के भीतर के 'अपने-पराये' के रोग को उभरने की परिस्थितियाँ पैदाकर दीं। उसमें 'अपने लोगों, 'स्वजनों' के प्रति ममता मोह जाग्रत हो गया। यदि श्रीकृष्ण यह रथ अर्जुन के चिर प्रतिद्वंदी कर्ण के समक्ष या दुर्योधन के समक्ष खड़ा कर देते तो अर्जुन का वैर और द्वेष ही उभरता, वह बिना विचार के युद्ध में कूद पड़ा होता। ऐसा होता तब भी युद्ध का परिणाम तो वही होता जो हुआ परंतु तब संसार के मनुष्यों को जीवन और जगत के द्वंद्वों का स्थाई समाधान न मिल पाता। भगवान् ने बड़ी कृपा करके ऐसी परिस्थितियाँ निर्मित कर दी कि अर्जुन के बहाने मानवों को गीता का अमर ज्ञान मिल सका। **(क्रमशः)**

दुनियाँ का सबसे बड़ा आध्यात्मिक धार्मिक सांस्कृतिक समागम प्रयागराज महाकुंभ 2025, वैश्विक शोध का विषय बना!

महाकुंभ समागम को देख पूरी दुनियाँ हैरान हार्वर्ड, स्टैंनफोर्ड लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, आईआईएम,एम्स सहित 20 संस्थानों का शोध शुरू

26 फरवरी 2025 को महाशिवरात्रि के स्नान के साथ महाकुंभ आयोजन का समापन होगा - श्रद्धालुओं का आंकड़ा 70 करोड़ पार होने की संभावना- एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर पूरी दुनियाँ हैरानी से दंग रह गई है, कि ऐसा कैसा हो सकता है ? कि अनेकों देश की एकीकृत जनसंख्या के तुल्य करीब संभावित 70 करोड़ व्यक्ति 45 दिन के महाकुंभ 2025 में घाटों पर पवित्र डुबकी लगाकर स्नान कर धार्मिकता की पावन पवित्रता से सराबोर हो हैं। संभावना व्यक्ति की जा रही है कि डुबकी लगाने वालेश्रद्धालुओं की संख्या 70 करोड़ के पार हो सकती है, सबसे बड़ी बात यह सामने आई है कि यह डुबकी न केवल आध्यात्मिक आस्था से जुड़े लोग लग रहे हैं,बल्कि अनेक देशोंके प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों के छात्र व प्रोफेसर इस संपूर्ण आयोजन का अलग-अलग एंगल से अलग-अलग क्षेत्रों के विषयों को लेकर शोध करने में जुटे हुए हैं। विश्व के सबसे बड़े धार्मिक आयोजन महाकुंभ के दौरान, दुनिया और देश भर के 20 से अधिक प्रमुख शैक्षिक संस्थान महाकुंभ से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर अध्ययन करने के लिए यहां कैम्प लगाए हैं। हार्वर्ड, स्टैनफोर्ड, लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, क्योटो यूनिवर्सिटी, ऐम्स , आईआईएम अहमदाबाद आईआईएम बेंगलुरू,आईआईटी कानपुर, आईआईटी मद्रास और जेएनयू जैसे प्रमुख संस्थान अपने प्रोफेसरों, शोधार्थियों और छात्रों को प्रयागराज भेजें हैं,जो रेखांकित करने वाली बात है। दूसरी ओर अति बड़े-बड़े आयोजनों में कुछ घटनाएं होने का भी अंदेशा बना रहता है,यानें व्यवस्थाओं में कुछ कमियां खामियाँ भी हो रही है, जैसे भगदड़ आग व दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ में कुछ व्यक्तियों की जान भी गई,जो बड़े दुख की बात है, उसी कड़ी में हमारी राइस सिटी गोंदिया में, मेरे पड़ोसी व परम मित्र नारायण जी तिवारी भी अभी दो-चार दिन पूर्व प्रयागराज गए तो घाट के पास उनकी पत्नी को चक्कर आया उन्हें लगे हुए शिविरों के माध्यम से तुरंत मेडिकल सुविधाएं उपलब्ध कराई गई,कोईशिकायत नहीं है, परंतु कुदरत के जन्म मृत्यु के नियमवश उनका देहांत हो गया, यह दुखद घटना हो गई परंतु उनसे मैंनें इस विषय पर किसी संभावित अवस्था की बात की तो उन्होंने शासन प्रशासनव व्यवस्था की तारीफ की और वहां के शासन प्रशासन व्यवस्थापकों का पूरा सहयोग प्राप्त होने की बात कही, यह मृत्यु जीवन चक्र जिंदगी का एक हिस्सा है, उन्होंने व्यवस्थाओं शासन प्रशासन को क्लीन चिट दी चूँकि महाकुंभ मेले को देख पूरी दुनियाँ हैरान है, हार्वर्ड स्टैंनफोर्ड, आईआईएम, एम्स सहित करीब 20 संस्थान शोध कर रही है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्धजानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, दुनियाँ का सबसे बड़ा आध्यात्मिक धार्मिक सांस्कृतिक आयोजन प्रयागराज महाकुंभ 2025, वैश्विक शोध का विषय बना हुआ है। 26 फरवरी 2025 को महाशिवरात्रि के स्नान के साथ महाकुम्भ का समापन होगा, श्रद्धालुओं आंकड़ा 70 करोड़ पार होने की संभावना है। साथियों बात अगर हम महाकुंभ 2025 के अनेक क्षेत्रों के कार्यों पर शोध की करें तो,दुनियाँ भर और देश भर के दो दर्जन से ज्यादा प्रमुख शिक्षण संस्थान महाकुंभ के दौरान प्रयागराज में डेरा डाले हैं, ताकि दुनियाँ के सबसे बड़े धार्मिक समागम से जुड़े विभिन्न पहलुओं काअध्ययन किया जा सके। हार्वर्ड, स्टैनफोर्ड, लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, क्योटो यूनिवर्सिटी, एम्स, आई आईएम अहमदाबाद आईआईएम बैंगलोर, आईआईटी कानपुर, आईआईटी मद्रास और जेएनयू कुछ ऐसे प्रमुख संस्थान हैं जो प्रयागराज में रहने के लिए प्रोफेसर, रिसर्च स्कॉलर और छात्रों को भेजे हैं। इस बात की जानकारी मेला क्षेत्र में तैनात एक अधिकारी द्वारा मीडिया में दी गई है,उन्होंने कहा कि पहली बार हम आर्थिक प्रभाव,भीड़ प्रबंधन, सामाजिक-सांस्कृतिक अभिव्यक्ति खाद्य वितरण श्रृंखला, नृवंशविज्ञान खातों के माध्यम से मानवशास्त्रीय अध्ययन, मल प्रबंधन सहित अन्य क्षेत्रों पर संस्थान समर्थित अध्ययन करेंगे।सरकार द्वारा आठ अलग-अलग क्षेत्रों और विषयों को शॉर्टलिस्ट किया गया है, जिन्हें शोधकर्ताओं द्वारा कवर किया जा रहा हैं। सूत्रों ने कहा कि वैश्विक भागीदारी के लिए कार्यक्रम को खोलते हुए शहरी विकास विभाग ने विस्तृत अध्ययन करने का विचार पेश किया था। भोजन और पेयजल पर शोध करेगा हार्वर्ड-मानवशास्त्रीय अध्ययन और खाद्य वितरण श्रेणी में हार्वर्ड यूनिवर्सिटी प्रतिभागियों के लिए भोजन और पेयजल तथा शहरी अवसंरचना प्रबंधन पर, अहमदाबाद विश्वविद्यालय महाकुंभ का मानवशास्त्रीय अध्ययन और लखनऊ विश्वविद्यालय तीर्थ और पवित्र भूगोल पर अध्ययन करेगा। आईआईएम इंदौर पर्यटन, मीडिया की भूमिका और सोशल मीडिया प्रबंधन के सर्वोत्तम तरीकों पर, जेएनयू महाकुंभ के सामाजिक-सांस्कृतिक प्रभाव और आर्थिक परिणामों पर और दिल्ली विश्वविद्यालय महाकुंभ के दार्शनिक और राष्ट्रीय एकता के पहलुओं पर शोध करेगा। प्रबंधन और योजना पर आईआईएम, स्वास्थ्य पर एम्स आईआईएम बैंगलोर और अहमदाबाद कुशल रणनीतिक प्रबंधन और योजना और शहरी अवसंरचना प्रबंधन पर तथा लखनऊ विश्वविद्यालय कार्यबल की रणनीतिक योजना और संचालन का विश्लेषण करेगा। स्वास्थ्य और आपदा प्रबंधन में एम्स आपातकालीन चिकित्सा प्रतिक्रिया के लिए स्वास्थ्य प्रणाली की तैयारी पर और सक्षम-निक्षय अभियान टीबी उन्मूलन अभियान के अवसरों और चुनौतियों का मूल्यांकन करेगा। आइआइटी कानपुर डिजिटल प्रौद्योगिकी के उपयोग के तहत सोशल मीडिया की भूमिका पर शोध करेगा।पर्यावरण और शहरी अवसंरचना और परिवहन भी मुख्य हिस्सा बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन महाकुंभ के पर्यावरणीय दस्तावेजीकरण पर अध्ययन करेगा। आइआइटी मद्रास जल और अपशिष्ट प्रबंधन का आकलन करेगा तथा संस्कृति फाउंडेशन हैदराबाद पर्यावरण संरक्षण के प्रति तीर्थयात्रियों की संवेदनशीलता पर अध्ययन करेगा।आईआईटी मद्रास, बीएचयू और एमएनएनआइटी परिवहन और यातायात प्रबंधन की चुनौतियों का विश्लेषण करेंगे।वहीं स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय (बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन के साथ) महाकुंभ के आर्थिक और सामाजिक प्रभाव का अध्ययन करेगा। नेशनल इंस्टीट्यूट आफ अर्बन अफेयर्स महाकुंभ 2025 के आर्थिक प्रभाव का आकलन प्रभावी ढंग से करेगा।

साथियों बात अगर हम महाकुंभ मेले की करें तो महाकुंभ मेला क्या है? कुंभ मेला भारत भर में पवित्र नदियों के तट पर चार शहरों में हर तीन साल में आयोजित किया जाता है। इस चक्र में हर 12 साल में एक बार आयोजित होने वाले कुंभ मेले में उपसर्ग ह्यमहाह्न (महान) होता है क्योंकि इसे अपने समय के कारण अधिक शुभ माना जाता है और इसमें सबसे बड़ी भीड़ जुटती है। श्रद्धालु हिंदुओं का मानना ??है कि पवित्र नदियों में डुबकी लगाने से लोगों के पाप धुल जाते हैं और कुंभ मेले के दौरान इससे जीवन-मरण के चक्र से भी मुक्ति मिलती है।कैसे शुरू हुआ कुंभ मेला? कुंभ मेले की उत्पत्ति हिंदू ग्रंथ ऋग्वेद में हुई है और कुंभ शब्द का तात्पर्य अमरता के अमृत से युक्त घड़े से है, जो सागर मंथन या ब्रह्मांडीय महासागर के मंथन नामक एक दिव्य घटना के दौरान प्रकट हुआ था। इस अमृत को पाने के लिए 12 दिव्य दिनों तक युद्ध चला, जो 12 मानव वर्षों के बराबर था।अमृत की बूंदें चार स्थानों झ प्रयागराज, हरिद्वार, नासिक और उज्जैन,पर गिरी, जो कुंभ के स्थल बन गए। कुंभ में, विभिन्न हिंदू संप्रदायों या अखाड़ों से संबंधित भक्त भव्य जुलूसों में भाग लेते हैं और पवित्र नदी में डुबकी लगाकर ह्यशाही स्नान करते हैं। यह भव्य नजारा लाखों पर्यटकों को आकर्षित करता है, जो न केवल इस अनुष्ठान में भाग लेने के लिए आते हैं, बल्कि हजारों संतों और संन्यासियों को, जो प्रायः अपने पारंपरिक भगवा परिधान पहने होते हैं, लगभग शून्य तापमान में डुबकी लगाते हुए देखने के लिए श्रद्धा के साथ भी आते हैं।

साथियों बात अगर हम प्रशासन द्वारा दी गई जानकारी की करें तो, महाकुंभ मेले को 2017 में यूनेस्को द्वारा अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर का दर्जा दिया गया। यह मानवता का सबसे बड़ा शांतिपूर्ण संगम है। यह आयोजन खगोलशास्त्र,ज्योतिष,आध्यात्मिकता, और सामाजिक- सांस्कृतिक परंपराओं का भी संगम है, जो इसे ज्ञान का एक समृद्ध स्रोत बनाता है।महाकुंभ के लिए प्रयागराज में एक अस्थायी नगरी का निर्माण किया जा रहा है और यह नगरी आधुनिक शहरी नियोजन, बुनियादी ढांचे और प्रबंधन का उत्कृष्ट उदाहरण है।अनूठी चुनौती और अवसर, प्रयागराज, जिसकी आबादी 5.5 मिलियन है, के लिए 400 मिलियन विजिटर्स का स्वागत करना एक अभूतपूर्व चुनौती और अवसर प्रस्तुत करता है, जो संस्थानों के लिए हमेशा आकर्षण का केंद्र रहा है। यह भव्य आयोजन हर 12 साल में तब मनाया जाता है जब सूर्य, चंद्रमा और गुरु एक विशेष आकाशीय स्थिति में एकत्र होते हैं।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि दुनियाँ का सबसे बड़ा आध्यात्मिक धार्मिक सांस्कृतिक समागम प्रयागराज महाकुंभ 2025, वैश्विक शोध का विषय बना!महाकुंभ समागम को देख पूरी दुनियाँ हैरान, हार्वर्ड, स्टैंनफोर्डलंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स,आईआईएम, एम्स सहित 20 संस्थानों का शोध शुरू।26 फरवरी 2025 को महाशिव रात्रि के स्नान के साथ महाकुंभ आयोजन का समापन होगा-श्रद्धालुओं का आंकड़ा 70 करोड़ पार होने की संभावना।

-संकलनकर्ता लेखक - कर विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए(एटीसी) एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र 9284141425

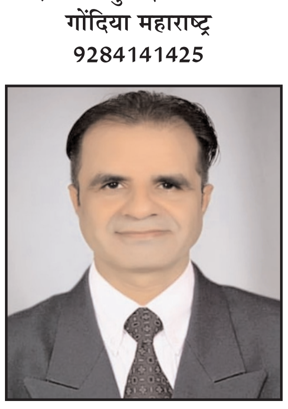
एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र

चैंपियंस ट्रॉफी : भारत-पाकिस्तान के बीच हाई वोल्टेज मुकाबला आज

सेमीफाइनल में पहुंचने के इरादे से मैदान पर उतरेगी रोहित सेना

एजेंसी ■ दुबई

कप्तान रोहित शर्मा की अगुवाई वाली भारतीय टीम रविवार को आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान के खिलाफ ग्रुप ए के हाई वोल्टेज मुकाबले में जब मैदान पर उतरेगी तो उसका इरादा पिछली हार का हिसाब बराबर करने के साथ सेमीफाइनल में जगह सुनिश्चित करने का होगा। भारत और पाकिस्तान के बीच यह बहुप्रतीक्षित और हाई-वोल्टेज मुकाबला रविवार, 23 फरवरी 2025 को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जाएगा। भारतीय समयानुसार यह मैच दोपहर 2.30 बजे शुरू होगा।

बांग्लादेश के खिलाफ मिली जीत से भारतीय टीम उत्साह से लबरेज है, वहीं पाकिस्तान को अपने शुरुआती मुकाबले में न्यूजीलैंड के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था और कल का मैच पाक के लिये करो या मरो की स्थिति वाला होगा क्योंकि अगर उसे भारत से हार मिलती है तो उसके लिये टूर्नामेंट में आगे की डगर काफी मुश्किल हो जाएगी। वर्ष 2017 के चैंपियंस ट्राफी फाइनल में भारत को पाकिस्तान के हाथों हार का सामना करना पड़ा था और कल का मैच भारत के लिए हिसाब बराबर करने का भी होगा।

विराट की बल्लेबाजी पर रहेगी नजर

कप्तान रोहित शर्मा ने पिछले मैच में तेज रफ्तार शुरुआत कर अपनी फार्म वापसी के संकेत दे दिए थे जो भारतीयों के लिए सुकून भरा है हालांकि स्टार बल्लेबाज विराट कोहली को चिर प्रतिद्वंदी के खिलाफ सर्वस्व झोंकना होगा। विराट की बल्लेबाजी पर करोड़ों भारतीय प्रशंसकों की उम्मीदें टिकी होंगी। शुभमन गिल बांग्लादेश के खिलाफ शतक जड़ कर अपनी विश्वनीयता साबित कर चुके हैं और कल के मैच में उनकी भूमिका काफी अहम रहने वाली है।

शमी बन सकते हैं पाकिस्तान के लिए मुसीबत : मोहम्मद शमी एक बार फिर अपने धारदार गेंदबाजी से पाकिस्तानियों के लिए मुसीबत का सबब बन सकते हैं। शमी पिछले मैच में बांग्लादेश के पांच विकेट झटक कर अपनी श्रेष्ठता साबित कर चुके हैं। हर्षित राणा उनके मजबूत सहयोगी बनेंगे वहीं हार्दिक पांड्या बीच के ओवर में पाकिस्तान बल्लेबाजी की परीक्षा लेंगे। स्पिन को मदद देने वाली पिच पर भारत अपने स्पिन आक्रमण में कोई फेरबदल करना पसंद नहीं करेगा।

फखर जमा का बाहर होना पाक के लिए झटका

■ *दूसरी ओर चोटिल फखर जमा के चैंपियंस ट्राफी से बाहर होना पाकिस्तान टीम के लिए बड़ा झटका माना जा सकता है वहीं बाबर आजम की फॉर्म भी पड़ोसी देश की टीम के लिए चिंता का सबब बन सकता है। बाबर ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पिछले मैच में धीमी गति से 64 रन बनाए थे। फखर जमां की जगह इमाम उल हक को चुना गया है। मध्य क्रम के बल्लेबाज खुशदिल शाह पाकिस्तान के लिए तुरुप का पत्ता साबित हो सकते हैं। इन सबके बावजूद पाकिस्तान को भारत हल्के में लेने की भूल नहीं करेगा।*

पाकिस्तान पलटवार करने में सक्षम

इतिहास बताता है कि पाकिस्तान एक मैच हारने के बाद पलटवार करने में सक्षम है और उसकी इसी ताकत उसे मनोवैज्ञानिक तौर पर मजबूत टीम बनाती है। कीवी टीम के खिलाफ बेअसर साबित हुए पाकिस्तान के गेंदबाज भारतीय बल्लेबाजी पर दवाब बनाने की कोशिश कर सकते हैं। पाक के लिए हालांकि यह काफी आसान नहीं होगा। पाकिस्तान को यहां के माहौल और परिस्थितियों से तालमेल बैठाने में कुछ समय लग सकता है जबकि भारतीय टीम अपना एक मुकाबला इस मैदान पर खेल चुकी है। दोनो टीमों के लिए यहां काफी समर्थन है और दर्शक मैच का लुफ्त उठाने के लिए दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम का रुख करेंगे।

मैच से पहले विराट ने जमकर किया अभ्यास

आईसीसी चैंपियंस ट्राफी में रविवार को पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले ग्रुप ए मुकाबले के लिये भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली ने जम कर नेट प्रैक्टिस की। पिछले कुछ समय से खराब फार्म से जूझ रहे विराट का बल्ला चैंपियंस ट्राफी के पहले मैच में बांग्लादेश के खिलाफ भी नहीं चला था और वह 22 रन बना कर आउट हो गये थे। स्पिनर के सामने विराट खुद को असहज महसूस कर रहे हैं और इसका प्रमाण है कि वह पिछले मैच में बांग्लादेश के रिशाद हुसैन की घूमती गेंद पर अपना विकेट गंवा बैठे। हाल ही विराट इंग्लैंड के खिलाफ एक दिवसीय सीरीज में आदिल रशीद के सामने संघर्ष करते नजर आये थे जबकि इससे पहले आस्ट्रेलिया सीरीज में उन्हे तेज गेंदबाजों ने परेशान किया और बाहर जाती गेंदों को छेड़ने के प्रयास में उन्होंने अपने विकेट गंवाए थे। विराट को अच्छी तरह पता है कि कल का मैच उनके लिये कितनी अहमियत रखता है और यही कारण है कि वे दुबई के आईसीसी अकादमी में निर्धारित अभ्यास सत्र से पहले ही पहुंच गये और जम कर पसीना बहाया। उन्होने स्पिन गेंदबाजी के सामने अभ्यास किया। दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम की पिच गेंदबाजों के लिए मददगार साबित हुई है। भारत की रन मशीन कहे जाने वाले विराट 2023 से खराब फार्म से जूझ रहे हैं। हालांकि इस दौरान उनकी कुछ पारियां शानदार रहीं है मगर बल्लेबाजी में निरंतरता के अभाव में उन्हे आलोचनाओं का भी सामना करना पड़ा है।

दुनिया के नं. 1 बल्लेबाज बनने के हकदार हैं गिल-पोंटिंग

एजेंसी ■ दुबई

आईसीसी चैंपियंस ट्राफी में बांग्लादेश के खिलाफ शतकीय पारी खेलने वाले शुभमन गिल की तारीफ करते हुये आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिंकी पोटिंग ने कहा कि 25 वर्षीय प्रतिभाशाली भारतीय बल्लेबाज दुनिया का नंबर एक बल्लेबाज बनने की कुव्वत रखता है।

आईसीसी रिव्यू पॉडकास्ट पर संजना गणेशन से बात करते हुए पोंटिंग ने कहा, वह इस समय दुनिया का नंबर एक बल्लेबाज बनने का पूरी तरह से हकदार है और यह भारत के लिए एक अच्छा संकेत है कि उसने चैंपियंस ट्रॉफी के पहले गेम में ही अपना खाता खोल लिया है। पोंटिंग ने कहा कि गिल हालांकि खेल के सबसे लंबे प्रारूप में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं, लेकिन सफेद गेंद क्रिकेट उनकी खेल शैली के लिए सबसे उपयुक्त है। उन्होंने कहा, वह कई वर्षों से एक बहुत, बहुत अच्छा अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी रहा है। पिछले तीन चार वर्षों में उनका सफेद गेंद क्रिकेट उत्कृष्ट रहा है। वह एक बड़ा गेम प्लेयर भी है। पिछले कुछ वर्षों में उन्होंने आईपीएल में वास्तव में अच्छा खेला है।

गिल ने पहले मैच में बांग्लादेश के खिलाफ बनाया था शतक

चैंपियंस ट्रॉफी में बल्ले से गिल शानदार फॉर्म में हैं और हाल ही में भारत ने इंग्लैंड पर सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाए हैं। गिल ने गुरुवार को बांग्लादेश के खिलाफ अपने शुरुआती मैच में 229 रनों का पीछा करते हुए दुबई में एक मुश्किल लक्ष्य को पार करते हुए अपना आठवां एकदिवसीय शतक बनाया।

गद्दाफी स्टेडियम पर गूंजी 'जन गण मन' की धुन

लाहौर। आईसीसी चैंपियंस ट्राफी में शनिवार को आस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच मैच से पहले तकनीकी खामी से गद्दाफी स्टेडियम पर भारतीय राष्ट्र गान जन गण मन शुरू हो गया हालांकि चंद सेकेंड में इस गलती को सुधार लिया गया।

आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के ग्रुप 'बी' में इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया अपने पहले मुकाबले में एक दूसरे के सामने है। लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम पर परंपरा के अनुसार मैच से पहले दोनों देशों के राष्ट्रीय गान बजाए जाते हैं। इस दौरान इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के राष्ट्रगान बजने थे, लेकिन तकनीकी गलती के कारण मैदान पर अचानक भारत का राष्ट्रगान 'जन गण मन' बजने लगा। आयोजकों ने चंद सेंकेंड में इस गलती को सुधार लिया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। गौरतलब है कि ग्रुप ए में रविवार को दुबई में भारत-पाकिस्तान के बीच एक-दूसरे के सामने होंगे।

ज्वेरेव को हराकर कोमेसाना रियो ओपन के सेमीफाइनल में

एजेंसी ■ रियो डी जनेरियो

अर्जेंटीना के फ्रांसिस्को कोमेसाना ने एक सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए शीर्ष वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ज्वेरेव के खिलाफ सनसनीखेज जीत हासिल कर एटीपी 500 रियो ओपन के सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

कॉमेसाना ने शुक्रवार को जॉकी क्लब ब्रासीलीरो की आउटडोर क्ले पर दो घंटे और 31 मिनट में जीत हासिल करने के लिए सात में से चार ब्रेक प्वाइंट को बदल दिया। दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी ज्वेरेव के लिए यह रात भूलने लायक रही, उन्होंने चार डबल फॉल्ट किए और कई

अप्रत्याशित गलतियां कीं। पूरे मैच के दौरानह भीषण गर्मी और उमस से असहज दिखायी दिए। टूर्नामेंट शुरू होने से पहले 86वें स्थान पर काबिज कोमेसाना शनिवार को फ्रांस के एलेक्जेंडर मुलर से भिड़ेंगे। इससे पहले, अर्जेंटीना के कैमिलो उगो काराबेली ने पुर्तगाल के जैमे फारिया पर 7-6 (5), 6-4 से जीत के साथ अंतिम चार में प्रवेश किया। काराबेली ने आठ ऐस लगाए और अपनी पहली सर्विस पर 78 प्रतिशत अंक जीतकर मैच एक घंटे 56 मिनट में जीत लिया। सेमीफाइनल में काराबेली का सामना अपने ही देश के खिलाड़ी और पांचवीं वरीयता प्राप्त सेबेस्टियन बेज से होगा, जिन्होंने चीनी ताइपे के त्सेंग चुन-हसिन को 6-4, 6-1 से हराया।

बेन डकेट ने शतक के साथ चैंपियंस ट्रॉफी में नया रिकॉर्ड बनाया

एजेंसी ■ लाहौर

बल्लेबाजी में इंग्लैंड की अगुवाई करते हुए सलामी बल्लेबाज बेन डकेट ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ग्रुप बी मुकाबले के दौरान आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा स्कोर बनाया।

डकेट ने 142 गेंदों में 165 रन बनाकर न्यूजीलैंड के पूर्व महान बल्लेबाज नाथन एस्टल को पीछे छोड़ दिया, जिन्होंने पहले सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर बनाया था और टूर्नामेंट के इतिहास में किसी बल्लेबाज द्वारा 150 रन बनाने का पहला उदाहरण था। 17 चौकों और तीन छक्कों की मदद से अपनी आक्रामक पारी खेलने वाले डकेट 48वें ओवर में मार्नस लाबुस्चगने की गेंद पर आउट हो गए। ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया, लेकिन पावरप्ले में बेन ड्वार्शियस के दो विकेट के कारण इंग्लैंड बैकफुट पर आ

गया। इसके बाद डकेट ने जो रूट के साथ मिलकर तीसरे विकेट की साझेदारी के लिए 158 रन जोड़े। जहां ऑस्ट्रेलिया एक छोर पर नियमित अंतराल पर विकेट लेने में कामयाब रहा, वहीं दूसरी ओर डकेट ने स्कोरबोर्ड पर टिक करना जारी रखा और अंततः लाहौर में एक रिकॉर्ड बनाने में सफल रहे।

कतर ओपन

जिरी लेहेका को हराकर जैक ड्रेपर फाइनल में

एजेंसी ■ दोहा

ब्रिटिश नंबर एक जैक ड्रेपर चेक गणराज्य के जिरी लेहेका को 3-6 7-6 (7-2) 6-3 से हराकर कतर ओपन के फाइनल में पहुंच गए हैं।बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, ड्रेपर ने गुरुवार को पूर्व विंबलडन उपविजेता माटेओ बेरेटिनी को हराया था। उन्होंने टाई-ब्रेक में त्रुटिहीन प्रदर्शन करते हुए मैच को निर्णायक स्थिति में पहुंचा दिया। हार की निराश में लेहेका ने अपना रैकेट फर्श पर फेंक दिया। ड्रेपर ने अपने दूसरे मैच प्वाइंट के साथ फिर से सर्विस तोड़ दी और खुद को करियर का तीसरा खिताब जीतने का मौका दिया। ड्रेपर ने कहा, मुझे लगा कि पहले सेट में मैंने खराब खेल दिखाया। मैंने उसकी (लेहेका की) सर्विस पर बढ़त हासिल करना शुरू की, आसान पकड़ बनाई और उसकी सर्विस के पीछे काफी दबाव बनाया। जैसे-जैसे मैच आगे बढ़ा, मुझे और अधिक सकारात्मक महसूस हुआ।

जनवरी में ऑस्ट्रेलियन ओपन के चौथे दौर में पहुंचने वाले ड्रेपर फाइनल में एंड्री रुबलेव से भिड़ेंगे। उन्होने कनाडा के फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे को 7-5, 4-6, 7-6 (7-5) से हराया था। बराबरी का मुकाबला रोमांचक निर्णायक सेट तक पहुंच गया, जिसमें दुनिया के 10वें नंबर के खिलाड़ी रुबलेव ने अपने चौथे मैच प्वाइंट के साथ जीत हासिल की। इससे पहले शुक्रवार को ब्रिटिश जोड़ी लॉयड ग्लासपूल और जूलियन कैश ने भारत के युकी भांबरी और क्रोएशिया के इवान डोडिग को 7-6 (7-3) 6-3 से हराया था।

पूर्व गोलकीपर सुब्रत पॉल बने राष्ट्रीय फुटबॉल टीम के निदेशक

नई दिल्ली। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) की तकनीकी समिति ने भारत के पूर्व गोलकीपर सुब्रत पॉल को शुक्रवार को राष्ट्रीय टीम का निदेशक नियुक्त किया। समिति ने इसके साथ ही पुरुषों की अंडर20 टीम के मुख्य कोच के रूप में बिबियानो फर्नांडिस के नाम की भी सिफारिश की।

यह निर्णय भारत के पूर्व कप्तान आईएम विजयन की अध्यक्षता में तकनीकी समिति की बैठक में लिए गए। इसमें शब्बीर अली, विक्टर अमलराज, क्लाइमेक्स लॉरेंस, हरजिंदर सिंह और संतोष सिंह ने भाग लिया। एआईएफएफ महासचिव अनिलकुमार प्रभाकरन और कोषाध्यक्ष किपा अजय के साथ-साथ तकनीकी निदेशक सैयद साबिर पाशा भी बैठक में उपस्थित थे। एआईएफएफ ने यहां जारी विज्ञप्ति में कहा, तकनीकी समिति ने राष्ट्रीय टीम के निदेशक के रूप में पूर्व भारतीय अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी सुब्रत पॉल की नियुक्ति की पुष्टि की।

द. अमेरिका में अप्रैल में होगा आईएसएसएफ विश्व कप

35 सदस्यीय निशानेबाजी टीम का नेतृत्व करेंगी मनु भाकर

एजेंसी ■ मुंबई

इस साल अप्रैल में दक्षिण अमेरिका में होने वाले आईएसएसएफ विश्व कप में भारत की 35 सदस्यीय निशानेबाज मनु भाकर टीम की अगुआई करेंगी। इस टीम में कई पेरिस ओलंपियन शामिल हैं, जिनके कार्यक्रम ब्यूनस आयर्स, अर्जेंटीना (1-11 अप्रैल) और लीमा, पेरू (13-22 अप्रैल) में होने हैं। भाकर, जिन्हें हाल ही में पेरिस में अपने दो कांस्य पदकों के लिए ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया है, महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल और 25 मीटर पिस्टल स्पर्धाओं में भाग लेंगी। उनके साथ अनीश भानवाला, विजयवीर सिद्धू, ईशा सिंह, ऐश्वर्या प्रताप सिंह तोमर और सिफ्ट कौर समरा जैसे प्रमुख निशानेबाज शामिल होंगे। दक्षिण अमेरिका जाने से पहले, भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ 14 मार्च से कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में प्रशिक्षण शिविर आयोजित करेगा। एनआरएआई ने 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक सहित भविष्य की चुनौतियों के लिए निशानेबाजों को तैयार करने के लिए जसपाल राणा (25 मीटर पिस्टल के लिए उच्च प्रदर्शन कोच) और जीतू राय (10 मीटर एयर पिस्टल) सहित अनुभवी कोच भी नियुक्त किए हैं। एनआरएआई ने एक बयान में कहा, प्रत्येक अनुशासन के लिए कुल तीन विश्व कप चरण होंगे, जबकि दो जूनियर विश्व कप, जिनमें से दूसरा सितंबर में नई दिल्ली में होगा, भी निर्धारित हैं। इस साल अंतरराष्ट्रीय रोस्टर में अगस्त में कजाकिस्तान में 16वीं एशियाई चैंपियनशिप भी शामिल है।

खेल मंत्रालय ने समीक्षा के बाद टॉप्स कोर ग्रुप में की भारी कटौती

एजेंसी ■ नई दिल्ली

खेल मंत्रालय की टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टॉप्स) के कोर ग्रुप को हाल में खिलाड़ियों के प्रदर्शन की समीक्षा के बाद 179 से घटाकर 94 कर दिया गया है जिसमें भारत के कु छ बड़े खिलाड़ियों के नाम हटा दिए गए हैं क्योंकि टेनिस, तैराकी और गोल्फ को कोई प्रतिनिधित्व नहीं मिला है जबकि मुक्के बाजी और एथलेटिक्स में संख्या काफी कम कर दी गई। इसमें भी जिन 94 खिलाड़ियों को चुना गया है उनमें से मात्र 42 ही शारीरिक रूप से सक्षम एथलीट हैं जो पिछली सूची से 78 कम है। भाला सुपरस्टार नीरज चोपड़ा, स्टीपलचेजर अविनाश साबले और लंबी कूद के खिलाड़ी एम श्रीशंकर समूह में ट्रैक और फील्ड के खिलाड़ी हैं। जिन प्रमुख खिलाड़ियों को सूची से बाहर किया जाना है, उनमें एशियाई खेलों में स्वर्ण जीतने वाले चक्का फेंक खिलाड़ी तजिंदरपाल सिंह तूर, राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी भाला फेंक खिलाड़ी अन्नू रानी और दो बार एशियाई खेलों में स्वर्ण जीतने वाले धावक मोहम्मद अनस याहिया शामिल हैं।

मुक्के बाजी का प्रतिनिधित्व भी आठ से घटकर मात्र दो रह गया है और इनमें से कोई भी पुरुष मुक्केबाज नहीं है। केवल टोक्यो ओलंपिक की कांस्य विजेता लवलीना बोरगोहेन और विश्व चैंपियन निकहत जरीन ही सूची में जगह बना पाई हैं। के श्रीकांत और युगल विशेषज्ञ अश्विनी पोनप्पा सबसे स्थापित बैडमिंटन खिलाड़ी हैं, जिन्हें सूची से बाहर रखा गया है जिसमें पीवी सिंधु, एचएस प्रणय, लक्ष्य सेन और सात्विकसाईराज रंकी रेड्डी और चिराग शेट्टी की युगल टीम को शामिल किया गया है। निशानेबाजी का उच्च प्रतिनिधित्व जारी है। लेकिन कु ल संख्या 25 से घटकर 17 हो गई है। विश्व चैंपियनशिप के पदक विजेता दिव्यांश सिंह पंवार (राइफल) और अनीश भानवाला (पिस्टल) की जोड़ी को बाहर रखा गया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेलः- (LOKTANTRAKISHAAN@GMAIL.COM

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)